वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

विविध: अनुष्का शेट्टी बिजनेसमैन से करने जा रही हैं शादी! * नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित

जिल्द: 42, अंक : 103 पृष्ठ : 12 E-mail : newsdesk@virarjun.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

R.N.I. No. 511/57 D.L.(C)-05/1270/2024-26 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, सोमवार 16 मार्च 2026 मूल्य : रु 4.00 प्रभात संस्करण

देश

राहुल ने पीएम को पत्र लिखकर कांशीराम को भारत रत्न की मांग की

पांच राज्यों में बजा चुनावी बिगुल

बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम व पुडुचेरी में 9 से 29 अप्रैल के बीच होंगे चुनाव, मतगणना 4 को

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। कुमार ने बताया कि केरल, असम और पुडुचेरी के लिए नौ अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। उन्होंने बताया कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 824 सीटों पर मतगणना चार मई को होगी। कुमार ने कहा कि चुनाव हिंसा या प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए और आयोग किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। कुमार के साथ दो निर्वाचन आयुक्त - सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, शुद्ध मतदाता सूची हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है, किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए और किसी भी अपात्र मतदाता को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार संवाददाता सम्मेलन के दौरान विधानसभा चुनाव की जानकारी देते हुए।

▶वोटिंग

बंगाल में दो चरण में 23 व 29 अप्रैल को वोटिंग, तमिलनाडु में 23 को , केरल, असम व पुडुचेरी में एक ही दिन नौ अप्रैल को डाले जाएंगे वोट

▶आचार संहिता

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू

उन्होंने बताया कि पांच राज्य विधानसभाओं के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जहां 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा की जनसंख्या के बराबर है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 20 देशों के चुनाव निकायों के प्रतिनिधि भारत के लोकतंत्र के उत्सव का अनुभव प्राप्त करने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा करेंगे। कुमार ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है। कुमार ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अच्छा काम करने के लिए बीएलओ को बधाई भी दी। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारी हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत अपलोड करेंगे और चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद मतदान के आंकड़े अपलोड किए जाएंगे। तमिलनाडु में कुल 234 विधानसभा सीटें हैं, जहां द्रमुक नेता एम.के. स्टालिन सात मई, 2021 से मुख्यमंत्री हैं।

विधानसभा की आठ सीटों पर उपचुनाव 9 और 23 अप्रैल को होंगे

नई दिल्ली, (विप्र)। गोवा, कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव नौ अप्रैल को होंगे जबकि गुजरात और महाराष्ट्र की तीन अन्य विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को उपचुनाव होंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि उपचुनाव के लिए सभी आठ निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना चार मई को होगी। जिन आठ विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं, उनमें गोवा में पोंडा, कर्नाटक में बागलकोट और दक्षिण दावणगेरे, नगालैंड में कोरिडांग, त्रिपुरा में धर्मनगर, गुजरात में उमरेठ और महाराष्ट्र में राहुरी और बारामती शामिल हैं।

भारत का कच्चे तेल का टैंकर फुजैराह से सुरक्षित निकला

सरकार पश्चिम एशिया में स्थिति पर रख रही है नजर

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। तेल टर्मिनल पर हमले के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह से तेल भरने के बाद भारतीय ध्वज वाला कच्चे तेल का एक टैंकर सुरक्षित निकल गया है।

सरकार ने रविवार एक अद्यतन सूचना में कहा कि वह पश्चिम एशिया में स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और स्थिर ईंधन आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। जग लाडकी नाम का यह जहाज, जिसमें लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल है, फुजैराह से भारतीय समय के अनुसार 10.30 बजे निकला और इस पर सवार सभी सदस्य सुरक्षित हैं, और अब यह भारत के लिए रवाना हो गया है। जग लाडकी चौथा भारतीय ध्वजवाहक जहाज है जो युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के बाहर निकला है।तैयारी के उपायों पर एक अद्यतन सूचना में सरकार ने कहा कि इसके अलावा, सुरक्षित रास्ता भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत परिवहन की दिक्कतों ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाला है।इसमें कहा गया, 14 मार्च, 2026 को, जब भारतीय ध्वज वाला जहाज जग लाडकी फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर कच्चा तेल भर रहा था, तो तेल टर्मिनल पर हमला हुआ। जहाज आज (रविवार) 10.30 बजे फुजैराह से लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल लेकर सुरक्षित रूप से भारत के लिए रवाना हुआ। इसमें कहा गया है कि जहाज और उसमें सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। शनिवार को, दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज शिवालिक और नंदा देवी - लगभग 92,712 टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गए।सूचना के अनुसार, शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचेगा, और नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पर लंगर डालेगा।ये दोनों जहाज उन 24 जहाजों में शामिल थे जो इस क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद से जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए थे। पश्चिमी इलाके पर 24 के अलावा, पूर्वी क्षेत्र में चार और जहाज फंसे हुए थे। पूर्वी इलाके में पर चार में से भारतीय ध्वज वाला तेल टैंकर जग प्रकाश, जो ओमान से अफ्रीका पेट्रोल ले जा रहा था, शुक्रवार को युद्ध प्रभावित इलाके को पार कर गया।जग प्रकाश ने ओमान के सोहर बंदरगाह से पेट्रोल लिया था और अब यह तंजानिया के टांगा जा रहा है। यह 21 मार्च को टांगा पहुंचने वाला है।सरकार ने कहा कि इस इलाके में काम कर रहे भारतीय जहाज और नाविक सुरक्षित हैं, और समुद्री परिचालन पर करीब से नजर रखी जा रही है। अभी, फारस की खाड़ी इलाके के पश्चिम की ओर 22 भारतीय ध्वजवाहक जहाज हैं जिन पर 611 नाविक हैं।भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और 60 प्रतिशत एलपीजी जरूरतें आयात से पूरी करता है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले और जवाबी ईरानी कार्रवाई से पहले भारत का आधे से ज़्यादा कच्चा तेल आयात, लगभग 30 प्रतिशत गैस और 85-90 प्रतिशत एलपीजी आयात सऊदी अरब और यूएई जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता था।

▶जहाज पर सवार सभी भारतीय सुरक्षित

▶सरकार स्थिर ईंधन आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा कर रही है सुनिश्चित

फार्म हाउस में छापेमारी, ड्रग लेने के आरोप में सांसद और पूर्व विधायक हिरासत में

हैदराबाद, (भाषा)। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेता एवं आंध्र प्रदेश से सांसद पुट्टा महेश कुमार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता एवं पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी सहित छह लोगों को कथित रूप से नशीले पदार्थ का सेवन करने के मामले में हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद के पास मोइनाबाद स्थित रोहित रेड्डी के स्वामित्व वाले एक फार्महाउस में नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किए जाने की विश्वसनीय सूचना मिलने पर मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन के लिए विशिष्ट कार्य बल (ईगल) ने स्थानीय पुलिस दलों के साथ समन्वय कर शनिवार रात वहां छापा मारा। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक व्यक्ति ने पार्टी के दौरान रिवॉल्वर से हवा में कथित तौर पर तीन गोलियां चलाईं। पार्टी में शामिल हुए 11 व्यक्तियों की यूरीन ड्रग टेस्टिंग किट के जरिए मौके पर ही जांच की गई और उनमें से रोहित शेट्टी समेत पांच लोगों के मादक पदार्थ का सेवन करने की पुष्टि हुई जबकि सांसद की जांच के परिणाम में इसकी पुष्टि नहीं हुई है।ईगल बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया और दोबारा जांच किए जाने पर परिणामों ने पुष्टि की कि सांसद सहित छह लोगों ने नशीले पदार्थों का सेवन किया है। अधिकारी ने कहा, सांसद की प्रारंभिक जांच में उनके मादक पदार्थ लेने की पुष्टि नहीं हुई थी लेकिन खून की जांच में इसकी पुष्टि हो गई। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि उन्होंने मादक पदार्थों का सेवन फार्महाउस परिसर में किया था या किसी अन्य स्थान पर किया था।अधिकारी ने बताया कि पार्टी से दो ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया है और उसे फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि यह मादक पदार्थ कहां से लाया गया था।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस पार्टी में रियल एस्टेट कारोबारियों, व्यवसायियों तथा राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का एक समूह शामिल हुआ था। पार्टी में शामिल लोगों में एक महिला भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि हथियार को जब्त कर लिया गया है।

बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। **(विविध)**

सुप की व्यवस्था में समस्या स्वीकार करने की जरूरत: गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि यह स्वीकार करना आवश्यक है कि सुरक्षा परिषद की व्यवस्था में समस्या है । **(देश-विदेश)**

एलपीजी बुकिंग घटकर 77 लाख हुईं, ईंधन की कोई कमी नहीं: सरकार

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने बताया कि देश में घरेलू एलपीजी रिफिल बुकिंग में गिरावट आई है और यह अब लगभग 77 लाख पर पहुंच गई है, जबकि 13 मार्च को यह 88.8 लाख थी।

सरकार ने कहा है कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सुरक्षित है और किसी तरह की कमी नहीं है। सरकार ने पश्चिम एशिया की स्थिति के प्रभाव पर जारी दैनिक अपडेट में बताया कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग का हिस्सा बढ़कर लगभग 87 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 84 प्रतिशत था। इसका श्रेय तेल विपणन कंपनियों द्वारा डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने और लोगों को एलपीजी डीलरशिप पर लंबी कतारों में खड़ा होकर जरूरत से ज्यादा खरीदारी करने से रोकने वाले अभियान को दिया गया है। सरकार ने बताया कि देश की सभी घरेलू रिफाइनरी पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और पर्याप्त कच्चे तेल का भंडारण बनाए हुए हैं।सरकार ने कहा कि देश पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है और घरेलू मांग

▶देश की सभी घरेलू रिफाइनरी पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और पर्याप्त कच्चे तेल का भंडारण बनाए हुए हैं

पूरी करने के लिए इन ईंधनों का कोई आयात आवश्यक नहीं है। तेल विपणन कंपनियों ने ईंधन खुदरा बिक्री केंद्रों या एलपीजी वितरकों के पास भंडारण खत्म होने की कोई जानकारी नहीं दी है, और पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति नियमित रूप से बनाए रखी जा रही है। सरकार ने बताया कि एलपीजी बुकिंग में गिरावट आई है। शनिवार को लगभग 77 लाख बुकिंग दर्ज की गई, जबकि 13 मार्च, 2026 को यह संख्या 88.8 लाख थी। साथ ही ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का हिस्सा बढ़कर 84 प्रतिशत से लगभग 87 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देना और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना जारी रहेगा, विशेषकर घरों और प्राथमिक क्षेत्रों जैसे अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों के लिए।

एनएचएआई ने वार्षिक पास शुल्क बढ़ाकर 3,075 रुपए किया

नई दिल्ली, (भाषा)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने वार्षिक पास का शुल्क 75 रुपये बढ़ाकर 3,075 रुपये कर दिया है। एनएचएआई ने रविवार को यह जानकारी दी। एनएचएआई ने बताया कि वार्षिक पास सुविधा 15 अगस्त, 2025 को शुरू की गई थी, ताकि राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले यात्रियों को आर्थिक राहत मिल सके। अब यह शुल्क वर्तमान के 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,075 रुपये कर दिया गया है। यह संशोधन एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। एनएचएआई के अनुसार, यह संशोधन राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरें तय करने और संग्रह) नियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

अंतरराजीय मादक पदार्थ आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नशीली दवाओं (मनोविकृति नाशक) की अवैध आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपियों के कब्जे से प्रतिबंधित दवाओं की एक बड़ी खेप भी बरामद की गई है।

अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंजाब के पटियाला निवासी सलमान खान, दिल्ली निवासी विपिन कुमार पाल तथा उत्तर प्रदेश निवासी अब्दुल रहमान और रवि गर्ग के रूप में हुई है। पुलिस को सात मार्च को सूचना मिली कि विपिन कुमार पाल नशीली दवाओं (अल्प्राजोल्म और ट्रामाडोल) की अवैध आपूर्ति में शामिल है। वह शाम को कश्मीरी गेट के पास सलमान खान नामक व्यक्ति को दवाओं की खेप सौंपने वाला था। सूचना के आधार पर कार्वाई करते हुए पुलिस ने यमुना पुल के पास जाल बिछाकर

▶आरोपियों के कब्जे से प्रतिबंधित दवाओं की एक बड़ी खेप भी बरामद की गई

दोनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। फुटपाथ पर प्लास्टिक की बोरी के साथ खड़े पाल और मौके पर पहुंचे सलमान के पास से कुल 59,925 नशीली गोलियां बरामद की गईं, जिनका वजन करीब 8.09 किलोग्राम है। पूछताछ में पता चला कि यह खेप मुजफ्फरनगर निवासी अब्दुल रहमान के जरिए मंगाई गई थी जिसे आगे पंजाब में एक अन्य सहयोगी तक पहुंचाया जाना था।अधिकारी ने बताया कि इसके बाद 13 मार्च को अब्दुल रहमान और रवि गर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया। मुजफ्फरनगर में उनके किराए के मकान की तलाशी के दौरान पुलिस ने करीब आठ किलोग्राम वजन के 2,000 रेक्सोजेसिक (बुप्रेनॉर्फिन) इंजेक्शन बरामद किए।पुलिस ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

पश्चिम एशिया में 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा

नई दिल्ली, (विप्र)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने रविवार को अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष के मद्देनजर पश्चिम एशिया क्षेत्र में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के छात्रों के लिए 16 मार्च से 10 अप्रैल तक निर्धारित 12वीं कक्षा की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। पहले स्थगित की गई परीक्षाएं भी रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने कहा, इन देशों में परिणाम घोषित करने के बारे में अलग से घोषणा की जाएगी। इससे पहले, बोर्ड ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में 10वीं कक्षा की परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा की थी।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, उड़ी में पाक आतंकी ढेर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू। सेना ने एलओसी पर उड़ी सेक्टर में पाक सेना द्वारा की गई घुसपैठ की कोशिश को नाकाम बनाते हुए एक आतंकी को ढेर कर दिया। समाचार भिजवाए जाने तक मारे गए आतंकी के अन्य साथियों की तलाश जारी थी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के उड़ी सेक्टर में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक संयुक्त घुसपैठ-रोधी अभियान के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। भारतीय सेना की चिनार कोर द्वारा एक्स पर की गई एक पोस्ट में लिखा है - आपरेशन डिग्गी 2, उड़ी: जेकेपी द्वारा घुसपैठ की कोशिश के बारे में दी गई एक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, 14-15 मार्च की दरमियानी रात को उड़ी सेक्टर के बुछार इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। पोस्ट में आगे लिखा है कि सतर्क जवानों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध हलचल देखी। घात लगाने की जगह को फिर से व्यवस्थित किया गया और आतंकवादी को ललकारा गया, जिसके जवाब में आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

सड़क दुर्घटना में तीन पुलिसकर्मियों की मौत

चित्रदुर्ग (कर्नाटक), (भाषा)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में रविवार सुबह बेंगलुरु-बल्लारी राजमार्ग पर एक लॉरी से कार की टक्कर में तीन पुलिस उप-निरीक्षकों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह लगभग सात बजे प्रकाश स्पंज आयरन कंपनी के निकट तब हुई जब बेंगलुरु से बल्लारी जा रही कार एक ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि कार में पांच उप-निरीक्षक सवार थे।उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार लगभग 300 मीटर तक घिसटती चली गई। उन्होंने बताया कि घटना में अमरेश, मंजुनाथ और सचिन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल लक्ष्मण और ईश्वर को पहले चल्लाकेरे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकतम	33.00	
न्यूनतम	13.00	
बीएसई	76,034.42	
एनएसई	23,639.15	
डॉलर	92.47	
यूरो	105.83	

अपने विचार भेजें

क्या पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर रखने से रोकना सही है?

क्या सरकार ने सोनम वांगचुक को दबाव में रिहा किया?

हां 40% नहीं 45% पता नहीं 15%

कृपया जनमत हेतु अपना मत www.virarjun.com पर भेजें

रोक

अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ता

नई दिल्ली, (भाषा)। सरकार ने पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) का कनेक्शन रखने वाले वाले परिवारों के लिए सब्सिडी वाला एलपीजी कनेक्शन रखने या लेने पर रोक लगा दी है।

इस बीच, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में संकट के चलते क्षेत्र के नियामक ने शहर गैस वितरण कंपनियों से अपने पीएनजी ढांचे का विस्तार तेजी से करने को कहा है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति पर दबाव कम किया जा सके। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 14 मार्च को जारी एक अधिसूचना में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण नियमन) आदेश-2000 में बदलाव किया है। इसके तहत अब पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के लिए अपने घरेलू एलपीजी कनेक्शन को सरेंडर करना जरूरी हो गया है।संशोधित आदेश में यह भी कहा गया है कि सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां और वितरक उन उपभोक्ताओं को भरा गैस सिलेंडर नहीं देंगे, जिनके पास पहले से एलपीजी कनेक्शन हैं। आदेश में कहा गया, कोई भी व्यक्ति जिसके पास पीएनजी कनेक्शन है और जिसके पास घरेलू एलपीजी कनेक्शन भी है, वह घरेलू एलपीजी कनेक्शन नहीं रखेगा, या किसी भी सरकारी पेट्रोलियम कंपनी से या उनके वितरक के जरिये भरा हुआ एलपीजी

▶सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां और वितरक उन उपभोक्ताओं को भरा गैस सिलेंडर नहीं देंगे, जिनके पास पहले से एलपीजी कनेक्शन हैं

सिलेंडर नहीं लेगा। ऐसे लोगों को तुरंत अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां संशोधित आदेश के तहत पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को खाली एलपीजी सिलेंडर के बदले भरा हुआ सिलेंडर नहीं देंगी। इस कदम का मकसद उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देना है जिनके पास पाइप के जरिये गैस की आपूर्ति की सुविधा नहीं है। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और 60 प्रतिशत एलपीजी की जरूरत को आयात से पूरा करता है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले और जवाबी ईरानी कार्रवाई से पहले भारत का आधे से ज़्यादा कच्चे तेल का आयात, लगभग 30 प्रतिशत गैस और 85-90 एलपीजी आयात सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता था।इस युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो खाड़ी देशों की ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। हालांकि, भारत ने रूस जैसे देशों से कच्चा तेल मंगाकर आपूर्ति में व्यवधान को कुछ हद तक ठीक किया है, लेकिन औद्योगिक ग्राहकों को गैस आपूर्ति कम कर दी गई है और होटल और रेस्तरांओं को भी एलपीजी की उपलब्धता कम हो गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने शहर गैस वितरण कंपनियों से घरों को घरेलू पीएनजी कनेक्शन देने के काम में तेजी लाने और उन इलाकों में उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने को कहा है जहां पाइपलाइन का ढांचा पहले ही बिछाया जा चुका है।

न्यायिक प्रणाली को अस्पतालों की तरह ही सेवा भाव से काम करना चाहिए : सीजेआई

मंडी (हिमाचल प्रदेश), (वीअ)। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि न्यायिक परिसरों को अस्पतालों की तरह ही सेवाभाव की भावना से काम करना चाहिए, क्योंकि लोग न्याय और राहत की उम्मीद लेकर अदालतों में आते हैं।

मंडी के न्यायिक अदालत परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक विधि साक्षरता शिविर को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सुविधाओं में वृद्धि के साथ न्यायिक प्रणाली की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि चर्चा अक्सर मौलिक अधिकारों पर केंद्रित रहती है, लेकिन मौलिक कर्तव्य भी संविधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनका पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित मंडी न्यायिक अदालत परिसर का निर्माण 9.6 हेक्टेयर क्षेत्र में 152 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

वीवीपी-द्वितीय कार्यक्रम के तहत नेपाल सीमा पर विकसित किए जाएंगे लखीमपुर खीरी के 47 गांव

लखीमपुर खीरी (उप्र), (भाषा)। नेपाल की सीमा से सटे लखीमपुर खीरी जिले के 47 गांवों को केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2 (वीवीपी-द्वितीय) के तहत सीमा पर प्रथम ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा।

इन गांवों में हर मौसम में चलने लायक सड़क सम्पर्क मार्ग, दूरसंचार सम्पर्क और ऑन-ग्रिड बिजली की सुविधा होंगी ताकि वे सीमा सुरक्षा के लिए आंख और कान के रूप में काम कर सकें। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, सीमा की सुरक्षा और उसका विकास साथ-साथ चलने चाहिए। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2 के जरिये हम इन 47 गांवों में बुनियादी ढांचे और आजीविका के अवसरों को मजबूत कर रहे हैं ताकि इन गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सके और सीमावर्ती समुदायों को सशक्त, समृद्ध और अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना, सीमा-विशिष्ट जनसंपर्क गतिविधियां चलाना और पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत और कौशल विकास को बढ़ावा देकर बेहतर आजीविका के अवसर पैदा करना है।जिलाधिकारी ने बताया कि इसके अलावा इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों, युवाओं और महिलाओं को भी मजबूत बनाना है।जिला सांख्यिकी अधिकारी अरविंद वर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इन 47 सीमावर्ती गांवों में पलिया तहसील के 18 और निघासन तहसील के 29 गांव शामिल हैं।वर्मा ने कहा, उत्तर प्रदेश का योजना विभाग वीवीपी-द्वितीय के कार्यान्वयन का समन्वय करेगा। इस कार्यक्रम में बलरामपुर, श्रावस्ती, महाराजगंज, पीलीभीत, बहराइच और खीरी जिलों के वे सभी सीमावर्ती गांव शामिल हैं जो नेपाल से सटे हुए हैं।

इस कार्यक्रम का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के योजना विभाग ने कुछ दिन पहले संबंधित जिलाधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस माध्यम से राज्य में वीवीपी-द्वितीय के कार्यान्वयन से जुड़े प्रस्तावों और परियोजनाओं पर चर्चा की थी।उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय के अनुसार, सुरक्षित, संरक्षित और जीवंत भूमि सीमाओं के लिए विकसित भारत ऐट 2047 के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने दो अप्रैल 2025 को वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 (वीवीपी-द्वितीय) को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में मंजूरी दी है।अधिकारियों के मुताबिक इस योजना के तहत, वित्तीय वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है और इसके जरिए उन ब्लॉक में स्थित गांवों का व्यापक विकास करना है जो अंतरराष्ट्रीय भू-सीमाओं से सटे हैं।उन्होंने बताया कि इसमें उत्तरी सीमा शामिल नहीं है क्योंकि वह पहले से ही वीवीपी-प्रथम के अंतर्गत आती है। अधिकारियों के अनुसार इस कार्यक्रम को अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशों के चुनिंदा रणनीतिक गांवों में लागू किया जाएगा।

अनुष्का शेट्टी बिजनेसमैन से करने जा रही हैं शादी !

वीर अर्जुन समाचारब्यूरो

नई दिल्ली। अनुष्का शेट्टी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अदाकाराओं में से एक हैं। अनुष्का शेट्टी शादी को लेकर लंबे समय से अफवाहें चल रही हैं। फैन्स लंबे समय से यह जानने के लिए बेताब हैं कि अनुष्का शेट्टी किस इंसान से शादी कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनुष्का शेट्टी किसी बिजनेसमैन से शादी करने जा रही हैं। हालांकि इस बारे में अनुष्का शेट्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जिस इंसान से अनुष्का शेट्टी की शादी की चर्चा हो रही है, वो फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखते हैं वो बिजनेस फैमिली से आते हैं। बताया जा रहा है कि उस इंसान के अनुष्का शेट्टी के परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं। अनुष्का शेट्टी के परिवार को भी इस बारे में जानकारी है। यही वजह है कि अनुष्का और उनके बीच अच्छी बॉन्डिंग है। हालांकि इन खबरों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ये केवल मीडिया रिपोर्ट्स और अटकलों पर आधारित हैं। अनुष्का शेट्टी का नाम साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ भी जुड़ा था। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में

रह चुके हैं। अनुष्का शेट्टी और प्रभास ने 'बिल्ला' और 'मिर्ची' सहित कई फिल्मों में साथ काम किया है। इसके बाद यह जोड़ी 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली 2: द कंक्लूजन' में साथ नजर आई। रील और रियल लाइफ में फैन्स को यह जोड़ी हमेशा ही पसंद आई। इन फिल्मों की अपार सफलता के बाद दोनों सेलेब्स पूरी दुनिया में मशहूर हो गए थे। हालांकि अपने रिश्ते को लेकर दोनों ने हमेशा यही कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

केरल सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज योजना को मंजूरी दी

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने समाज के सभी वर्गों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के कार्यान्वयन को मंजूरी देने का आदेश जारी किया है।मंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि यह योजना उन लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए तैयार की गई है जो करुणा आरोग्य सुरक्षा पद्धति (केएएसपी), करुणा बेनेवोलेंट फंड , मेडिसेप और अन्य बीमा योजनाओं जैसे मौजूदा कार्यक्रमों में शामिल नहीं हैं।उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के निर्देश के आधार पर, पिछले एक वर्ष में विभिन्न स्तरों पर हुई चर्चाओं और अध्ययनों के बाद सभी के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया गया। मंत्री ने कहा कि विजन 2031 की समीक्षा बैठकों के दौरान भी इस मामले पर चर्चा हुई थी।

कोलकाता में टीएमसी-भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प के मामले में नौ लोग गिरफ्तार

कोलकाता, (भाषा)। कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से पूर्व टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात चार लोगों को जबकि आज सुबह पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'झड़पों के संबंध में अबतक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है'।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों के बीच शनिवार को मध्य कोलकाता में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री की रैली से लगभग आधा घंटा पहले झड़प हुई थी।आरोप है कि इस दौरान गिरिश पार्क इलाके में पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा के आवास पर पत्थर फेंके गए। हिंसा रैली स्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर हुई जब भाजपा समर्थक प्रधानमंत्री की जनसभा में शामिल होने जा रहे थे।

पति की मौत से परेशान महिला ने फंदे से लटककर खुदकुशी की

उन्नाव, (भाषा)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में पति की मौत से क्षुब्ध एक महिला ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि खुदकुशी से पहले महिला ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें उसने पति के बिना जीवन अधूरा होने की बात कही।पुलिस के अनुसार, सदर कोतवाली क्षेत्र के पीडी नगर मोहल्ले की रहने वाली 30 वर्षीय एकता उर्फ आरती ने शनिवार सुबह अपने मायके में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली।पुलिस ने बताया कि एकता के पति आलोक की दो मार्च को हृदयगति रुकने से मौत हो गई थी, जिसके बाद से वह गहरे सदमे और अवसाद में थी।परिजन के अनुसार, शनिवार सुबह करीब आठ बजे एकता ने एक वीडियो बनाकर फेसबुक पर साझा किया, जिसमें उसने कहा कि पति के बिना उसका जीवन अधूरा है और वह उनके बिना नहीं जी सकती।परिजन ने बताया कि इसके कुछ देर बाद एकता ने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, एकता के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था और उसकी कोई संतान भी नहीं थी। पुलिस ने बताया कि पति की मौत के बाद वह अकेलेपन और मानसिक तनाव से गुजर रही थी। सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि मामले में किसी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है।

त्रिशूर में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कैट छात्र सम्मेलन

त्रिशूर (वीअ)। त्रिशूर में शनिवार को नेशनल कैट स्टूडेंट्स कन्वेंशन 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 1000 योग्य कैट छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सीएमए टीसीए श्रीनिवास प्रसाद तथा कैट कमेटी के चेयरमैन सीएमए राजेंद्र सिंह भाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अपने मार्गदर्शन से उन्हें प्रेरित किया। सम्मेलन के दौरान कैट कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रैंक होल्डर छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कैट कोर्स के विकास और प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्रेष्ठ चैप्टर्स और आरओसीसीएस को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने, अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने और संस्थान के साथ अपने संबंध को और मजबूत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत इन प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन में उत्साह और आनंद का वातावरण भर दिया।

गैंगस्टर की हत्या के मामले में चार और लोग गिरफ्तार

कोल्लम (केरल), (भाषा)। केरल के कोल्लम जिले के पुथियाकावु इलाके में एक गैंगस्टर की हत्या के मामले में पुलिस ने चार और लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस मामले में अब तक आठ लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अनुसार, ओचिरा निवासी अतुल की शनिवार को दिनदहाड़े हथियारों से लैस एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। वह पिछले साल मार्च में गैंगस्टर संतोष की हत्या मामले में हाल में जमानत पर रिहा हुआ था।अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद चार लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था जबकि चार अन्य आरोपियों को शनिवार रात कोट्टायम जिले के मुंडाकायम के पास गिरफ्तार किया गया। हत्या में सीधे तौर पर शामिल आरोपी विष्णु, आशिक और हुसैन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

एलुरु (आंध्र प्रदेश), (भाषा)। आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध शिशु पंजीकरण रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू की गई। अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) डी. श्रवण कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'जांच के दौरान शिशुओं की अवैध बिक्री से जुड़े दो मामले सामने आने के बाद, हमने एलुरु जिले में नवजात शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया।पुलिस के अनुसार, पहला मामला मुदिनेपल्ली मंडल के एक दंपति से संबंधित है, जिन्होंने कथित तौर पर कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) के कई प्रयास विफल होने के बाद एक दिसंबर, 2024 को करीब तीन लाख रुपये में एक नवजात बच्ची को खरीदा था।इस मामले में छह लोगों को आरोपी के तौर पर चिह्नित किया गया। जिनमें माता-पिता व अन्य लोग शामिल हैं। दंपति ने गर्भावस्था का नाटक किया और बिचौलियों के माध्यम से बच्ची खरीदकर उसे अपनी जैविक संतान बताने की कोशिश की, जिसके लिए फर्जी दस्तावेज भी तैयार किए गए। पूछताछ के दौरान नवजात बच्चे को बेचने का एक और मामला सामने आया, जिसमें 29 सितंबर, 2024 को एलुरु के एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर एक नर्स की मिलीभगत से एक नवजात शिशु को करीब 30,000 रुपये में बेचा गया था।

आज का भविष्यफल

मेष: पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। छोटे निर्णय लाभकारी सिद्ध होंगे। आज पीला रंग धारण करें, अंक 44 शुभ रहेगा।

वृषभ: स्वास्थ्य संतुलित रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। मानसिक शांति बनी रहेगी। शुभ रंग पीला और अंक 44 सौभाग्य बढ़ाएँगे।

मिथुन: पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। मानसिक शांति बनी रहेगी। आज पीला रंग धारण करें, अंक 44 शुभ रहेगा।

कर्क: नई योजनाएँ आगे बढ़ेंगी और सफलता के संकेत मिलेंगे। दैनिक कार्य आसानी से पूरे होंगे। शुभ रंग नीला और अंक 17 सौभाग्य बढ़ाएँगे।

सिंह: रिश्तों में संतुलन बना रहेगा और सहयोग मिलेगा। मानसिक शांति बनी रहेगी। आज गुलाबी रंग धारण करें, अंक 7 शुभ रहेगा।

कन्या: आर्थिक मामलों में सुधार होगा और योजनाएँ सफल होंगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ रंग सुनहरा और अंक 17 सौभाग्य बढ़ाएँगे।

तुला: परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। छोटे निर्णय लाभकारी सिद्ध होंगे। शुभ रंग हरा और अंक 17 सौभाग्य बढ़ाएँगे।

वृश्चिक: स्वास्थ्य संतुलित रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। दैनिक कार्य आसानी से पूरे होंगे। लाल रंग और अंक 33 सफलता में सहायक होंगे।

धनु: आर्थिक मामलों में सुधार होगा और योजनाएँ सफल होंगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आज हरा रंग धारण करें, अंक 33 शुभ रहेगा।

मकर: मेहनत का फल मिलेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा। घर का वातावरण सुखद रहेगा। आज हरा रंग धारण करें, अंक 56 शुभ रहेगा।

कुंभ: धैर्य रखने से परिस्थितियाँ आपके पक्ष में होंगी। मानसिक शांति बनी रहेगी। ग्रे रंग और अंक 7 सफलता में सहायक होंगे।

मीन: कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी और प्रगति होगी। छोटे निर्णय लाभकारी सिद्ध होंगे। ग्रे रंग और अंक 7 सफलता में सहायक होंगे।

डा.सुनील भारती दैवज्ञ:
मो. 09891192750

चुनावी राज्यों में कई मतदान केंद्र होंगे अनूठे

नई दिल्ली, (भाषा)। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में।,500 से कम मतदाताओं वाले तीन मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए निर्वाचन आयोग की टीम को बक्सा बाघ अभयारण्य की पहाड़ियों से होकर गुजरना होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी।

कुमार ने विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित करने के लिए यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम, केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु राज्यों तथा पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश में स्थित अनूठे मतदान केंद्रों पर प्रकाश डाला। सीईसी ने कहा, मतदान टीम असम के माजुली से नौका और सड़क मार्ग से 50-60 किलोमीटर की कठिन यात्रा करती है, ब्रह्मपुत्र नदी को पार करती है और अंत में ट्रैक्टर से 248 मतदाताओं वाले सुदूर धनेखाना मतदान केंद्र पहुंचती हैं। कुमार ने बताया कि केरल के एडामलकुड्डी के आदिवासी क्षेत्र में स्थित एक बूथ पर कुल 693 मतदाता पंजीकृत हैं और यह एक अनूठा दूरस्थ मतदान केंद्र है। उन्होंने कहा कि चुनाव अधिकारी विशेष वाहनों पर ऊबड़-खाबड़ दुर्गम इलाके से होते हुए 30 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद, आठ किलोमीटर पैदल चलकर इस मतदान केंद्र तक पहुंचते हैं। सीईसी के मुताबिक, अलीपुरद्वार जिले में, मतदान टीम बक्सा बाघ अभयारण्य की पहाड़ियों से होते हुए तीन मतदान केंद्रों तक पहुंचती है, जहां क्रमश: बक्सा में 759, चुनाभट्टी में 235 और अदमा में 445 मतदाता पंजीकृत हैं।

एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करे सरकार: ज्यूडिशियल काउंसिल

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। ज्यूडिशियल काउंसिल ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर आम जनता के लिए एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार से तत्काल कदम उठाने को कहा है।

अपने पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति में कमी और देरी को लेकर नागरिकों से प्राप्त ब शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। काउंसिल ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है जिसका उपयोग देश के करोड़ों परिवार रोज़मर्रा के भोजन पकाने और अन्य घरेलू आवश्यकताओं के लिए करते हैं। इसकी आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा आम परिवारों के लिए भारी असुविधा और कठिनाई का कारण बनती है। ज्यूडिशियल काउंसिल ने यह भी उल्लेख किया कि हाल के सप्ताहों में कई इलाकों में उपभोक्ताओं ने आधिकारिक माध्यमों से बुकिंग करने के बावजूद एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी में देरी की शिकायत की है। कई मामलों में उपभोक्ताओं को सिलेंडर प्राप्त करने के लिए कई दिनों या कभी-

कभी कई सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। काउंसिल के अनुसार ऐसी देरी उन परिवारों के लिए अनावश्यक परेशानी उत्पन्न करती है जो पूरी तरह से खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। ज्यूडिशियल काउंसिल ने कुछ क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाज़ारी और अवैध बिक्री की संभावना को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। काउंसिल के अनुसार जब भी आपूर्ति में कमी या अनियमितता होती है, तब कुछ असामाजिक तत्व स्थिति का फायदा उठाकर घरेलू सिलेंडरों को डायवर्ट कर देते हैं या उन्हें अधिक कीमत पर ब्लैक मार्केट में बेचने का प्रयास करते हैं। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि वास्तविक उपभोक्ताओं के हितों को भी नुकसान पहुंचाता है। सरकार को लिखे अपने पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल ने आग्रह किया है कि एलपीजी सिलेंडरों की वितरण प्रणाली की कड़ी निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय स्तर पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहे। काउंसिल ने सुझाव दिया कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को वितरकों और डीलरों की निगरानी और निरीक्षण को और सुदृ करना चाहिए ताकि जमाखोरी, डायवर्जन और अन्य अनियमितताओं को रोका जा सके। काउंसिल ने यह भी मांग की कि एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाज़ारी या अवैध गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी वितरक, डीलर या व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। काउंसिल के अनुसार यदि कोई वितरक या डीलर एलपीजी आपूर्ति और वितरण से संबंधित सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो उसका लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित या रद्द किया जाना चाहिए।ज्यूडिशियल काउंसिल ने यह भी सुझाव दिया कि एलपीजी वितरण केंद्रों का नियमित निरीक्षण और निगरानी सुनिश्चित की जाए ताकि पूरे सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

वीर अर्जुन न्यूज पेपर्स (प्रा) लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल नरेंद्र द्वारा वीर अर्जुन प्रेस, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-2 से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रधान सम्पादक:अनिल नरेंद्र

ज्वाइंट एडिटर: आदित्य नरेंद्र

सहायक सम्पादक : सदानन्द पाण्डेय *

संपादकीय :
फोन: 011-23318276
फैक्स: 011-23730544
: 011-41509000
E-mail:
newsdesk@virarjun.com

विज्ञापन
फोन : 011-44718542
011-23357216
E-mail:
advt@virarjun.com
virarjun10@gmail.com

प्रसार: 011-23724452
हवाई शुल्क: 1.50 पैसे

* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।

● किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा।

सीताराम जयपुरिया फाउन्डेशन ने अवार्ड समारोह आयोजित किया

नई दिल्ली, (वीअ)। सीताराम जयपुरिया फाउन्डेशन ने स्वर्गीय सीताराम जयपुरिया की जन्म शताब्दी के अवसर पर मेडिकल एंड हेल्थकेयर एक्सीलेन्स अवॉर्ड्स के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान देश भर से चिकित्सा पेशेवरों को मरीज़ों की देखभाल एवं हेल्थकेयर में बदलावकारी योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों को कुल रु 90 लाख के पुरस्कार दिए गए, जिन्होंने अपने कार्यों के द्वारा भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बनाया है और चिकित्सा समुदाय को प्रेरित किया है। पुरस्कार समारोह का आयोजन एसजेएफ साइंटिफिक सिम्पोसियम और अवॉर्ड्स प्रोग्राम के तहत नई दिल्ली में किया गया। इस एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन स्वर्गीय सीताराम जयपुरिया की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में किया गया था, जहां चिकित्सा समुदाय के दिग्गज 'ओबेसिटी, डायबिटीज़ एंड अदर कार्डियोमेटाबोलिक डिज़ीज़ेज़' विषय पर चर्चा एवं ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए इकट्ठा हुए थे। सीताराम जयपुरिया फाउन्डेशन द्वारा अशोक जयपुरिया, चेयरमैन, एसजेएफ और चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, कोस्मो फर्स्ट लिमिटेड की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जाने-माने डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और हेल्थकेयर लीडर्स ने हिस्सा लिया तथा हेल्थकेयर के इनोवेशन्स एवं उभरती चुनौतियों पर चर्चा की। शाम का समापन मेडिकल एंड हेल्थकेयर एक्सीलेन्स अवॉर्ड सेरेमनी के साथ हुआ। इस मंच पर उन लोगों को सम्मानित किया गया जो अपने समर्पण एवं लीडरशिप के साथ देश-विदेश में हेल्थकेयर के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

राग रंजनी फेस्टिवल का ब्रोशर जारी

चंद्र मोहन शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय शास्त्रीय संगीत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से म्यूजिक फाउंडेशन आगामी ठराग रंजनी म्यूजिक फेस्टिवल 2026ठ के ब्रोशर का भी औपचारिक विमोचन किया गया।कार्यक्रम में देश की संगीत और प्रसारण जगत की हस्तियों ने भाग लेकर भारतीय संगीत की परंपरा, उसके ऐतिहासिक विकास और आधुनिक समय में उसकी प्रासंगिकता पर विचार साझा किए। पैनल चर्चा में श्री सतीश नंबूदरीपाद , महानिदेशक दूरदर्शन, संतर वादक प अभय रूस्तम सोपोरी, प्रख्यात कर्नाटक गायिका श्री मति सुधा रघुरामन, तथा वरिष्ठ संगीतशास्त्री प विजय शंकर मिश्रा शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने भारतीय संगीत की जड़ों, उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा तथा आधुनिक युग में उसके स्वरूप और संभावनाओं पर अपने विचार रखे।इस अवसर पर वक्ताओं ने यह भी कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत केवल एक कला नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे नई पी तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है।राग रंजनी म्यूजिक फेस्टिवल 2026ठ के ब्रोशर का विमोचन किया गया।

सूचना

हमारे यहां अखबारों की प्रिंटिंग व डिसपैच की सुविधा देश के कोने-कोने के लिए उपलब्ध है

: सम्पर्क करें : –

आदित्य ग्राफिक्स
9868475104
प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

वीर अर्जुन

आवश्यकता है

नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी/दैनिक समाचार पत्र के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की। विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी एवं फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं। संपूर्ण विवरण सहित आवेदन करें:-

dpks0008@gmail.com
तथा
mehta.virarjun@gmail.com
9871763690, 8130704757

अपना घर आश्रम मानवता और करुणा का जीवंत उदाहरण: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता रविवार को बूढ़पुर स्थित 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव और संस्था के रजत जयंती समारोह में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम द्वारा पिछले 26 वर्षों से बेसहारा, निराश्रित और अस्वस्थ लोगों की निस्वार्थ सेवा के लिए संस्था के कार्यों की सराहना की और समाज के लिए इसे प्रेरणादायक पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपना घर आश्रम' जैसे संस्थान समाज के उन लोगों के लिए आशा का केंद्र बनते हैं जो किसी कारणवश परिवार और समाज से अलग हो जाते हैं। संस्था द्वारा न केवल ऐसे लोगों को आश्रय प्रदान किया जा रहा है, बल्कि उन्हें चिकित्सा, भोजन, वस्त्र और देखभाल जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन देने का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 26 वर्षों में 'अपना घर आश्रम' ने सेवा का एक व्यापक अभियान खड़ा किया है, जिसके अंतर्गत आज भारत में 70 से अधिक केंद्र संचालित हो रहे हैं, जबकि विदेशों में भी इसकी सेवाएं निरंतर विस्तार पा रही हैं। यह संस्था मानवता और करुणा के मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। समाज में सेवा का कार्य केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए समाज और सरकार दोनों को मिलकर कार्य करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने संस्था से जुड़े सेवाभावी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की ओर से भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस प्रकार की सेवाएं और अधिक व्यापक स्तर पर आगे बढ़ें और जहां भी आवश्यकता हो, वहां ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर आश्रम को उनके विकास और संचालन से जुड़ी प्रशासनिक समस्याओं, डॉक्टरों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के समाधान में दिल्ली सरकार पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। आश्रम से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं जैसे चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था, प्रशासनिक सहयोग और आधारभूत ढांचे से संबंधित समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने आश्रम तक पहुंचने वाली सड़क के निर्माण के लिए भी आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि किसी प्रभुजन की मृत्यु के बाद अंगदान या नेत्रदान जैसी व्यवस्थाओं को संस्थागत रूप से नियमित करने की आवश्यकता है तो इस दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के दर्शन को ध्येय मानते हुए दिल्ली सरकार भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान, सुरक्षा और सहायता पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि राजधानी में रहने वाले प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता और सहयोग

एलपीजी पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई: मुख्यमंत्री

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलपीजी से जुड़े मुद्दों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाकर लोगों के बीच डर पैदा करना उचित नहीं है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोग अनावश्यक रूप से भय का वातावरण बनाकर जमाखोरी को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं, जो देशहित के विरुद्ध है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर सरकार कड़ी नजर रखे हुए है और यदि कोई व्यक्ति या संस्था इस प्रकार की गलत हरकतों में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य रूप से अपनी दिनचर्या जारी रखें।

उड़िया समुदाय का शौर्य, शांति प्रेम, प्रकृति संरक्षण एवं भक्ति, विश्व के लिए प्रेरणा : कपिल मिश्रा

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ की कृपा से दिल्ली में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और धार्मिक पर्यटन को मजबूती मिल रही है। अब हर प्रदेश के उत्सव और संस्कृति के रंग दिल्ली में उभर रहे हैं। दिल्ली अब देश भर की संस्कृति का आइना बन रही है और इसमें मिनी भारत की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह बात माननीय कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने ओडिशा पर्व 2026 के दौरान कहीं। जेएलएन स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन ओडिशा के माननीय राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री ने राष्ट्रनिर्माण में उड़िया समुदाय के योगदान को नमन किया।

श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत'

संकल्प की दिशा में दिल्ली सांस्कृतिक राजधानी बन रही है। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हर राज्य के स्थापना दिवस का दिल्ली में भव्य आयोजन हो रहा है। किसी भी राज्य से जुड़े आयोजनों की भव्यता और बढ़ती जाएगी।

श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली की कला, संस्कृति और सामाजिक जीवन में उड़िया समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ओडिशा की वीरता, शौर्य और शांति का संदेश पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायी है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा ओडिशा की संस्कृति में दिखाई देती है, उससे आज पूरे विश्व को सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन देश की विविधता को एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं।

दिल्ली में हल्की बारिश होने से मिली राहत, अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रविवार सुबह हल्की बारिश होने के बाद शुष्क मौसमी परिस्थितियों से थोड़ी राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

विभाग ने कहा कि सुबह साढ़े आठ बजे तक आठ मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक सफदरजंग और लोधी रोड वेधशाला में 0.8-0.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जबकि पालम में 0.4 मिलीमीटर बारिश हुई। आयानगर में 2.6 मिलीमीटर और सभी केंद्रों में से पीतमपुरा में सबसे अधिक 3.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त मयूर विहार में 1.0 मिलीमीटर और जनकपुरी में 0.5 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि रिज वेधशाला में नाममात्र की वर्षा हुई। स्काइमेट वेदर में मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण मध्य पाकिस्तान तथा उससे सटे पंजाब व हरियाणा के ऊपर चक्रवाती गतिविधि हुई है। इसके परिणामस्वरूप दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। उन्होंने कहा कि अगले दिन भी बारिश होने का अनुमान है और यह इस मौसम की पहली मानसून पूर्व वर्षा है, जो सामान्य समय से लगभग 10 दिन पहले हुई है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और पिछले कुछ दिन से शहर में दर्ज किए जा रहे अधिक तापमान के संयुक्त प्रभाव के कारण यह बारिश हुई है। अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसमी औसत से 3.6 डिग्री अधिक है। दिन के दौरान सापेक्षिक आर्द्रता 80 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई। मौसम विभाग ने सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है।

पानी की समस्या का समाधान करेगा वाटर मास्टर प्लान : मुकेश गोयल

नई दिल्ली (वीर अर्जुन)। दिल्ली की ट्रिपल इंजन की सरकार सभी मोर्चों पर जोर-शोर से काम कर रही है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी के नेता उत्तर पूर्वी दिल्ली सांसद के प्रतिनिधि मुकेश गोयल का। मुकेश गोयल कहते हैं पिछली सरकारों ने जल संकट से निपटने के कोई बड़े इंतजाम नहीं किये जिसके चलते राजधानी दिल्ली जल संकट से जूझती रहती है और गर्मियों में तो हालत और भी ज्यादा खराब हो जाते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा ट्रिपल इंजन की सरकार ने अब जल संकट का स्थायी हल निकलने की योजना बना ली है। दिल्ली सरकार ने पानी की किल्लत खत्म करने के लिए वॉटर मास्टर प्लान पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत पूरे शहर को 9 जोन में बांटा जाएगा। हर जोन को एक बड़े वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएगा, जो उस क्षेत्र का कमांड सेंटर होगा। वॉटर मास्टर प्लान के लिए सलाहकार कंपनी की नियुक्ति कर दी

गई है। इसमें करीब 3 साल का समय लगेगा। मुकेश गोयल कहते है सरकार की इस योजना से दिल्ली की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। बताया जा रहा है वॉटर मास्टर प्लान के तहत 9 कमांड सेंटर बनाने का मकसद वॉटर सप्लाई को व्यवस्थित करना, पुरानी पाइपलाइनों को बदलना और दिल्ली के सभी इलाकों में पीने के पानी का समान डिस्ट्रिब्यूशन सुनिश्चित करना है। इन कमांड सेंटरों को वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएगा, जहां से पानी की सप्लाई नेटवर्क, बिलिंग सिस्टम और घरों के कनेक्शनों की निगरानी के साथ मैनेजमेंट संभालने का भी जिम्मा दिया जाएगा। मुकेश गोयल कहते हैं सभी कमांड सेंटर के अंतर्गत करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्र आएंगे । सरकार की योजना है हर जोन यानी कमांड सेंटर के लिए कंसल्टेंट नियुक्त किए जाएंगे, जो विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेंगे। ये कंपनियां उस कमांड सेंटर के अंतर्गत आने वाले इलाकों में पानी की जरूरतों, मौजूदा पाइपलाइन नेटवर्क, भूजल की स्थिति और भविष्य में पानी की मांग की स्टडी करेंगी, जिसके बाद पुरानी पाइपलाइनों को बदला जाएगा और नई ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन लाइने बिछाई जाएंगी। मुकेश गोयल कहते हैं इस सिस्टम के शुरू होने के बाद दिल्ली के जल संकट का समाधान होने की पूरी उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

सीमा पुरी के तीनों वार्डों में निकाली गई गैस सिलेंडर की शव यात्रा : धिगान

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की भारी किल्लत के चलते आज सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र के तीनों वार्डों में क्षेत्रीय विधायक वीर सिंह धिगान के नेतृत्व में सिलेंडर शव यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों आप कार्यकर्ताओं ने रिक्शे पर सिलेंडर रखकर क्षेत्र में शव यात्रा निकाल कर प्रदर्शन किया कार्यक्रम में पार्षद मोहिनी जीनवाल, निगम पार्षद रमेश बिसैयियाँ ने अपने - क्षेत्रों क्षेत्रों में भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार व दिल्ली की रेखा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की धिगान ने अपने संबोधन में कहा की गैस सिलेंडरों की जमाखोरी के कारण जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,देश के सामने झूठ बोल रहे है की सब कुछ ठीक है धिगान ने यह भी कहा कि यदि शीघ्र हालात पर काबू करके जनता गैस की आपूर्ति सुचारु नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

आनंद विहार मंडल के प्रशिक्षण महा शिविर में पहुंचे दीपक गाबा : सचिन शर्मा

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : भाजपा के आनंद विहार मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण महा शिविर का समापन 15 मार्च को समापन हो गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा की ओर से प्रशिक्षण महाशिविर का भाजपा मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा के नेतृत्व में किया गया था। जिसमें जिला अध्यक्ष दीपक गाबा निगम पार्षद मोनिका पंत, पूर्व पार्षद गुंजन गुप्ता, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ममता त्यागी, विधानसभा प्रभारी अनिल शर्मा मंडल प्रभारी और पर्यवेक्षक के रूप में केशवपुरम जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित त्यागी सहित करीब 40 से ज्यादा कार्यकर्ता प्रशिक्षण में शामिल हुए। मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में संगठन की कार्यप्रणाली, विचारधारा और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी गई। वर्ग प्रमुख महेंद्र जैन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान नौ अलग अलग सत्रों के दौरान महाशिविर में शामिल वक्ताओं ने पार्टी की विचारधारा, पार्टी की कार्यप्रणाली, कार्यकर्ताओं के दायित्व और उनकी जिम्मेदारी की जानकारी दी गई। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं को मोदी सरकार और रेखा सरकार द्वारा जनहित में जारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने की बता दोहराई गई। महाशिविर में आए कार्यकर्ताओं के स्वागत की जिम्मेदारी प्रेमवती पाल ने निभाई, जबकि व्यवस्था में मंडल उपाध्यक्ष लवली धमीजा , राजीव वालिया, कार्यकारिणी सदस्य महेश गुप्ता, मंत्री स्वराज चतुर्वेदी , राजीव राजपूत ,अर्जुन पंडित, अधिवक्ता अमन गौड़, अधिवक्ता अमन पंड़ित, विकास कुमार, भारत कुमार मौजूद रहें।

सीवर लाइनों की सफाई न होने से जहांगीरपुरी में ओवरफ्लो की समस्या : एम.एल.भास्कर

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : दिल्ली के जहांगीरपुरी क्षेत्र में सीवर लाइनों की नियमित सफाई न होने के कारण कई स्थानों पर सीवर ओवरफ्लो की गंभीर समस्या सामने आ रही है। गंदा पानी सड़कों और गलियों में फैलने से स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बदबू और गंदगी के कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने का भी खतरा बढ़ गया है। जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एल भास्कर ने इस समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से सीवर लाइनों की सही तरीके से सफाई नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि कई गलियों में सीवर जाम होने की वजह से गंदा पानी बाहर आ रहा है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। एम एल भास्कर ने कहा कि स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों को इस समस्या की जानकारी दी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही सीवर लाइनों की सफाई कराकर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र के लोग मजबूर होकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित विभाग से मांग की कि जहांगीरपुरी के सभी ब्लॉकों में सीवर लाइनों की जल्द से जल्द सफाई कराई जाए, ताकि लोगों को गंदगी और बदबू से राहत मिल सके और क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण बना रहे।

गैस सिलेंडर जमाखोरों को छोड़ा नहीं जाएगा : सिरसा

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कुकिंग गैस की उपलब्धता को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच दिल्लीवासियों को भरोसा दिलाया कि सप्लाई पूरी तरह स्थिर है। साथ ही उन्होंने जमाखोरी करने वालों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पूरी तरह अलर्ट है और सप्लाई की स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

गल्फ़ देशों में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के कारण वैश्विक स्तर पर कुछ दबाव की स्थिति बनी है। वहीं स्थानीय स्तर पर अफवाहों के कारण अनावश्यक घबराहट में खरीदारी देखने को मिली है। श्री सिरसा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कुछ विपक्षी अनावश्यक और बेवजह डर का माहौल बना रही हैं, जिससे केवल मुनाफाखोरी करने वालों को फायदा होता है। श्री सिरसा ने कहा, ''कुछ लोग पहले की तरह गलत जानकारी फैला रहे हैं, जैसा कि नोटबंदी और कोविड के समय देखने को मिला था। लेकिन हमें जनता के भरोसे और समझदारी पर पूरा विश्वास है।'' सप्लाई की स्थिति सुचारु बनाए रखने के लिए दिल्ली सरकार ने पुलिस, वेट्स एंड मेजर्स (माप-तोल)और फूड एंड सप्लाई विभाग की 70 टीमों को सक्रिय किया है। ये टीमें बाजारों में लगातार निगरानी कर रही हैं,

स्टॉक की जांच कर रही हैं और किसी भी तरह की जमाखोरी या अनुचित गतिविधि पर सख्त कार्रवाई कर रही हैं। माननीय मंत्री श्री सिरसा ने यह भी बताया कि पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई भी शुरू कर दी गई है। यह व्यवस्था ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ समन्वय में लागू की गई है, जिसके तहत औसत दैनिक कमर्शियल खपत का लगभग 20 प्रतिशत, यानी करीब 1,800 सिलेंडर, प्राथमिकता के आधार पर जरूरी सेवाओं के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, रेस्टोरेंट और डेयरी जैसे जरूरी सेक्टर शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत 19 किलो वाले सिलेंडरों के माध्यम से नियंत्रित सप्लाई की जा रही है। बुकिंग फर्स्ट-इन-फर्स्ट-आउट सिस्टम पर ट्रैक की जा रही है, ताकि जमाखोरी रोकी जा सके और सभी को बराबरी से सप्लाई मिल सके। संयुक्त प्रवर्तन टीमें इसकी निगरानी कर रही हैं, जिससे कमर्शियल यूजर्स को भरोसेमंद सप्लाई मिलती रहे और घरेलू जरूरतों को पूरी प्राथमिकता मिलती रहे। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता खुद रोजाना स्थिति की समीक्षा कर रही हैं ताकि पूरी व्यवस्था सही तरीके से चलती रहे। श्री सिरसा ने कहा, ''किसी भी तरह की घबराहट की जरूरत नहीं है, सभी सप्लाई पूरी तरह व्यवस्थित है। हम हर दिल्ली वासी परिवार के साथ खड़े हैं।'' माननीय मंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार की सतर्कता और समुचित व्यवस्था से सप्लाई पूरी तरह भरोसेमंद बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सुरक्षित हाथों में है। हम सब मिलकर इस स्थिति को पूरी तरह सहज तरीके से संभालेंगे।'' श्री सिरसा ने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की समस्या या शिकायत होने पर हेल्पलाइन के माध्यम से जानकारी दें, ताकि तुरंत समाधान किया जा सके।

सतत ग्रामीण विकास - भारतीय गाय मॉडल विषय पर राष्ट्रीय गोष्ठी संपन्न हुई

नई दिल्ली, (वीअ)। राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में सतत ग्रामीण-भारतीय गाय मॉडल विषय पर दो दिवसीय गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। गोष्ठी का उद्घाटन 13 मार्च को भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य एवं भारत सरकार के पूर्व सचिव श्री राजीव गुप्ता ने किया जिसमें देश- विदेश के 50 से अधिक वैज्ञानिक एवं 200 से अधिक गौशाला प्रबंधक, कार्यकर्त्ता, और शोधार्थियों ने भाग लिया त गाय की महत्ता पर बोलते हुए श्री गुप्ता जी ने कहा कि गाय ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं त गाय के उत्पाद से खाद, कीट नियंत्रक, अमृत पानी आदि के अतिरिक्त कृषि में काम आने वाले अनेक प्रोडक्ट बन सकते हैं जिनका उपयोग प्राकृतिक खेती में किया जाता है और अनेक जहरमुक्त खाद्य पदार्थ पैदा किये जा सकते हैं त प्रयागराज से आये आयुर्वेद के पूर्व प्राचार्य डॉ. जी. एस. तोमर ने पंचगव्य के आयुर्वेदिक प्रभाव पर प्रकाश डाला जबकि मथुरा वेटरनरी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. श्रीकृष्ण गर्ग ने गाय के मानव स्वास्थ्य के प्रभावों की जानकारी दी त कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. रामस्वरूप सिंह चौहान ने अपने 43 वर्षों के शोध की जानकारी दी और बताया कि देशी गाय के पंचगव्य पदार्थों से मानव की गंभीर से गंभीर बीमारी का उपचार संभव है त गौरस को पाउडर बनाकर उससे रोगों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर मल्टीविटामिन का भी लोकार्पण किया गया, जिसका निर्माण डॉ. तुलसी के देख-रेख में गौमा फार्म द्वारा किया गया।

विजेन्द्र गुप्ता ने 'मदन दास देवी भवन' का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने आज राजपुरा गुरमंडी स्थित उपासना कुंज में आयोजित कार्यक्रम में ''मदन दास देवी भवन'' का उद्घाटन किया तथा 'चौपाल' द्वारा आयोजित 159वें माइक्रो लोन वितरण समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चौपाल जैसी पहलें समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण, परिवारों की आर्थिक स्थिरता और बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल गरीब परिवारों को संबल मिलता है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त होता है।

अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष ने चौपाल की यात्रा को याद करते हुए कहा कि इस पहल की प्रारंभिक अवस्था से लेकर आज तक इसके विकास को देखना उनके लिए संतोष का विषय रहा है। उन्होंने उन सभी प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदृष्टि और समर्पण ने इस संस्था की नींव रखी और इसे समाजसेवा तथा जनसशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि संगठन और इसके सहयोगियों के सतत प्रयासों ने चौपाल को एक सशक्त सामुदायिक पहल के रूप में स्थापित किया है।

श्री गुप्ता ने विशेष रूप से उन महिलाओं की चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया जो साप्ताहिक बाज़ारों और छोटे सड़क-आधारित व्यवसायों के माध्यम से अपनी आजीविका चलाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी अनेक महिलाएँ औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रह जाती हैं, जिसके कारण उन्हें छोटे-छोटे ऋण लेने के लिए अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भर होना पड़ता है। ये साहूकार अक्सर अत्यधिक दैनिक ब्याज दरों पर ऋण देते हैं, जिससे उनकी दैनिक आय का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में ही समाप्त हो जाता है और वे आर्थिक शोषण के चक्र में फँस जाते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि चौपाल ने इस चुनौती का सकारात्मक समाधान प्रस्तुत करते हुए उन लोगों तक सुलभ माइक्रो लोन और वित्तीय सहायता पहुँचाने का कार्य किया है जो पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था की पहुँच से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से छोटे व्यवसायों को बनाए रखने, परिवारों की आजीविका को मजबूत करने, बच्चों की शिक्षा को समर्थन देने तथा आर्थिक स्थिरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संस्था द्वारा दिए गए ऋणों की वापसी का रिकॉर्ड अत्यंत सराहनीय रहा है, जो लाभार्थियों की ईमानदारी और संस्था की पारदर्शी कार्यप्रणाली को दर्शाता है। इस अवसर पर ''मदन दास देवी भवन'' का उद्घाटन चौपाल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा गया। कार्यक्रम के दौरान 159वें माइक्रो लोन वितरण समारोह के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण प्रदान किए गए।

ईडब्ल्यूएस छात्रों के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 मार्च की जाए : दिल्ली पंचायत संघ

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली पंचायत संघ ने मुख्यमंत्री दिल्ली व शिक्षा मंत्री से मांग की है कि आर्थिक कमजोर वर्ग (EWS) के छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाया जाए। पंचायत संघ ने कहा की नए जिले बनने व सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों का स्थानांतरण के कारण लोगों को प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि ऑनलाइन आवेदन ज्यादातर लोगो को साइबर कैफे से कराना पड़ता है। कई बार आवेदन में आपत्ति दोबारा साइबर कैफे से दस्तावेज अपडेट कराने पड़ते हैं, जिससे गरीब वर्ग का समय और पैसा दोनों व्यर्थ हो रहा है। दिल्ली पंचायत संघ की प्रमुख मांगें:- 1. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के छात्रों के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 16 मार्च से बढ़ाकर 30 मार्च की जाए। 2. (EWS) सर्टिफिकेट, नॉन-क्रीमी लेयर सर्टिफिकेट और जाति प्रमाण पत्र बनाने की ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ-साथ संबंधित कार्यालयों में मैन्युअल (ऑफलाइन) दस्तावेज जमा कर प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था भी लागू की जाए। 3. नए जिलों के गठन व कार्यालयों और अधिकारियों के स्थानांतरित की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। 4. गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के परिवारों के लिए प्रमाण पत्र बनाने और आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाया जाए। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा, ''दिल्ली के गांवों और गरीबों के बच्चों को EWS श्रेणी के तहत शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में प्रमाण पत्र बनवाने और ऑनलाइन आवेदन करने में आ रही समस्याओं के कारण कई पात्र छात्र-छात्राएं आवेदन से वंचित रह सकते हैं।

शिकायतें आपकी समाधान हमारा

पाठकों को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि दैनिक वीर अर्जुन अपने पाठकों की निजी समस्याओं को प्रकाशित करने एवं उनके समाधान की कोशिश करने का प्रयास करेगा आप सभी से अनुरोध है कि आप अपनी समस्याएं pandey.virarjunnews@gmail.com अथवा pathakvirarjun@gmail.com पर भेजें ताकि दैनिक वीर अर्जुन आपकी समस्याओं के समाधान में भूमिका निभा सके।

– सम्पादक

दिल्ली के मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन किया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने आज , नई दिल्ली में पल्स एंड पॉजिटिविटी द्वारा आयोजित हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन किया। इस एक दिवसीय समिट में नीति-निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और वेलनेस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। समिट का उद्देश्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर ''हेल्थ चौपाल'' पहल की भी शुरुआत की गई, जो स्वास्थ्य जागरूकता, निवारक देखभाल और वेलनेस गतिविधियों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक सामुदायिक मंच के रूप में कार्य करेगी।

मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में संतुलित और स्वस्थ जीवन बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और खुशहाली एक-दूसरे से जुड़े हुए है और लोगों को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए आयोजकों की सराहना की।

इस अवसर पर मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा, ''जीवन में संतुलन बनाए रखना और संतुष्ट तथा खुश रहना समग्र मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है। इस तरह के मंच लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में सोचने और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाल समाज के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए और इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

समिट के दौरान मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने बढ़ते तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समय रहते जागरूकता और निवारक उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

आबकारी नीति मामला : केजरीवाल और सिसोदिया ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली, (वीअ)। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोप मुक्त किये जाने के खिलाफ सीबीआई की ओर से दाखिल अर्जी को उच्च न्यायालय के किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने का अनुरोध करने वाली उनकी याचिका खारिज किये जाने के बाद उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। आप ने रविवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और अन्य लोगों द्वारा दाखिल उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर की गई अपील की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। पूरे मामले मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति उपाध्याय ने राय व्यक्त की कि न्यायमूर्ति शर्मा रोस्टर के अनुसार निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही हैं और प्रशासनिक पक्ष से तबादले का आदेश पारित करने का कोई कारण नहीं है। आप ने कहा कि केजरीवाल और सिसोदिया दोनों ने उच्चतम न्यायालय में इस फैसले को चुनौती दी है। केजरीवाल ने याचिका में दलील दी कि उन्हें इस बात की गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका है कि इस मामले की सुनवाई निष्पक्ष और तटस्थ नहीं होगी। सीबीआई की याचिका पर सोमवार को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सुनवाई होनी है।

दशा परिवर्तन समाज सेवा संगठन की बैठक आयोजित

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : दशा परिवर्तन समाज सेवा संगठन की संगठन के सचिव राकेश सेन जी निवास पर कार्यकारिणी मेंबर्स के साथ एक मीटिंग की जिसमें संगठन अध्यक्ष तरुण अरोड़ा के सानिध्य मे संगठन का लेखा-जोखा. बैलेंस व हर वर्ष की भांति अस्थि विसर्जन के कार्यक्रम के लिए चर्चा रही। गठन के संस्थापक विजय सक्सेना ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारा संगठन 17 अप्रैल को को दिल्ली और विभिन्न शमशान घाटों से विस्मृत मृतकों की अस्थियां एकत्रित करके हरिहर शमशानघाट मौजपुर बाबरपुर दिल्ली से सुबह 9 बजे ब्रजघाट उत्तर प्रदेश लेकर जाएंगे इस सेवा मे सभी मित्रों और सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा है। ब्रजघाट उत्तर प्रदेश में श्री गंगा जी घाट पर पूरे विधि विधान से यह अस्थि विसर्जन कार्य पूर्ण करेंगे। उन्होंने अनुरोध किया यदि किसी के सम्पर्क मे किसी शमशान घाट पर विस्मृत अस्थियां रखी है तो हमारे संगठन को बताएं। और इस पुनीत सेवा कार्य मे सहभागी बन पुण्य लाभ प्राप्त करें।

इस अवसर पर विजय सक्सेना व पूर्व अध्यक्ष रामकुमार आर्य , उपाध्यक्ष प्रेमसिंह पाल सचिव जौहरी अग्रवाल , सह कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा. मीडिया सचिव संदीप अग्रवाल आध्यात्मिक सचिव पंडित सुरेंद्र अग्निहोत्री, एडवोकेट योगेश शर्मा डॉक्टर तरुण व सहदेव-चौधरी ने भी अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अपने विचार रखे।

जब रसोई गैस की कमी नहीं तो लोग लाइन में क्यों लगे हैं : गौरीशंकर शर्मा

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : लोक समाज पार्टी दिल्ली इकाई द्वारा ठेकेदारी,बेरोजगारी के साथ रसोई गैस के कालाबाजारी के खिलाफ चांद सिनेमा त्रिलोकपुरी से ब्लॉक नंबर 21 कल्याणपुरी तक सत्याग्रह पदयात्रा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सतबीर सिंह करौतिया की नेतृत्व में निकाली गई। इस कार्यक्रम का आयोजन पूर्वी दिल्ली जिला अध्यक्ष सतपाल ने किया था। इस मौके पर पार्टी राष्ट्रीय महासचिव बचन सिंह करौतिया,दिल्ली प्रदेश परिवहन प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील सक्सेना, दिल्ली महिला सभा कांता रानी पीपोलिया, राम गोपाल चौहान, ओम प्रकाश, किशन कश्यप, मीना देवी, अविनाश, रामवीर सिंह, नीरज जनार्दन सहित सैकड़ो लोग शामिल हुए। इस दौरान कई जगह नुक्कड़ सभाएं भी हुईं। चांद सिनेमा पर लोक समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा (एडवोकेट),लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब किसी भी तरह के रोजगार से आमदनी का स्तर ठहरा हुआ हो, आय के साधन सीमित हो तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है के बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमत उसकी पहुंच में हो या फिर कम से कम स्थिर रहे। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरत को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है वह कई बार भारी पड़ता है। यही नहीं चाहे केंद्र सरकार हो या दिल्ली सरकार हो दोनों की जानकारी में ठेकेदारों तहत काम करने वाले लोगो का शोषण हो रहा है। उनको समय पर वेतन नहीं मिलता और मिलता है तो न्यूनतम वेतन से भी कम मिलता है। ऐसे लोग इस महंगाई में का सामना कैसे कर रहे होंगे यह सत्ता के चलाने वालों को महसूस नहीं होता। वही आज इजरायल अमेरिका द्वारा ईरान पर युद्ध के हालात पर पेट्रोलियम पदार्थ सहित रसोई गैस की समस्या पर भारत के प्रधानमंत्री सहित कई मंत्री द्वारा जनता को आश्वासन देते है की रसोई गैस की कमी नहीं है प्रश्न उठता है जब स्टॉक बराबर है तो रसोई गैस की बुकिंग क्यों नहीं हो रही है? लोग लाइन में क्यों खड़े हैं।

डीयू ने आंकड़े जारी कर प्रवेश में जातिगत भेदभाव के राहुल गांधी के आरोपों का खंडन किया

नई दिल्ली, (वीअ)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने प्रवेश प्रक्रिया में जातिगत भेदभाव के राहुल गांधी के आरोपों का पुरजोर तरीके से खंडन करते हुए रविवार को सीयूईटी के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में छात्रों के नामांकन के आंकड़े जारी किए और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से अपुष्ट बयान देने से परहेज करने की अपील की।

डीयू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली विश्वविद्यालय भारत के संविधान की सच्ची भावना के अनुरूप अपने सभी वैधानिक दायित्वों का पालन करता है, जैसा कि हमारी पारदर्शी प्रवेश और भर्ती प्रक्रियाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

विश्वविद्यालय द्वारा सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के आधार पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश पाने वाले स्नातकोत्तर छात्रों का आंकड़ा साझा किया, जिसके मुताबिक 4022 (38.59 प्रतिशत) अनारक्षित, 3115 (29.88 प्रतिशत) ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) , 1488(14.27 प्रतिशत) अनुसूचित जाति , 614 (5.89 प्रतिशत) अनुसूचित जनजाति और 1203 (11.54 प्रतिशत) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) छात्र शामिल थे। प्रवेश पाने वाले स्नातकोत्तर छात्रों की कुल संख्या 10,422 थी। डीयू के मुताबिक, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक पाठ्यक्रमों में 32,777 (46.56 प्रतिशत) छात्र अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत, 17,971 (25.52 प्रतिशत) छात्र अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत, 10,517 (14.93 प्रतिशत) छात्र अनुसूचित जाति के अंतर्गत, और क्रमश: 3,251 (4.62 प्रतिशत) एवं 5879 (8.35 प्रतिशत) छात्र अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) के अंतर्गत नामांकित हुए।

रसोई गैस की किल्लत से प्रभावित हो रही हैं सरकार की योजनाएं भी : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (वीर अर्जुन) : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर की कमी से अब सरकार की योजनाएं भी प्रभावित हो रही है। दिल्ली सरकार की अटल कैंटीन और रैन बसेरों के गरीब आश्रितों को खाना मिलना लगभग बंद हो रहा है, जबकि केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लोगों को झूठी दिलासा दे रहे है कि पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार की नाकामी और गलत नीति के कारण गरीब और जरुरतमंद लोगों को सिलेंडर नही मिलने के कारण अटल कैंटीन जैसी सरकारी योजना के तहत 5 रुपये में मिलने वाली थाली के लिए अटल कैंटीन पर लोगों की भीड़ चौगुनी हो चुकी है, जबकि सिलेंडर की कमी के कारण दिल्ली सरकार की 71 अटल कैंटीन एक दिन में सुबह और शाम 1000 लोगों को खाना मुहैया कराने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यही हाल दिल्ली सरकार के रैन बसैरों का है, जहां गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप्प होने के कारण आधे से भी अधिक आश्रितों को प्रशासन पर्याप्त खाना नही दे पा रहा है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकतर रैन बसेरों में लगभग 2 हफ्ते से सिर्फ 40 प्रतिशत लोगों को खाना दे पा रही है। यही नही रैन बसैरों में लोगों को रात में भूखे ही सोने को मजबूर होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि नरेला, मंगोलपुरी, हैदरपुर, बुध विहार, इंद्रपुरी, गीता कॉलोनी, झिलमिल, आर.के. पुरम सहित अधिकतर संख्या में अटल कैंटीन गरीब और जरुरतमंद लोगों को खाना उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अटल कैंटीन चलाने वाले भाजपा के लोग सिलेंडर न मिलने के कारण अपने को असहाय बता रहे है, जबकि घरों में सिलेंडर न होने के कारण भूख के मारे लोग 3-4 घंटों पहले ही अटल कैंटीन से टोकन के लिए लाईनों में खड़े हो रहे है। उन्होंने कहा कि भूख मिटाने की मारामारी दिल्ली के इतिहास में पहली बार भाजपा शासन में हुई है।

दिल्ली नगर निगम ने रेलवे लाइन के समीप क्षेत्र को कचरा मुक्त बनाने का काम करना शुरू किया

नई दिल्ली,(वीअ)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने रेलवे ट्रैक के आसपास से कचरा हटाने के लिए एक बड़ा सफाई अभियान शुरू किया है। भारतीय रेल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लगभग 123 किलोमीटर लंबी रेलवे ट्रैक का संचालन करती है, जिनके आसपास कई स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ी और जे.जे. कॉलोनियां स्थित हैं। अनुमान के अनुसार, दिल्ली भर में रेलवे ट्रैक के आसपास लगभग 15,000 मीट्रिक टन कचरा जमा है, जिसमें से अब तक लगभग 5,000 मीट्रिक टन कचरा एमसीडी द्वारा हटाया जा चुका है।

एमसीडी के आयुक्त श्री संजीव खिरवार ने कहा कि रेलवे ट्रैक की लंबाई, सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एमसीडी ने रेलवे ट्रैक के आसपास पड़े इस पुराने कचरे को हटाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। भविष्य में अलग-अलग अंतराल पर विशेष हस्तक्षेप की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए एमसीडी नियमित सफाई की व्यवस्था स्थापित कर रही है। इस व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए एमसीडी जोन वार रेलवे ट्रैक की नियमित सफाई हेतु कंसेशनायर नियुक्त करने के लिए विशेष निविदाएं भी आमंत्रित कर रही है। वर्तमान में दिल्ली के सभी जोनों में रेलवे ट्रैक के आसपास जमा कचरे को हटाने के लिए एमसीडी ने 145 वाहनों को तैनात किया है, जिनमें ट्रक, ऑटो टिप्पर, हायवा और जेसीबी शामिल है। इसके अलावा लगभग 800 कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया गया है।

दिल्ली में रेलवे ट्रैक पर भारी मात्रा में रेल यातायात चलता है, इसलिए ट्रैक के आसपास सफाई कार्य के दौरान रेलवे से ब्लॉक लेना आवश्यक होता है। कई स्थानों पर ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां एमसीडी के वाहन नहीं पहुंच पाते। ऐसे दुर्गम स्थानों से कचरा हटाने के लिए एमसीडी रेलवे प्रशासन से सहयोग लेकर आवश्यक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का संरक्षण नागरी लिपि से संभव : डॉ हरिसिंह पाल

नई दिल्ली, (वीअ)। भारतीय ज्ञान परंपरा अनादि काल से प्रवहमान रही है। इसके संरक्षण और समृद्धि में नागरी लिपि की महत्वपूर्ण भूमिका है। लिपि विहीन बोली भाषाओं में सन्निहित ज्ञान लिपिबद्धता के अभाव में विलुप्त हो चुका है। भविष्य में हमारी ज्ञान परंपरा प्रवहमान बनी रहे, इसके लिए जोड़ लिपि के रूप में नागरी लिपि का प्रयोग प्रभावशाली सिद्ध हो सकता है। उक्त विचार नागरी लिपि परिषद के महामंत्री और न्यूयॉर्क अमेरिका से प्रकाशित वैश्विक हिंदी पत्रिका सौरभ के संपादक डॉ हरिसिंह पाल ने शासकीय महाविद्यालय चांद, छिंदवाड़ा द्वारा ' भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और आधुनिक संदर्भ में शिक्षा ' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट संदर्भ वक्ता के रूप में व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमर सिंह बघेल के संरक्षण में आयोजित इस संगोष्ठी में कनाडा के प्रो वाई एल तेखरे , फिलीपींस की प्रो जैसी लेन ऐस्तरा, मलेशिया के प्रो पॉल ज्ञान सेलवम, बांग्लादेश के प्रो एलहाम हुसैन, नेपाल के प्रो गुलजार राउत सहित भारत के अनेक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय पर अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

आस्था, राष्ट्रभाव और प्रकृति चेतना की काव्य-प्रतिध्वनि: स्मृति श्रीवास्तव का 'अन्तर्ध्वनि'

नई दिल्ली, (वीअ)। डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित स्मृति श्रीवास्तव का तृतीय काव्य संग्रह ''अन्तर्ध्वनि'' समकालीन हिंदी काव्यधारा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में उभरता है। हिंदी साहित्य में एम.ए. उपाधि प्राप्त करने के उपरांत लेखिका ने अपना जीवन हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संवर्धन को समर्पित किया है। नई दिल्ली के सेंट थॉमस स्कूल में दो दशकों तक हिंदी एवं संस्कृत का अध्यापन, दिल्ली विश्वविद्यालय के नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए दुर्लभ ग्रंथों का वाचन-रिकॉर्डिंग तथा वंचित महिलाओं के लिए सामाजिक सभी अनुभवों की गहन मानवीय संवेदना इस कृति की पंक्तियों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। ''अन्तर्ध्वनि'' शीर्षक अपने आप में दार्शनिक गहराई लिए हुए है। ध्वनि केवल श्रव्य तरंग नहीं, बल्कि चेतना की कंपनशील ऊर्जा है; और जब वही ध्वनि अंतःकरण में प्रतिध्वनित होती है, तो वह अंतर्ध्वनि बन जाती है। संग्रह की भूमिका में व्यक्त भावनु काव्य-संसार का नैतिक और आध्यात्मिक आधार निर्मित करता है। यह कृति किसी एक भाव-क्षेत्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भक्ति, प्रकृति, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जागृति और अंतर्मन के सूक्ष्म द्वंद्व तक विस्तृत काव्य-परिसर रचती है। संग्रह का आरंभ गणेश वंदना से होता है और माँ सरस्वती, नमामि शंकर तथा दुर्गा स्तुति के माध्यम से भारतीय अध्यात्म की सांस्कृतिक निरंतरता को स्थापित करता है। ''जग में चहुँ दिश आनंद सरसे, सबके आँगन आशीष बरसे'' जैसी पंक्तियाँ कवयित्री के सार्वभौमिक मंगलकामना भाव को उद्घाटित करती हैं। यहाँ भक्ति पलायन नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है, जो व्यक्ति को करुणा और समभाव की ओर प्रेरित करती है।

''पर्व-पुष्पांजलि'' खंड भारतीय उत्सव-परंपरा का काव्यात्मक अभिलेख है। नूतन वर्ष से लेकर मकर संक्रांति, रक्षाबंधन, हरतालिका तीज और शिक्षक दिवस तक, प्रत्येक पर्व को केवल अनुष्ठान के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकात्मता के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया गया है। मकर संक्रांति पर सूर्य को काव्य-अर्घ्य देते हुए कवयित्री भारतीय लोक-संस्कृति की विविधता में निहित एकता को रेखांकित करतीहैं।लोहड़ी, बिहू, लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों के बावजूद अंतर्ध्वनि एक ही है: सौहार्द और समरसता। ''मातृभूमि के गौरव'' खंड राष्ट्रभाव की ओजस्वी अभिव्यक्ति है। स्वतंत्रता के प्रहरियों और शहीदों को शौर्यगाथाएं केवल ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि नैतिक प्रेरणा का स्रोत है। कवयित्री भारतभूमि को ऋणस्वरूप स्वीकार करती है और संस्कृति के स्वर्णिम स्वर, सद्भाव तथा विश्वबंधुत्व की भावना को समकालीन परिप्रेक्ष्य में पुनर्स्थापित करती है। यहाँ राष्ट्रप्रेम उग्रता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और कृतज्ञता का भाव है। प्रकृति-केंद्रित खंड ''हरित धरा का आह्वान'' संग्रह की विशिष्ट उपलब्धि है। ''पृथ्वी को सांस लेने दो'' और ''पर्वत पुकार रहे हैं'' जैसी कविताएं पर्यावरणीय संकट पर संवेदनशील हस्तक्षेप हैं। कवयित्री धरती को एक नारी-रूपक में देखती है, जो अति-दोहन से व्यथित है। ''जागृति के स्वर'' खंड में कवयित्री समकालीन सामाजिक यथार्थ से मुठभेड़ करती है। ''लाइक और कमेंट की दुनिया'' डिजिटल युग की आभासी संवेदनाओं पर सूक्ष्म व्यंग्य है, तो ''रिवाज और परंपराएं'' तथा ''पारंपरिक बनाम समकालीन'' बदलते सामाजिक मूल्यों पर विमर्श प्रस्तुत करती है।

''बेटियाँ'' और ''शक्ति स्वरूपा'' स्त्री-सशक्तिकरण को सशक्त अभिव्यक्ति है, जहाँ नारी को करुणा और का संगम माना गया है। बुजुर्गों की सीख, रिश्तों की जटिलता और सहानुभूति बनाम युद्ध जैसे विषयों के माध्यम से संग्रह सामाजिक नैतिकता की पुनर्समीक्षा करता है। संपूर्ण संग्रह का काव्य-शिल्प सहजता और संप्रेषणीयता पर आधारित है। अलंकारों का संयमित प्रयोग, लयात्मक प्रवाह और भावात्मक प्रामाणिकता इसे पाठक के निकट ले आते हैं। स्मृति श्रीवास्तव की कविताएँ दुरूह बिंब-भाषा का आश्रय नहीं लेतीं; वे सीधे हृदय से संवाद करती हैं। यही कारण है कि उनका काव्य बौद्धिक विश्लेषण के साथ-साथ भावनात्मक स्पर्श भी प्रदान करता है। ''अन्तर्ध्वनि'' केवल कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि आत्मा और समाज के बीच सतत संवाद का सेतु है। यह कृति बताती है कि आध्यात्मिकता, राष्ट्रभाव, प्रकृति-प्रेम और सामाजिक चेतना परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक ही व्यापक मानवीय संवेदना के विविध आयाम हैं। स्मृति श्रीवास्तव की लेखनी पाठक को बाह्य कोलाहल से भीतर की शांति की ओर ले जाती है, जहाँ अंतःचेतना की सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती है। यह कृति समकालीन हिंदी साहित्य में एक सार्थक और मूल्यपरक योगदान के रूप में रेखांकित की जा सकती है। ''अन्तर्ध्वनि'' न केवल पाठकीय संवेदना को जाग्रत करती है, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक आत्मावलोकन की प्रेरणा भी देती है। यह संग्रह इस विश्वास को पुष्ट करता है कि जब कविता अंतर्मन से उपजती है, तो उसकी ध्वनि समय की सीमाओं को पार कर स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

पुस्तक : अन्तर्ध्वनि
लेखिका : स्मृति श्रीवास्तव
प्रकाशक: डायमंड पॉकेट बुक्स
समीक्षक: उमेश कुमार सिंह

फूल वालों की सैर 2026 का शुभारंभ पेंटिंग प्रतियोगिता से हुआ

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत तथा आपसी भाईचारे का प्रतीक फूल वालों की सैर का इस वर्ष भव्य शुभारंभ 15 मार्च 2026 को एक रंगारंग पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ हुआ। यह प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक उत्सव इस वर्ष 15 मार्च 2026 से 21 मार्च 2026 तक पारंपरिक उत्साह और पूरे उल्लास के साथ मनाया जाएगा। आज आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए सैकड़ों बच्चों ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया। बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत, फूल वालों की सैर की परंपरा और सामाजिक सद्भाव का सुंदर चित्रण किया। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में आयोजित किया गया 05 से 08 वर्ष, 09 से 12 वर्ष तथा 13 से 16 वर्ष। प्रतियोगिता में अनेक प्रतिभाशाली बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में दक्षिण दिल्ली के जिलाधिकारी तथा महरौली के एसडीएम श्री राहुल राठौर जी और उनके समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर एसडीएम महरौली श्री राहुल राठौर जी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ''ऐसी प्रतियोगिताएँ बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के साथ-साथ उन्हें हमारी सांस्कृतिक विरासत से भी जोड़ती है। फूल वालों की सैर जैसे ऐतिहासिक उत्सव में बच्चों की भागीदारी हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।'' अनजुमन सैर-ए-गुलफरोशां की जनरल सेक्रेटरी श्रीमती उषा कुमार जी ने अपने संदेश में कहा कि ''फूल वालों की सैर केवल एक उत्सव नहीं, बाल्कि दिल्ली की गंगा-जमुनी तहज़ीब, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।''

न्यायालय ने नोएडा प्राधिकरण को स्पोर्ट्स सिटी परियोजना पर आदेशों का पालन करने का अंतिम अवसर दिया

नई दिल्ली , (विसं)। उच्चतम न्यायालय ने नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) को नोएडा स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने से संबंधित अटकी हुई रियल एस्टेट परियोजना पर उसके निर्देशों का पालन करने के लिए अंतिम मौका दिया है।न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि अंतिम अवसर के रूप में, इस न्यायालय द्वारा दिनांक 24 नवंबर, 2025 और 15 जनवरी, 2026 को पारित पूर्व आदेशों का पालन प्रतिवादी नोएडा को करना होगा। शीर्ष अदालत ने 24 नवंबर के आदेश में लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन और उसके कंसोर्टियम साझेदारों द्वारा विकसित की जा रही परियोजना के लिए एक संरचित पुनरुद्धार (रिवाइवल) ढांचे को मंजूरी दी थी। न्यायालय ने लगभग तीन साल बाद निर्माण कार्य फिर से शुरू करने की अनुमति दी थी और नोएडा प्राधिकरण को 30 से 45 दिनों के भीतर निर्माणकर्ता पर लगा प्रतिबंध हटाने का निर्देश दिया था, बशर्ते तय शर्तों का पालन किया जाए।

इस ढांचे के तहत निर्माणकर्ता को 30 दिनों के भीतर संशोधित मास्टर प्लान जमा करना होगा, जिसकी जांच प्राधिकरण करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मूल स्पोर्ट्स सिटी नीति का पालन हो रहा है।हालिया आदेश के बाद नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा सेक्टर-150 स्थित एससी-02 स्पोर्टस सिटी परियोजना से प्रतिबंध हटा दिया है। प्राधिकरण के इस कदम से उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड-यूज) परियोजनाओं में से एक के पुनरुद्धार का अगला चरण शुरू होने का संकेत मिला है।यह फैसला प्राधिकरण की 221वीं बोर्ड बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता अवसंरचना और औद्योगिक विकास आयुक्त तथा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार ने की।नोएडा के सेक्टर-150 में फैली इस स्पोर्ट्स सिटी परियोजना को खेल अवसंरचना के साथ आवासीय और व्यावसायिक सुविधाओं को जोड़ने वाले प्रमुख विकास के रूप में तैयार किया गया था।इस परियोजना में घर खरीदने वाले हजारों लोगों ने निवेश किया था, जिसमें स्पोर्ट्स अकादमी, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य संबंधित सुविधाओं के साथ आवास और रिटेल स्पेस का वादा किया गया था। हालांकि जनवरी 2021 में नियामकीय कार्वाई के बाद सभी चार स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं पर प्रतिबंध लग गया था जिससे कारण लगभग 20,000 खरीदारों को कब्जा मिलने या पंजीकरण की प्रक्रिया अब भी लंबित है।

दिल्ली पुलिस ने बवाना हत्याकांड में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली , (वीअ)। बाहरी उत्तर दिल्ली के बवाना इलाके में हत्या के एक मामले में वांछित 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार आरोपी पूठ खुर्द गांव निवासी योगी उर्फ देवराज डबास ने अपने साथियों के साथ मिलकर आठ मार्च को भूपेंद्र उर्फ भोलू (24) की राज वाटिका के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने बताया कि नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली थी कि पूठ खुर्द इलाके में राज वाटिका के पास एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक स्कूटर के पास गोली लगने से घायल व्यक्ति बेहोश अवस्था में पड़ा मिला।

घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक आरोपी की गतिविधियों की जानकारी के आधार पर टीम ने जाल बिछाकर शनिवार को नजफगढ़ क्षेत्र के छवाला बस अड्डे से उसे गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियों निखिल, सुमित और एक नाबालिग के साथ मिलकर राज वाटिका के पास भूपेंद्र को मारा था।

पुलिस के अनुसार संपत्ति विवाद से जुड़ी पुरानी रंजिश के चलते योगी और निखिल ने कथित तौर पर भूपेंद्र की हत्या की।पुलिस ने बताया कि मामले में शामिल नाबालिग को पहले ही पकड़ लिया गया है, जबकि सुमित अब भी फरार है और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टरों का 20 को भौतिक सत्यापन

रोहतक, (तारीफ शर्मा)। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा संचालित एससी-89 योजना के तहत अनुसूचित श्रेणी के किसानों को ट्रैक्टर पर अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत चयनित किसानों के ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन 20 मार्च 2026 को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के स्थानीय उप कृषि निदेशक कार्यालय में प्रात: 11 बजे से किया जाएगा। सचिन गुप्ता ने बताया कि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए अनुसूचित श्रेणी के किसानों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र किसानों का चयन किया गया है। अब चयनित किसानों द्वारा खरीदे गए ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें निर्धारित अनुदान राशि प्रदान करने की आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित किसानों का आह्वान किया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर अपने ट्रैक्टर सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ उप कृषि निदेशक कार्यालय में उपस्थित हों, ताकि सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य अनुसूचित श्रेणी के किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों से जोडक़र उनकी खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। ट्रैक्टर पर अनुदान जैसी योजनाओं से छोटे एवं सीमांत किसानों को कृषि कार्यों में सहूलियत मिलती है और उनकी आय बढ़ाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई जाए, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ समय पर मिल सके।

जनहित के मुद्दों को लेकर माकपा की रैली होगी ऐतिहासिक: विरेन्द्र डंगवाल

फरीदाबाद,(वीअ)। जनहित के मुद्दों को लेकर आगामी 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में माकपा की होने वाली रैली ऐतिहासिक होगी। इस रैली की तैयारियां जोरों पर की जा रही है। इसके लिए जिला कमेटी द्वारा तैयार किए गए हैंडं बिल आम जनता के बीच में वितरित किए जा रहे हैं। यहां पर राज्य का जत्था 18 मार्च को पहुंचेगा। जो कई स्थानों पर सभाओं को संबोधित करेगा। इसके लिए ब्रांच कमेटियां अपनी मीटिंग कर रही है। यह जानकारी जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल, जिला कमेटी सदस्य निरंतर पाराशर और कामरेड शिवप्रसाद ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि देश प्रदेश में रसोई गैस की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। आम लोगों को गैस के लिए लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। सरकार की तरफ से यह दवा तो किया जा रहा है कि गैस की कोई समस्या नहीं है। लेकिन धरातल में सच्चाई कुछ और है। रसोई गैस नहीं मिलने वजह से कई होटल और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर आ गए हैं। इस वजह से लोग बेरोजगार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने श्रमिकों के भलाई के लिए पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में बनाए गए श्रम कानूनों में तब्दीलियां करके चार लेबर कोड्स बना दिए हैं। जो सीधे तौर पर कारखाने के मालिकों के लिए लाभदायक हैं। मजदूरों के लिए हानिकारक है। यह बहुत चिंता की बात है कि विकास में सबसे आगे होने के बावजूद भी प्रदेश की सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में पिछले 12 वर्षों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली में जहां न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी करके 22400 कर दी गई। लेकिन हरियाणा की सरकार अभी तक 15200 ही देने की सोच रही है। यह सरकार बिजली सहित सभी सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण करने पर लगी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए निवेश नहीं किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य के बजट में कटौती की गई है। आज की मीटिंग में बल्लबगढ़ ब्रांच के सेक्रेटरी अनिल कुमार, एडवोकेट एस के जोशी, के पी सज्जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा नेता जसबीर सैनी ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज को जन्मदिवस पर दी शुभकामनाएं

बहादुरगढ़ (राकेश पंवार/राजेश शर्मा)। भाजपा नेता एवं राष्ट्रीय सैनी सभा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी ने रविवार को हरियाणा सरकार के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के 73वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जसबीर सैनी ने अनिल विज को पटका पहनाकर सम्मानित किया और उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की। जसबीर सैनी ने कहा कि अनिल विज हरियाणा की राजनीति में एक ईमानदार और जनसेवा के लिए समर्पित नेता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि विज का राजनीतिक जीवन सेवा और समर्पण का उदाहरण है तथा उनके कार्यों से युवाओं को भी प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

कन्या जन्म पर ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ कुआं पूजन, परिवार ने दिया बेटियों के सम्मान का संदेश

बहादुरगढ़,(वीअ)। कन्या जन्म को उत्सव के रूप में मनाते हुए भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के पर्यावरण संयोजक एवं सेवानिवृत्त एसडीओ मुकेश शर्मा ने अपनी सुपौत्री के जन्म पर कुआं पूजन और प्रीतिभोज समारोह का आयोजन किया। अमनदीप भारद्वाज की पत्नी शिल्पा ने अपनी पहली संतान के रूप में कन्या को जन्म दिया। परिवार ने बेटी के जन्म की खुशी ढोल-नगाड़ों के साथ कुआं पूजन कर मनाई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने परिवार की इस पहल की सराहना की। भाविप के जिला समन्वयक सतीश शर्मा और शाखा संरक्षक उद्योगपति पवन जैन ने कहा कि परिवार द्वारा कन्या जन्म पर कुआं पूजन आयोजित कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव लाने में सहायक साबित होंगे। पूर्व विधायक राजेन्द्र जून ने कहा कि आज बेटियां चिकित्सा, ज्ञान-विज्ञान और खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के दम पर अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन कर रही हैं। वहीं पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने कहा कि यदि बेटों की तरह बेटियों को भी उचित प्रोत्साहन मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। कन्या के दादा मुकेश शर्मा और शिक्षिका दादी सुमन ने बताया कि कन्या के जन्म के साथ ही परिवार ने इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, ताकि समाज में बेटियों के सम्मान का संदेश दिया जा सके। इस अवसर पर नप के पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी, पूर्व चेयरमैन रवि खत्री, वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, मार्किट कमेटी के चेयरमैन विनोद कौशिक, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नरेश भारद्वाज, युद्धवीर भारद्वाज, प्रधान महेश वशिष्ट, पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा, पार्षद राजेश तंवर, जयबीर भारद्वाज, आनन्द शर्मा, भाजपा नेता मनोज वशिष्ट, मास्टर सुशील बराही, एसडीओ सुनील शर्मा, एक्सईएन अनिल शर्मा, पूर्व पार्षद वजीर राठी, विवेकानंद शाखा से मुरारीलाल गोयल, सुनील बंसल, चंचल गर्ग, नीरज गर्ग सहित अन्य गणमान्य लोगों ने नवजात बेटी को आशीर्वाद दिया और परिवार की इस पहल की सराहना की।

होटल बुकिंग के नाम पर ठगी

फरीदाबाद (वीअ)। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने होटल बुकिंग के नाम पर 48010 रुपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्रम सिंह निवासी गांव बुराना जिला डीग हाल सेक्टर-4 सोहना गुडग़ांव को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-21 निवासी एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में शिकायत दी थी कि वह होटल बुकिंग के लिए गूगल पर सर्च कर रही थी। इसी दौरान उस एक वेबसाइट दिखाई दी। जब उसने वेबसाइट पर दिए गए नंबर पर कॉल किया तो सामने वाले व्यक्ति ने होटल बुकिंग कन्फर्म करने के लिए भुगतान करने को कहा और उसे एक क्यू कोड भेजा।

दक्षिणी दिल्ली के नेचर बाजार में आग लगी, करीब 50 दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली , (वीअ)। दक्षिण दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित नेचर बाजार में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गईं और बड़े पैमाने पर आग बुझाने का अभियान चलाया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह 7:37 बजे मिली। सूचना मिलते ही आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अब तक इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि आग लाडो सराय क्षेत्र में अंधेरिया मोड़ के पास स्थित नेचर बाजार में लगी जहां हस्तशिल्प और अन्य सामान बेचने वाली कई अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानें लगी हुई हैं।

घटना के बाद आग तेजी से कई दुकानों में फैल गई जिससे बाजार परिसर से धुएं के गुबार उठते देखे गए।दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने और उसे फैलने से रोकने के लिए व्यापक अभियान चलाया।अधिकारी के अनुसार, इस घटना में लगभग 50 दुकानें जलकर नष्ट हो गईं जिससे सामान और संरचनाओं को भारी नुकसान हुआ है।

दमकलकर्मी आग को पूरी तरह बुझाने और इलाके में शीतलन अभियान चलाने में लगे हुए हैं। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

होटल में डकैती मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली , (वीअ)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में पिछले वर्ष एक होटल में डकैती और तोड़फोड़ के मामले में वांछित 26 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महेश उर्फ गांजा को पालम गांव थाने में दर्ज मामले में 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया।अधिकारियों ने बताया कि 28 सितंबर 2025 को पांच-छह नकाबपोश लोग लोहे की छड़ लेकर गांव स्थित एक होटल में दाखिल हो गए। होटल संचालक की शिकायत के अनुसार आरोपियों ने होटल में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

बदरपुर में 65 वर्षीय महिला की जलकर मौत: पुलिस

नई दिल्ली , (वीअ)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के बदरपुर इलाके में एक घर की छत पर बने बाथरूम में आग लगने से 65 वर्षीय महिला की जलकर मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि आग तब लगी होगी जब महिला ने बीड़ी पीने के लिए माचिस जलाई होगी। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम मोलड़बंद इलाके में हुई और बदरपुर थाने को आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि बाथरूम के अंदर महिला का जला हुआ शव मिला जिसकी पहचान वीनू सिंह (65) के रूप में हुई। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, बाथरूम क्षेत्र में लकड़ी की वस्तुएं और कचरा था, जिसमें घटना के दौरान आग लग गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिंह कभी-कभार धूम्रपान करती थीं और इसके लिए कभी-कभी छत पर बने एकांत स्थान पर जाती थीं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि आग संभवत: धूम्रपान करते समय लगी होगी, जिससे वह अंदर फंस गईं। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने कहा कि आग लगने का कारण लगभग दो महीने पहले घर में स्थापित गैस पाइपलाइन कनेक्शन से गैस का रिसाव हो सकता है। मृतका की बहू ममता सिंह ने कहा, वह ऊपर गई थीं और गैस लीक होने के कारण बाथरूम गैस से भर गया। हममें से किसी को भी इसके बारे में पता नहीं चला क्योंकि कोई गंध नहीं आ रही थी। शायद उन्होंने माचिस की तीली जलाई होगी और इसी से आग लगी होगी। ममता ने बताया कि उनकी सास कभी-कभी चाय पीने से पहले धूम्रपान करती थीं।

पुलिस ने बताया कि जांच टीम को मौके पर बुलाया गया और घटनास्थल की गहन जांच की गई। इसने कहा कि पीडति परिवार को शुरुआती तौर पर किसी साजिश का संदेह नहीं है और फिलहाल यह मौत आकस्मिक प्रतीत हो रही है। पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स मुर्दाघर में रखा गया है। पुलिस ने बताया कि मृतका के परिवार में तीन बेटे हैं।

आईएमएस लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने जिला न्यायालय का किया भ्रमण

वीर अर्जुन संवाददाता

नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज की लीगल एड सोसायटी ने शनिवार को जिला न्यायालय, गाजियाबाद में एक शैक्षणिक न्यायालय भ्रमण का आयोजन किया। इस भ्रमण में एलएलबी, बीए.एलएलबी एवं बीकॉम.एलएलबी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने न्यायालय की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर प्राप्त किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को लोक अदालत की लाइव कार्यवाही का अवलोकन करने का अवसर मिला। साथ ही उन्हें वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली (एडीआर) की प्रक्रिया और उसके महत्व को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

आईएमएस लीगल एड सोसायटी के संयोजक डॉ. सचिन गोयल एवं प्रो. व्यास कुमार यादव ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), गाजियाबाद के अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश से व्यक्तिगत रूप से संवाद करने का मौका मिला। वहीं माननीय न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए न्यायिक प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में आने वाली जटिल कानूनी प्रक्रियाओं और व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

साइबर ठगी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद ,(वीअ)। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1,98,000 रुपये की साइबर ठगी के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपी आर्यन निवासी गांव जिजाथल जिला अलीगढ़ उत्तर प्रदेश हाल निवासी उत्तमनगर दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बडख़ल निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके फोन से अचानक तीन ट्रांजेक्शन के माध्यम से 1,98,000 रुपये कट गए। शिकायत के आधार पर साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

उत्तम नगर में युवक की हत्या के मामले में दक्षिणपंथी समूह ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली , (वीअ)। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में इस महीने की शुरुआत में 26 वर्षीय युवक की हत्या के विरोध में रविवार को कई दक्षिणपंथी हिंदू संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की। सर्व हिंदू समाज ने अयप्पा पार्क में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विरोध प्रदर्शन किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग की। कुछ सदस्यों ने पीडति परिवार को मुआवजा और उसके बड़े भाई को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की। सर्व हिंदू समाज के एक सदस्य ने प्रदर्शन के दौरान कहा, हम हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्वाई, पीडति परिवार को पर्याप्त मुआवजा और उसके बड़े भाई को सरकारी नौकरी देने की मांग करते हैं। इससे एक दिन पहले सर्व हिंदू समाज ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), विशेष जांच दल (एसआईटी) या अपराध शाखा को सौंपने की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, चार मार्च को होली के दौरान जेजे कॉलोनी में तरुण के परिवार की एक लड़की ने गुब्बारा फेंका, जिसका पानी पड़ोसी परिवार की एक महिला पर गिरने से विवाद शुरू हुआ और फिर हिंसा हुई।

धोखाधड़ी के आरोप में महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली , (वीअ)। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच के माध्यम से आसान ऋण का प्रलोभन देकर एक व्यक्ति से कथित तौर पर 20 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में 40 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर निवासी सतविंदर कौर नामक महिला को मामले में तकनीकी जांच के बाद गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने फर्जी ठुण का प्रलोभन देकर ठगी करने की शिकायत 13 मार्च को दर्ज कराई थी।

अधिकारी ने कहा, जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से एक फोन नंबर पर संपर्क किया और खुद को ठुण दिलाने में मदद करने वाली के तौर पर पेश किया। उन्होंने बताया कि महिला ने सबसे पहले 25 अप्रैल, 2025 को शिकायतकर्ता से इसी तरह के प्रस्ताव के साथ कथित तौर पर संपर्क किया था, जिसे पीड़ित ने उस समय अस्वीकार कर दिया था।हालांकि, आरोपी ने 16 जनवरी 2026 को फिर से संपर्क करने के बाद उसे ठुण सुविधा का लाभ उठाने के लिए राजी कर लिया। उसने शिकायतकर्ता को कथित तौर पर बताया कि ठुण राशि का पांच प्रतिशत धन प्रक्रिया शुल्क अग्रिम रूप से देना होगा।

उन्होंने कहा, सौदेबाजी के बाद, आरोपी तीन प्रतिशत शुल्क स्वीकार करने के लिए सहमत हो गई और शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये अंतरित करने को कहा।

ह्यूमन लीगल ने स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

फरीदाबाद ,(वीअ)। ह्यूमन लीगल ऐड एंड क्राइम कंट्रोल संस्था ने अपने हेड ऑफिस में बत्रा हार्ट एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस नेक पहल से सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को फ्री हेल्थ चेकअप का लाभ मिला, जो शहर की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक मिसाल साबित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय रेलवे पुलिस के डीएसपी राजेश चेची ने संस्था की इस सराहनीय कोशिश की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें समाज को मजबूत बनाती हैं और अपराध नियंत्रण के साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी जरूरी है।

महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

फरीदाबाद,(सुनील शर्मा)। ह्यूमन राइट्स टीम द्वारा समृद्धि हॉस्पिटल के सहयोग से महिला सम्मान समारोह का आयोजन सेक्टर-31 के कम्युनिटी सेंटर में किया गया। कार्यक्रम में ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट की प्रैसीडेंट रेखा पवार, सीनियर वाइस प्रैसीडेंट निशी गर्ग और अजय कथूरिया सहित पूरी टीम की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद गायिका आकांक्षा ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मान्यता है कि हर शुभ कार्य प्रभु के नाम से शुरू किया जाए तो वह कार्य सुंदर और सफल माना जाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला थाना प्रभारी ऊषा रानी, उपस्थित रहीं। उन्होंने

महिलाओं के उत्साह और कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को सम्मानित करना था। उन महिलाओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया जो अपने घर से छोटे-छोटे व्यवसाय चलाकर न केवल अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही हैं बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं। सभी चयनित महिलाओं को ट्रॉफी, चुनरी, सर्टिफिकेट और पौधे देकर सम्मानित किया गया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

गोहाना (राजेश आहूजा) विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर केंद्र कार्यालय सहायक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, गोहाना द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निरीक्षक इंचार्ज राजेश सुधा ने की। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हर वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की प्रेरणा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन कैनेडी से मिली थी, जिन्होंने 15 मार्च 1962 को अमेरिकी कांग्रेस

को भेजे गए अपने विशेष संदेश में पहली बार औपचारिक रूप से उपभोक्ता अधिकारों के मुद्दे को उठाया था। इसके बाद वर्ष 1983 में अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता आंदोलन द्वारा इस दिन को औपचारिक रूप से मनाना शुरू किया गया। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता आंदोलन की एकजुटता और उत्सव का प्रतीक है। इस दिन उपभोक्ता अधिकारों के सम्मान और संरक्षण की मांग की जाती है तथा बाजार में होने वाले अनुचित व्यवहार और उपभोक्ताओं के साथ होने वाले अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई जाती है।

वर्ष 2026 की थीम ''सुरक्षित उत्पाद, स्वस्थ उपभोक्ता'' रखी गई है। इस अवसर पर बताया गया कि निर्मित उत्पाद हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा हमेशा सुनिश्चित नहीं होती। उत्पादों के डिजाइन, निर्माण, विपणन और बिक्री के हर चरण में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित और उपयोग के योग्य हों। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि बच्चों के खिलौनों, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दवाइयों तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित कई उत्पाद उपभोक्ताओं तक पहुंचते हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते विस्तार के कारण असुरक्षित उत्पादों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

अम्बेडकर संघर्ष समिति डॉ मनजीत सिंह दहिया को समर्पित स्मारिका का करेगी प्रकाशन

रोहतक, (तारीफ शर्मा)। हरियाणा अम्बेडकर संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष एवं युग पुरूष समाजसेवी डॉ मनजीत सिंह दहिया को समर्पित स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए स्मारिका के सम्पादक प्रोफेसर (डॉ) मूलचन्द विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चुरू राजस्थान ने बताया कि हरियाणा अम्बेडकर संघर्ष समिति रजि. द्वारा एक ऐसी महान विभूति पर समारिका का प्रकाशन किया जा रहा है जिनका सम्पूर्ण जीवन तपस्या, त्याग एवं समर्पण की अद्वितीय गाथा है। प्रोफेसर (डॉ) मूलचन्द ने बताया कि समिति के प्रदेशाध्यक्ष, समाज गुरू डॉ मनजीत सिंह दहिया लाखन माजरा का जीवन मानवता की सेवा में समर्पित एक ऐसा दीपक है जो सदैव समाज के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति का पद प्रशस्त करता रहा है। वे गत 35 वर्षो से अधिक समय से सामाजिक समरसता, राजनीतिक चेतना, धार्मिक एकता एवं शैक्षिक उत्थान के क्षेत्र में तन-मन-धन से समर्पित हैं। उनके जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने अभी भी पद और प्रतिष्ठा को अपना लक्ष्य नहीं बनाया अपितु सदैव समाज के अन्ति पंक्ति में खड़े निर्धन, असहाय, शोषित एवं वंचित व्यक्ति की सेवा को ही अपना परम धर्म समझा।

वीर अर्जुन

अर्जुनस्य प्रतिज्ञे द्वे, न दैन्यं, न पलायनम् ।

नई दिल्ली, सोमवार, 16 मार्च, 2026

चुनावी बिगुल

केंद्रीय चुनाव आयोग चार राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु तथा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी विधानसभाओं के चुनावों की रविवार को घोषणा कर दी। सभी 5 विधानसभाओं के 824 सीटों पर 9 अप्रैल से 29 अप्रैल तक मतदान होगा और सभी के परिणाम 4 मई को घोषित होंगे। इन विधानसभा चुनावों में असम और पुडुचेरी में भाजपा को अपनी सरकार बचाने की चुनौती है तो तृणमूल कांग्रेस के लिए पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु डीएमके के लिए और केरल वाम मोर्चे के लिए सत्ता कायम रखने की चुनौती है। असम में कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है तो पश्चिम बंगाल में भाजपा से टीएमसी को कड़ी चुनौती मिलनी है। केरल में वाम मोर्चा एलडीएफ लगातार दस वर्षों से शासन में है जबकि इस राज्य की परम्परा रही है कि एक बार एलडीएफ तो दूसरी बार कांग्रेस और मुस्लिम लीग के गठबंधन वाली यूडीएफ सत्ता में आती थी लेकिन 2021 में यह परम्परा टूटी और एलडीएफ दोबारा चुनाव जीत गई। 2026 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ के लिए केरल विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद की जा सकती है किन्तु इसके लिए आवश्यक है कि कांग्रेस अपने परंपरागत वोटरों का विश्वास हासिल कर ले। कांग्रेस के परंपरागत वोटर ईसाई और मुस्लिम के बीच अब वह एकात्मकता नहीं रही जो पार्टी को जीतने के लिए जरूरी होती है। जिस राज्य में विधानसभा और लोकसभा के टिकट मस्जिदों और चर्चों में सुनिश्चित किए जाते हों, उन राज्यों में मजहबी संवेदनशीलता के आधार पर ही टिकट भी बंटते हैं। जो ईसाई कांग्रेस को ही वोट देते अब वे विवश होकर वाम मोर्चा यानि एलडीएफ और भाजपा को वोट देने लगे हैं। भाजपा के राज्य इकाई के पदाधिकारियों की ज्यादा संख्या ईसाई समुदाय की है। इसका स्पष्ट कारण है कि राज्य में ईसाई समाज मुस्लिम लीग की आक्रामकता से भयभीत है।

रही बात तमिलनाडु की तो इस राज्य में भाजपा और कांग्रेस को उत्तर भारत की हिन्दी भाषी पार्टी माना जाता है और द्रविण पार्टियां भले ही इनसे समझौते कर लेती हैं किन्तु वे कदापि नहीं चाहतीं कि ये दोनों अपना जनाधार बढ़ा लें। ये दोनों द्रविण पार्टियां भाजपा और कांग्रेस पार्टियों से अलग समझौते अवसर के अनुमान के आधार पर करती हैं। इसलिए कभी कांग्रेस एआईडीएमके से गठबंधन करती थी किन्तु अब डीएमके से करती है और भाजपा डीएमके से समझौता करती थी किन्तु अब एआईडीएमके के साथ गठबंधन में हैं। इस राज्य में गठबंधन करने में कोई पार्टी किसी को अछूत नहीं मानती। द्रविण पार्टियों का हिन्दी के विरोध में एक जैसा ही दृष्टिकोण क्योंकि ये दोनों तमिल भाषा और तमिल संस्कृति के लिए हिन्दी को घातक मानती हैं। इस राज्य में डीएमके और एआईडीएमके में से जो भी जनता का भरोसा हासिल करेगा वही जीत पाएगा। रही बात पुडुचेरी की तो इस केंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल की शक्तियां अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की अपेक्षा कम जरूर हैं इसलिए विधानसभा चुनाव का महत्वपूर्ण राज्य के विधानसभा जैसा ही है। पुडुचेरी में कांग्रेस फिर भाजपा गठबंधन को चुनौती देगी। इसलिए यह सुनिश्चित कर पाना मुश्किल है कि चुनाव में कौन जीतेगा लेकिन इतना तो तय है कि पुडुचेरी भी देश के अन्य विधानसभा के वोटरों से भिन्न नहीं हैं। इसलिए सत्ता से बाहर होना या सत्ता को कायम रख पाना भाजपा और कांग्रेस के लिए एक जैसी ही चुनौती है।

असल में असम और पश्चिम बंगाल में भी चुनाव कम दिलचस्पी नहीं हैं किन्तु दोनों ही राज्यों में सत्ताधारी पार्टियां अपनी विरोधी पार्टियों से ज्यादा सक्रिय और सुगठित होने के कारण सत्ता परिवर्तन के कारकों को प्रभावहीन साबित कर रहे हैं। इसलिए माना जाता है कि इन दोनों राज्यों में सीटों की संख्या में तो बदलाव संभव है किन्तु सत्ता में बदलाव की आशंका तो कम ही है।

बहरहाल आज का वोटर पोंगापंथी नहीं है। वह जाति, धर्म, भाषा के आधार पर वोट करने से बचता दिख रहा है। राजनीतिक पार्टियां अपनी तरफ से कोशिश तो बहुत कर रही हैं किन्तु युवा वोटरों में अब पहले जैसी रूढ़िवादी प्रवृत्ति नहीं है। यही लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है किन्तु जिन पार्टियों ने इन संकीर्ण प्रवृत्तियों का फायदा उठाकर बार-बार सत्ता हासिल किया है वे इन जकड़नों को जिन्दा रखने की कोशिश करेंगी। किन्तु अभी तो सभी पार्टियां चुनावी उत्सव में व्यस्त हो जाएंगी और मतदाता अपनी पसंद की सरकारों का चुनाव करने में रुचि दिखाएंगी।

newsdesk@virarjun.com

सुख पर नई सोच : ऊर्जा-संपन्न होना क्यों जरूरी है

डॉ. राजेश के. पिलानिया

सुख वही है, जिसकी चाह हममें से अधिकांश लोग रखते हैं। फिर भी हममें से बहुत-से लोग सुख के बारे में अपनी गलत धारणाओं और उसके विभिन्न पक्षों को ठीक से न समझ पाने के कारण असुखी रहते हैं। उदाहरण के लिए, ऊर्जा की कमी भी असुख का एक कारण हो सकती है, लेकिन हम अक्सर इस बारे में सोचते तक नहीं। सुख के लिए ऊर्जा-सम्पन्न होना कोई व्यक्ति ऊर्जा-सम्पन्न है या ऊर्जा-विहीन, अर्थात उसके पास जीवन जीने और उसका आनंद लेने के लिए पर्याप्त ऊर्जा है या नहीं, यह बात सुख और असुख-दोनों का कारण बन सकती । ऊर्जा-सम्पन्नता सुख को बढ़ाती है, जब महत्वपूर्ण है, हममें से बहुत-से लोग उसे उतना हत्व नहीं देते। सुख के लिए ऊर्जा-सम्पन्न होना क्यों महत्वपूर्ण है ऊर्जा-सम्पन्न होना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके बिना व्यक्ति कुछ भी नहीं कर सकता। स्वयं को अच्छा महसूस करने और सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा आवश्यक है। ऊर्जा की कमी से थकान, जड़ता और कुछ नकारात्मक भावनाओं तथा विचारों का वर्चस्व बढ़ जाता है, हालांकि होध जैसे कुछ नकारात्मक विचार ऊर्जा-सम्पन्न अवस्था में भी बने रह सकते हैं। एक सरल अभ्यास आइए, एक सरल अभ्यास करें। उन लोगों को देखिए जो निढाल महसूस करते हैं, आत्म-संदेह में रहते हैं, अपराध-बोध से घिरे रहते हैं, पछतावा करते हैं, तनाव में रहते हैं या लगातार चिंता करते हैं। अक्सर ऐसा लगता है कि यह स्थिति ऊर्जा की कमी से जुड़ी हुई है। अब उन लोगों के चेहरे देखिए जो उत्सव मना रहे होते हैं या सकारात्मक भावनाओं का अनुभव कर रहे होते हैं; उनके भीतर प्राय: ऊर्जा की अच्छी मात्रा महसूस होती है। यह सरल अवलोकन बताता है कि जीवन का आनंद लेने, उत्सव मनाने और सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करने के लिए ऊर्जा बहुत महत्वपूर्ण है। ऊर्जा की कमी जीवन में थकान, नीरसता, रुचि-क्षय, चिंता, तनाव और अनेक अन्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। ऊर्जा-सम्पन्न कैसे बनें ऊर्जा इतनी महत्वपूर्ण है कि उसका सही ढंग से प्रबंधन होना चाहिए। ऊर्जा-विहीन अवस्था से ऊर्जा-सम्पन्न अवस्था तक पहुँचने के लिए दो मुख्य पक्षों पर ध्यान देना वश्यक है। पहला है ऊर्जा का संरक्षण और दूसरा है ऊर्जा का सृजन। शुरुआत इस बात का आकलन करने से होनी चाहिए कि हमारे पास कितनी ऊर्जा है, वह कहाँ खर्च होती है और उसका निर्माण कैसे होता है। जब यह स्पष्ट हो जाए कि ऊर्जा कहाँ खर्च हो रही है, तब यह समझना चाहिए कि उसका उपयोग कहाँ सार्थक है और कहाँ वह व्यर्थ जा रही है। **ऊर्जा का संरक्षण :** ऊर्जा की बर्बादी का अर्थ है ऐसी चीज़ों पर ऊर्जा खर्च करना जो हमारे व्यक्तिगत, व्यावसायिक या सामाजिक जीवन में कोई मूल्य नहीं जोड़तीं और अक्सर नकारात्मक प्रभाव छोड़ती हैं। उदाहरण के तौर पर, पीठ पीछे बुराई करना, निरर्थक चुगली में पड़ना या अनावश्यक बहसों में उलझना। ऊर्जा की बर्बादी का एक और बड़ा कारण है ज़रूरत से ज़्यादा सोचना। मन ऊर्जा का एक बड़ा उपभोक्ता है और यह हमारी कुल ऊर्जा-खपत का लगभग पच्चीस प्रतिशत तक ले लेता है। भविष्य की लगातार चिंता करना, अत्यधिक नकारात्मक सोचना, और क्रोध, अपराध-बोध, चिंता तथा उदासी को पकड़े रहना हमारी बहुत-सी ऊर्जा सोख लेता है। इसलिए यह ज़रूरी है कि उन गतिविधियों में ऊर्जा की बर्बादी कम की जाए जो हमारे सुख में कोई वृद्धि नहीं करतीं या वास्तव में आवश्यक नहीं हैं। हमें अपनी ऊर्जा को उन नकारात्मक या विषैले लोगों से भी बचाना चाहिए जो हमारे जीवन या सुख में कोई मूल्य जोड़े बिना हमारी ऊर्जा को चूस लेते हैं। अंत में, उन चीज़ों के लिए 'न' कहना सीखना भी बहुत आवश्यक है जिनका वास्तव में कोई महत्व नहीं है। 'न' कहने की आदत विकसित करना इसलिए ज़रूरी है ताकि हम अपनी ऊर्जा उन बातों पर बचा सकें जो सचमुच महत्वपूर्ण नहीं हैं और जीवन की उन बातों पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं-अर्थात स्वास्थ्य, संबंध और अच्छा काम। ऊर्जा-सम्पन्न बनने का दूसरा पक्ष है अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करना। यह काम पौष्टिक भोजन लेने, नियमित व्यायाम करने, अच्छी नींद लेने, ध्यान और श्वास-प्रश्वास की विधियों का अभ्यास करने, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने से किया जा सकता है। सकारात्मक भावनाओं और सकारात्मक दृष्टि का पोषण करके हम जीवन के लिए आवश्यक ऊर्जा का बड़ा भंडार तैयार कर सकते हैं। जो ऊर्जा हमारे पास पहले से है, उसके संरक्षण पर ध्यान देकर और नई ऊर्जा का नियमित स्रोत बनाकर हम ऊर्जा-सम्पन्न बन सकते हैं। इस ऊर्जा के साथ हम जीवन के सकारात्मक पक्षों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं और एक बेहतर, अधिक सुखी तथा अधिक परिपूर्ण जीवन जी सकते हैं।

(लेखक मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, गुरुग्राम में प्रोफेसर हैं। वे भारत के हैप्पीनेस प्रोफेसर और भारत के हैप्पीनेस गुरु के रूप में प्रसिद्ध हैं।)

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की कूटनीतिक बढ़त

डॉ. विपिन कुमार

भविष्य में भी भारत को इसी संतुलन और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ना होगा। वैश्विक राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच यदि भारत अपनी कूटनीतिक सक्रियता और आर्थिक मजबूती को बनाए रखता है, तो वह न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगा बल्कि विश्व मंच पर अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बना सकेगा।

वैश्विक राजनीति के मौजूदा दौर में ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन किसी भी देश की ताकत को परिभाषित करते हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और ईरान से जुड़े घटनाक्रमों के बीच दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएँ बढ़ी हैं। कई देशों में ऊर्जा संकट की आशंका व्यक्त की जा रही है, वहीं भारत के संदर्भ में भी विपक्ष की ओर से पेट्रोल और गैस की कमी को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जा रही हैं। लेकिन वास्तविक स्थिति इससे अलग दिखाई देती है। भारत ने कूटनीतिक स्तर पर जो संतुलन और सक्रियता दिखाई है, उसने ऊर्जा आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकार का कहना है कि भारत में पेट्रोल और गैस की आपूर्ति सामान्य है और आयात में किसी प्रकार की कमी नहीं आई है। युद्ध से पहले जिस प्रकार से तेल और गैस का आयात हो रहा था, लगभग उसी स्तर पर आज भी जारी है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारत ने समय रहते ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संबंध स्थापित किए। यही वजह है कि वैश्विक संकट के दौर में भी भारत की ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कूटनीतिक दक्षता का भी परिणाम होती है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम एशिया, यूरोप, अमेरिका और एशिया-प्रशांत के देशों के साथ अपने संबंधों को नई दिशा दी है। यही संतुलित कूटनीति आज उस समय काम आ रही है जब वैश्विक राजनीति में अनिश्चितता बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा है कि उसने किसी एक ध्रुव पर निर्भर रहने के बजाय बहुध्रुवीय संबंधों को मजबूत किया। यही कारण है कि भारत एक साथ अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और एशियाई देशों के साथ सहयोग बनाए रखने में सफल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति से लेकर व्यापार और निवेश तक, कई क्षेत्रों में यह संतुलित दृष्टिकोण भारत के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है।

इस संदर्भ में होरमुज़ जलडमरूमध्य का उल्लेख भी महत्वपूर्ण है। यह वह समुद्री मार्ग है जिसके जरिए दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस का परिवहन करता है। क्षेत्रीय तनाव के बावजूद भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति के जहाजों की आवाजाही जारी रहना यह दर्शाता है कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा भरोसेमंद वातावरण तैयार किया है जिसमें उसके हितों का सम्मान किया जाता है।

भारत की विदेश नीति की सफलता का एक और संकेत यह है कि पिछले कुछ महीनों में दुनिया के कई बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष नेता भारत का दौरा कर चुके हैं। यह केवल औपचारिक यात्राएँ नहीं हैं, बल्कि इन दौरों के साथ व्यापार, निवेश, तकनीक और रणनीतिक सहयोग से जुड़े महत्वपूर्ण समझौते भी सामने आए हैं। कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट या व्यापारिक सहयोग के नए रास्ते खुल रहे हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की संभावना है।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका का संकेत यह भी है कि दुनिया के बड़े नेता भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिका से लेकर यूरोप और एशिया तक, कई देशों के साथ भारत की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत को अब एक ऐसे देश के रूप में देखा जा रहा है जो न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालाँकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना और संभावित खतरों की ओर ध्यान दिलाना विपक्ष का अधिकार है। लेकिन ऊर्जा संकट जैसे संवेदनशील मुद्दों पर तथ्यों और वास्तविक स्थिति को समझना भी उतना ही जरूरी है। यदि देश में तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य है और सरकार यह स्पष्ट कर रही है कि आयात में कोई बाधा नहीं है, तो इस स्थिति को संतुलित दृष्टि से देखने की आवश्यकता है।

ऊर्जा सुरक्षा का सवाल केवल वर्तमान से नहीं बल्कि भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केवल आयात पर निर्भर रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। सरकार ने इस दिशा में नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की पहल भी की है। यदि यह प्रयास सफल होते हैं तो आने वाले वर्षों में भारत ऊर्जा के क्षेत्र में और अधिक आत्मनिर्भर बन सकता है।

विदेश नीति के स्तर पर भी भारत की प्राथमिकता स्पष्ट दिखाई देती है। भारत एक ऐसे वैश्विक वातावरण का समर्थन करता है जिसमें सहयोग, व्यापार और स्थिरता को बढ़ावा मिले। यही कारण है कि भारत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है और वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में भी उभर रहा है। आज की दुनिया में कूटनीति केवल राजनीतिक संवाद तक सीमित नहीं है। यह व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग तक फैली हुई है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि वैश्विक संकट के दौर में भी भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में दिखाई देता है। आखिरकार यह कहा जा सकता है कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति का असली परीक्षण भी हो रहा है। ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखना, अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संतुलित रखना और वैश्विक मंच पर सक्रिय भूमिका निभाना-ये सभी चुनौतियाँ किसी भी देश के लिए आसान नहीं होतीं। लेकिन अब तक के संकेत बताते हैं कि भारत ने इन चुनौतियों का सामना अपेक्षाकृत मजबूती से किया है।

भविष्य में भी भारत को इसी संतुलन और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ना होगा। वैश्विक राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच यदि भारत अपनी कूटनीतिक सक्रियता और आर्थिक मजबूती को बनाए रखता है, तो वह न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगा बल्कि विश्व मंच पर अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बना सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

षड्यंत्र की विभीषिका तले अनियंत्रित होते हालात

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

अवहेलना की कोई भी मानसिकता विस्फोट के लिए उत्तरदायी हो सकती है। कथित बुद्धिजीवियों की जमातें निहित स्वार्थ के लिए अपनी ही डाल को काटने में जुटी हैं। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि दुनिया के हालातों के साथ-साथ देश की आन्तरिक स्थित भी डीप स्टेट के घातक षड्यंत्र की भेंट चढ़ चुकी है।

संसार में तीसरे विश्वयुद्ध की दस्तक तेज होती जा रही है। जीवन पर संकट के बाद मडरा रहे हैं। अहंकार, स्वार्थ और वर्चस्व की जंग में षडयंत्रकारियों की फौजें कभी साम्प्रदायिक तानाबाना बुनकर समाज को उलझाती है तो कभी जुल्म की दस्तान लिखकर उसे जायज ठहराने का काम करतीं है। कभी जन्म के आधार पर संगठनात्मक ढांचा तैयार करके व्यक्तिगत लाभ के अवसर तलाशतीं हैं तो कभी सत्ता के सिंहासन के लिए रक्त बहाने का आधार तैयार करतीं हैं। ऐसे में संसार के लिए सबसे ज्यादा घातक अमेरिका के नेतृत्व में संचालित डीप स्टेट है जो डालर जैसा अधिपत्य स्थापित करने की दिशा में निरंतर आगे बढ रहा है। भारत में भी डीप स्टेट की जडें बहुत गहराई तक पहुंच चुकीं हैं। व्यवस्था के लगभग सभी स्तम्भों पर उसकी पकड मजबूत हो चुकी है। कार्यपालिका से जुडे डीप स्टेट के लोगों के द्वारा देश को पतन के गर्त में पहुंचाने वाली योजनायें निरंतर तैयार की रहीं है। उन्हें एन-केन-प्रकारेण देश पर थोपा जा रहा है। देश की प्रतिभाओं को कुण्ठित करने, अयोग्यों के हाथों में दायित्व सौंपने तथा राष्ट्रभक्ति में डूबे लोगों का शोषण करने की गति अब तीव्रगामी हो गई है। धर्म के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, जाति के नाम पर, व्यवसाय के नाम पर, जीवन पद्धति के नाम पर निरंतर बटवारे किये जाते रहे और विष वृक्ष की रोपित पौध को वट वृक्ष की तरह विशालतम स्वरूप दिया जा रहा है। पहले मुगलों ने फिर गोरों ने देशवासियों का खून पिया और अब स्वदेशी का जामा पहने विलायती संस्कारों में रचे-बसे लोग अपनी सशक्त अभिनय क्षमता से देश को किस्तों में गुलामी की ओर बढा रहे हैं। आन्तरिक अशान्ति की पटकथा लिखी जा चुकी है जिसका चरणबद्ध मंचन भी शुरू हो चुका है। लम्बी अवधि तक गुलामी का दंश भोगने वाले देश में अब भी जाति विशेष को शोषक और शोषित के रूप में परिभाषित किया जा रहा है। प्रतिभाशाली लोगों को जाति के आधार पर देव पुरुष के रूप में पूजित किया जा रहा है। उनके आदर्श, सिद्धान्त और शिक्षायें को हाशिये पर भेजकर पूजा करने वाले केवल और केवल विभाजन की रेखायें खींचने में लगे हैं ताकि श्रमविहीन अर्थ का संचय किया जा सके। सम्प्रदाय-जाति-क्षेत्र-भाषा आदि के आधार पर बटवारे, अयोग्य लोगों की पदस्थापना, प्रतिभाओं का पलायन, विभाजनकारी कारकों का प्रचार जैसे अनेक बिन्दु आज भारत में चरम सीमा पर पहुंचते जा रहे हैं। कभी आरक्षण, कभी पदोन्नति में प्राथमिकता, कभी जातिगत कानून, कभी धर्मगत व्यवस्था को संविधान का अंग बनाकर विश्वगुरु की सामर्थ वाले देश को पतन के गर्त में डुबोया जाता रहा। प्रतिभाविहीन के हाथों में बागडोर सौंपने से सफलता का प्रतिशत भी निम्नस्तर को स्पर्श करने लगता है। कानून के माध्यम से सामर्थवान वर्ग केहाथ बांधकर कोडे लगाने के योजनायें बनायीं जा रहीं हैं। इसी कडी में यूजीसी का नया राक्षस पैदा कर दिया गया। लगभग सभी शिक्षण संस्थानों में रैगिंग नियंत्रण समितियां जब निष्पक्षता के साथ कार्य कर रहीं थीं फिर अनावश्यक रूप से इस नये कानून की थोपने की मंशा अभी तक देश की समझ से बाहर है। अलग से थाने, अलग से कानून और अलग से व्यवस्था की जब पहले ही बना दी गई थी तब पुन: नई वैमनुष्यताकारी व्यवस्था थोपना कहां तक उचित है। अब तो निजी संस्थानों में भी आरक्षण लागू कराने हेतु बिल लाने की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकीं है ताकि कार्यपालिका में अयोग्य लोगों की भर्ती के बाद देश के निजी क्षेत्रों की क्षमताओं पर भी ग्रहण लाया जा सके। इस तरह के प्रयास वोटबैंक बढाने, सिंहासन पर काबिज रहने और निजी लाभ कमाने के लिए विदेशी इशारे पर सत्ता के गलियारे से हमेशा से ही होते रहे हैं। वर्तमान सरकार भी इसका अपवाद नहीं है। यूजीसी जैसे सांप-छछूंदर वाले खूनी कानून को लागू कराने के पीछे भी सत्ता के गलियारे में मौजूद भितरघातियों की भूमिका के इंकार नहीं किया जा सकता। मीरजाफरों की जमातें कार्यपालिका से लेकर विधायिका तक के अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे लोगों का धर्म केवल और केवल विलासता हेतु धन संचय, सम्मान संचय, बल संचय और प्रभाव संचय तक ही सीमित है। जहां संसार में विघटनकारी ताकतों के अहंकार से उपजा खूनी टकराव निरंतर चरमसीमा पर पहुंचता जा रहा है, आम आवाम की सांसें टूट रहीं है, विकास पथ पर कटीले तार बिछाये जा रहे हैं, क्रियाओं-प्रतिक्रियाओं का कष्टप्रद आदान-प्रदान हो रहा है, संबंधों की दुहाई पर विफोटकों को आमंत्रण दिया जा रहा है तो वहीं देश में मनमानियों के दु:खद परिणामों पर सरकारी दायित्वों के नारे बुलंद हो रहे हैं, अधिकारों की गुंज संचार माध्यमों पर प्रसारित की जा रही है, असामाजिक तत्वों के गिरोहों का गैंगवार हो रहा है, श्रद्धा को अन्धविश्वास बनाकर परोसा जा रहा है, धार्मिक ग्रन्थों की षडयंत्र भरी विवेचनायें की जा रहीं हैं, धार्मिक-जातिगत उन्माद फैलाया जा रहा है। इन सब के पीछे डीप स्टेट का षडयंत्र और धनबल, लालचियों की स्वार्थपरिता और भीडबल, सत्तालोलुपों का अहंकार और सत्ताबल, व्यवस्था से जुडे लोगों की विलासता और अधिकारबल जैसे कारक हमेशा से ही राष्ट्रहितों पर जलकुम्भी बनकर छाये रहे हैं जो अब नियंत्रणविहीन विस्तारित होकर बेहद घातक हो चुके हैं। सिंहासन के नीचे पूरी तरह से बारूद बिछाई जा चुकी है। अवहेलना की कोई भी मानसिकता विस्फोट के लिए उत्तरदायी हो सकती है। कथित बुद्धिजीवियों की जमातें निहित स्वार्थ के लिए अपनी ही डाल को काटने में जुटी है। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि दुनिया के हालातों के साथ-साथ देश की आन्तरिक स्थित भी डीप स्टेट के घातक षडयंत्र की भेंट चढ चुकी है। षडयंत्र की विभीषिका तले अनियंत्रित होते हालातों का स्थाई समाधान ढूंढने हेतु अब आम आवाम को ही आगे आना पडेगा तभी विचारों की क्रान्ति से शान्ति का आह्वान किया जा सकेगा।

चिट्ठी आई है

दूध में मिलावट का जहर और ईमानदार किसानों की विश्वसनीयता पर संकट

भारत में दूध केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं है बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और स्वास्थ्य का आधार माना जाता है। बच्चों की पहली खुराक से लेकर बुजुर्गों के पोषण तक दूध को पूर्ण आहार का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि भारतीय समाज में दूध को अमृत की संज्ञा दी जाती है। लेकिन आज यही अमृत मिलावटखोरों की लालच भरी मानसिकता के कारण संदेह और भय का विषय बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में सामने आई घटनाओं और जांच रिपोर्टों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दूध में मिलावट का जाल देश के कई हिस्सों में फैल चुका है और इसका खामियाजा आम उपभोक्ता के साथ साथ ईमानदार किसानों को भी भुगतना पड़ रहा है। हाल ही में आंध्रप्रदेश के गोदावरी जिले में दूध पीने के बाद कई लोगों की मौत की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि उस गहरी समस्या का संकेत है जो वर्षों से धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। दूध में मिलावट करने वाले लोग केवल पानी मिलाकर लाभ कमाने तक सीमित नहीं रहे बल्कि अब यूरिया, डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा, हाइड्रोजन पेरोक्साइड और फॉर्मेलिन जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग भी करने लगे हैं। ये रसायन दूध को गाढ़ा और सफेद दिखाने के लिए डाले जाते हैं ताकि उपभोक्ता को असली दूध का भ्रम हो। लेकिन वास्तव में यह दूध नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिए खतरनाक रसायनों का मिश्रण बन जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार देश में दूध के कई नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतर पाए। विशेष रूप से उत्तर भारत के कई राज्यों में बड़ी संख्या में दूध के नमूने असुरक्षित पाए गए। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और यहां करोड़ों परिवारों की आजीविका इस पर निर्भर है। ऐसे में मिलावटखोरों की करतूतों ने न केवल लोगों की सेहत को खतरे में डाला है बल्कि ईमानदारी से दूध उत्पादन करने वाले किसानों की साख को भी नुकसान पहुंचाया है। यह समझना बहुत जरूरी है कि दूध में मिलावट करने वाले और दूध उत्पादन करने वाले किसान दो अलग अलग वर्ग हैं। किसान अपनी मेहनत और पशुपालन के माध्यम से दूध का उत्पादन करते हैं। वे अपने पशुओं की देखभाल करते हैं, चारा खिलाते हैं, दवाइयों का खर्च उठाते हैं और दिन रात मेहनत करके दूध बाजार तक पहुंचाते हैं। इसके विपरीत मिलावटखोर वे लोग हैं जो इस मेहनत से पैदा हुए दूध में रसायन मिलाकर अधिक मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं। इन लोगों का किसानों की मेहनत या उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से कोई लेना देना नहीं होता। उनका एकमात्र उद्देश्य जल्दी से जल्दी अधिक पैसा कमाना होता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि जब भी दूध में मिलावट की खबर सामने आती है तो आम लोगों के मन में सबसे पहले संदेह दूध उत्पादकों और छोटे विक्रेताओं पर जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि अधिकतर किसान ईमानदारी से दूध का उत्पादन करते हैं और उनकी आय पूरी तरह इसी पर निर्भर होती है। देश में लगभग आठ से नौ करोड़ किसान किसी न किसी रूप में डेयरी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। यदि दूध की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं तो इसका सबसे बड़ा नुकसान इन्हीं किसानों को होता है क्योंकि उपभोक्ताओं का भरोसा कमजोर हो जाता है। दूध में मिलावट के पीछे सबसे बड़ी वजह लालच और तेजी से धन कमाने की प्रवृत्ति है। पहले के समय में भी मिलावट के कुछ मामले सामने आते थे लेकिन उस दौर में समाज में ईमानदारी और संतोष की भावना अधिक थी। लोग जितना मिलता था उसी में संतुष्ट रहते थे और व्यवसाय में नैतिकता को महत्व देते थे। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। आधुनिक उपभोक्तावाद और त्वरित सफलता की चाहत ने कई लोगों को गलत रास्तों की ओर धकेल दिया है। रातों रात अमीर बनने की मानसिकता ने कई लोगों को यह भूलने पर मजबूर कर दिया है कि उनके इस लालच की कीमत किसी की सेहत या जीवन से चुकाई जा सकती है। सरकार ने दूध में मिलावट रोकने के लिए कई कानूनी प्रावधान बनाए हैं। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलावटी दूध बनाने और बेचने वालों के लिए जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है। यदि मिलावटी दूध से किसी की मृत्यु हो जाए तो आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है। इसके बावजूद यह समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो पाई है। इसका कारण यह है कि कानून का कठोर और निरंतर पालन उतनी प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा जितना होना चाहिए। दूध विक्रेताओं के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने जैसे कदम भी उठाए गए हैं लेकिन इस व्यवस्था के व्यावहारिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है। भारत में दूध का एक बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से आता है जहां छोटे किसान और स्थानीय विक्रेता प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यदि लाइसेंस प्रक्रिया अत्यधिक जटिल हो जाती है तो छोटे किसान इससे दूर हो सकते हैं और बाजार धीरे धीरे बड़ी कंपनियों के हाथों में सिमट सकता है। इसलिए जरूरी है कि सरकार ऐसी नीति बनाए जो एक ओर मिलावटखोरों पर सख्ती करे और दूसरी ओर ईमानदार किसानों को संरक्षण दे। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है मजबूत निगरानी प्रणाली की।

—कांतिलाल मांडोत,
सूरत, गुजरात।

राहुल ने पीएम को पत्र लिखकर कांशीराम को भारत रत्न की मांग की

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि इससे उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान होगा, जो कांशीराम को सशक्तीकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं। राहुल ने मोदी को लिखे पत्र में कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति का स्वरूप बदल दिया और अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों व गरीबों में राजनीतिक जागरूकता पैदा की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पत्र में कहा, "आज (रविवार को) जब हम कांशीराम जी की जयंती मना रहे हैं और उनकी विरासत व योगदान पर विचार कर रहे हैं, तो मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा, "कांशीराम जी ने भारतीय राजनीति का स्वरूप बदल दिया। अपने

कांग्रेस नेता राहुल गांधी

आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने बहुजनों और गरीबों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि उनका मत, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और यह देश सभी का समान रूप से है। राहुल ने कहा कि कांशीराम के प्रयासों के कारण, कई ऐसे लोग जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में सोचा भी नहीं था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता प्राप्त करने के साधन के रूप में देखना शुरू कर दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, "हमारा संविधान प्रत्येक भारतीय के लिए समानता, गरिमा और भागीदारी का वादा करता है। कांशीराम जी ने अपना जीवन समाज के सबसे निचले तबके के लोगों के लिए इन वादों को सार्थक बनाने के लिए समर्पित कर दिया। ऐसा करके उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया और हमारी राजनीतिक व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिमूलक और न्यायपूर्ण बनाया। उन्होंने कहा, "कई साल से दलित बुद्धिजीवी, नेता और कार्यकर्ता कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करते आ रहे हैं। उनकी यह मांग निरंतर और गहरी भावना से भरी रही है। हाल ही में, मैंने लखनऊ में उपस्थित नेताओं और प्रतिभागियों ने इस मांग को दृढ़ता से दोहराया, जो एक व्यापक भावना को दर्शाता है। राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करना देश के प्रति उनके अपार योगदान को मान्यता देगा। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, "यह उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान करेगा, जो उन्हें सशक्तीकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस अनुरोध पर गंभीरता से विचार करेगी। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पत्र साझा करते हुए कहा, "मैं भारत सरकार से सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करता हूं।

उन्होंने कहा, यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान कांशीराम जी के साथ उस पूरे आंदोलन को श्रद्धांजलि होगी, जिसने करोड़ों बहुजनों को हक, हिस्सेदारी और आत्मसम्मान की राह दिखाई। इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखा मेरा पत्र। इससे पहले, कांग्रेस ने कांशीराम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की राहुल ने कहा, "बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने यूएई के तीन शहरों के लिए उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली, (भाषा)। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हवाई अड्डा प्राधिकारियों के निर्देशों के बाद रविवार को अबू धाबी, रास अल खैमाह और शारजाह के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें रद्द कर दीं।विमानन कंपनी ने बताया कि वह दिल्ली-दुबई मार्ग पर आने-जाने वाली एक उड़ान संचालित करेगी, जो हवाई अड्डे पर स्लॉट (उड़ान का समय) की उपलब्धता और मौजूदा परिस्थितियों पर निर्भर होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे यूएई हवाईअड्डा प्राधिकारियों के निर्देशों के बाद रविवार को उक्त शहरों के लिए अपनी गैर निर्धारित उड़ानों की भी संख्या कम करनी पड़ी है।एअर इंडिया एक्सप्रेस के बयान में कहा गया कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष की वजह से हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण पश्चिम एशिया के लिए सेवाओं में कटौती की गई है। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार को घोषणा की थी कि रविवार को पश्चिम एशिया से आने-जाने वाली 72 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित की जाएंगी।

एमसीसी-मोदी की चुनाव प्रचार संहिता कांग्रेस का निर्वाचन आयोग पर तंज

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने से पहले कांग्रेस ने रविवार को तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) 2014 से मोदी की चुनाव प्रचार संहिता का पर्याय बन गई है और यह संहिता मानहानि, गाली-गलौज, धमकी, भय फैलाने और झूठ का वायरस फैलाने से भरी होगी।विपक्षी दल ने यह भी दावा किया कि जी। ने उद्घाटन, फीता काटने एवं हरी झंडी दिखाने के दौर को पूरा कर लिया होगा इसलिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा को जी2 ने हरी झंडी दे दी होगी। कांग्रेस अक्सर जी2 शब्द का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधने के लिए करती है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों गुजरात से हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निर्वाचन आयोग आज शाम चार बजे 2026 विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करेगा। जी। उद्घाटन, फीता काटने, हरी झंडी दिखाने और योजनाओं की शुरुआत करने के दौर को पूरा कर चुका होगा इसलिए जी2 ने इसे हरी झंडी दे दी होगी। रमेश ने कहा, निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) जल्द लागू होने वाली है।

सर्वस्व कैपिटल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: 27/1 ए, पहली मंजिल, जेल रोड, अशोक नगर (डबल स्टोरी) नई दिल्ली-110018

सोने के आभूषणों की नीलामी सूचना

सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लेखित कार्यालय और जैन रोड-मोहन गार्डन ब्रांच नई दिल्ली और ख्याला-विष्णु गार्डन नई दिल्ली के साथ निम्नलिखित स्वर्ण ऋण खातों में गिरवी रखे गए सोने के आभूषण, जो मोचन के लिए अतिदेय हैं और जिन्हें बार-बार नोटिस के बावजूद अब तक भुनाया/नियमित नहीं किया गया है, इनको कार्यालय/शाखा में 31.03.2026 को दोपहर 01.00 बजे नीलामी/बिक्री के लिए रखा जाएगा। जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

स्थान: सर्वस्व कैपिटल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड 27/1 ए, प्रथम मंजिल, जेल रोड, अशोक नगर (डबल स्टोरी), नई दिल्ली 110018

नाम	खाता संख्या
01.श्री गुलाब चंद्र निषाद	SCFLG0054961
02.श्री एसरार	SCFLG0055008
03.सुश्री आशा	SCFLG0056752
04.श्री रवि कुमार झा (खा)	SCFLG0057009
05.श्री समीर अहमद अंसारी	SCFLG0057386
06.सुश्री रीना	SCFLG0057445
07.सुश्री आरती झा	SCFLG0058308
08.श्री मनोज कुमार	SCFLG0045084
09.श्री. धीरेंद्र मोहन पांडे	SCFLG0025455
10.श्री. पवन	SCFLG0025931
11.श्री. अनिकेत सिंह रावत	SCFLG0028158

नियम/शर्तें: बोलीदाताओं को वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड/जीएसटीएन लाना होगा। ईएमडी राशि रुपये 50,000-00 नीलामी की तिथि पर जमा करने होंगे।
गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की बिक्री "जैसा है, जहां है और, जैसा है जो है" के आधार पर होगी।
*सर्वस्व कैपिटल फाइनेंस प्रा. लि. के पास नीलामी बिक्री की प्रक्रिया के दौरान किसी भी समय बोलीदाताओं को कोई कारण बताए बिना किसी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने और नीलामी को स्थगित/वापस लेने का अधिकार सुरक्षित है।
सार्वजनिक नीलामी बिक्री की अनुपस्थिति/विफलता/रद्दीकरण की स्थिति में उधारकर्ता के कहने पर, गिरवी रखे गए गहनों को निजी बिक्री के माध्यम से बेचने का अधिकार भी सर्वस्व कैपिटल फाइनेंस प्रा. लि. के पास सुरक्षित है।

स्थान: नई दिल्ली — अधिकृत अधिकारी
दिनांक: 16-03-2026 सर्वस्वा कैपिटल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

PUBLIC NOTICE

This notice is hereby issued on behalf of **M/s. The Indian Performing Right Society Limited ("IPRS")** having its registered office at 208, Golden Chambers, New Andheri Link Road, Andheri (W), Mumbai-400053 for the information of the public at large that a Resolution has unanimously been passed in the Board Meeting of the IPRS dated 10th December, 2019 pertaining to the induction of the Legal Heirs of the deceased members as Legal Heir Members (LHM) of the IPRS on the basis of submission of Affidavits and Indemnity Bonds as per the prescribed format duly affirmed by oath officers / Notary Public / concerned Govt. officers along with an undertaking of providing Succession Certificate and / or Legal Heir Certificate issued by the competent court of law or the concerned Govt. authority to the IPRS within a period of four years from the date of their enrolment as legal heir members. In case anyone has any objection, they may email at **admin@iprs.org** or write to us on the above address within 15 days of this notice.

The Indian Performing Right Society Limited (IPRS) has, post the requisite scrutiny of the documents submitted by the members following due process of law, enrolled the following legal heirs of the deceased members as Legal Heir Members till 10th March, 2026.

Sr. No.	IPI No.	Name	Legal Heir Name	AD. Date	Region
1	00395456125	Rakesh Kala	Bhaskar Uday Kala	05/03/26	Delhi

Dated this 16th day of March, 2026.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विजय, पुत्र प्रेम शंकर निवासी ईश्वर कॉलोनी, बवाना, काले का मकान, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 677/15 धारा 33/58 दिल्ली एक्साइज एक्ट, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **विजय** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **विजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 677/15 धारा 33/58 दिल्ली एक्साइज एक्ट, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **25.04.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05 (उत्तर)
कोर्ट कमरा नं.114, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/3240/ON/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुकुल, पुत्रः** भुपेन्द्र, **निवासीः** म.नं. 149ए, दीप एन्क्लेव, विकास नगर, उत्तम नगर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 1086/22 U/s 325/54/59 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकुल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 1086/22 U/s 325/54/59 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुकुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 105, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3331/OD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धनराज, पुत्रः** शिव चरण, **निवासीः** म.नं. डी–1/303, नंद नगरी, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 395/2019 U/s 12/9/55 G. Act, थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धनराज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धनराज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 395/2019 U/s 12/9/55 G. Act, थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **धनराज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
शाहदरा, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3321/NE/2026
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना

M/s MRG Ecoworld LLP ने डायरेक्टोरेट टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, चंडीगढ़, हरियाणा के समक्ष सेक्टर 90, गुरुग्राम में "MRG Primark" नाम से किफायती समूह आवास सोसायटी (Affordable Group Housing Society) के लिए भवन योजना (Building Plan) के संशोधन हेतु आवेदन किया था, जो कि लाइसेंस संख्या 38 of 2021 दिनांक 19.07.2021 के अंतर्गत, गांव बढा, सेक्टर 90, गुरुग्राम की राजस्व सीमा में स्थित भूमि पर किफायती आवास कॉलोनी स्थापित करने के लिए है।

जहां तक कि, DTCP, चंडीगढ़, हरियाणा द्वारा मेमो संख्या ZP-1483/SD(RD)/2026/ 8269 दिनांक 10.03.2026 के माध्यम से संशोधित भवन योजना को सिद्धांततः (in-principal) स्वीकृति प्रदान की गई है तथा भवन योजना में किए गए विचलन/परिवर्तनों के संबंध में सभी वर्तमान आवंटियों (existing allottees) से आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। तदनुसार, इस विज्ञापन के माध्यम से उक्त कॉलोनी की भवन योजना में किए गए विचलन/परिवर्तनों के संबंध में सभी वर्तमान आवंटियों से आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। पूर्व में स्वीकृत भवन योजना तथा संशोधित भवन योजना में किए गए विचलन/परिवर्तनों की प्रति हमारी वेबसाइट **www.mrggroupindia.com** पर उपलब्ध है। उक्त योजनाओं का अवलोकन डेवलपर के कॉर्पोरेट कार्यालय, अर्थात 9th Floor, IREO Grand View Tower, Golf Course Extension Road, Sector 58, Gurugram, Haryana – 122102, STP कार्यालय, गुरुग्राम, तथा डेवलपर के साइट कार्यालय में भी किया जा सकता है। यदि किसी आवंटी को परियोजना की भवन योजना में किए गए विचलन/परिवर्तनों के संबंध में कोई आपत्ति/सुझाव हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर STP कार्यालय, HUDA Complex, Sector 14, Gurugram में अपनी आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत कर सकता/सकती है। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि परियोजना की भवन योजना में किए गए विचलन/परिवर्तनों के संबंध में किसी भी आवंटी को कोई आपत्ति नहीं है।

यह सूचना दिनांक 16 मार्च 2026 को जारी की गई।

हस्ताक्षरित /–
मैसर्स एमआरजी इकोवर्ल्ड एलएलपी
गुरुग्राम

In The Court of Sh. Sukhman Sandhu, ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Room No. 201, Dwarka Courts, New Delhi.
Petition No. Succ. Court/ 22/2026
Pradeep Kalra Vs The State & Ors.

1. Pradeep Kalra S/o Late Gian Prakash Kalra R/o Flat No. 3B, First Floor, Block-C-3A, Janakpuri, Delhi 110058.
....Petitioner

For Succession Certificate Under Indian Successsion Act, 1925.

To,
All concerned,

Whereas in the above noted petition the applicant /petitioner has applied for Succession certificate to the Hon'ble Court Under section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of **Debts & Securities etc.** standing in the name of **Late Gyan Prakash Kalra And Late Mohini Kalra.**

Whereas the **18.05.2026 at 10:00 AM** in the forenoon has been fixed for hearing or the application notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court on **09.03.2026.**

Seal Sd/- ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Dwarka Courts, New Delhi.

In The Court of Ms. Shivali Sharma, District Judge-06, (Central District), Room No.509, Extension Block, Tis Hazari Court, Delhi.
Citation Under Section 276 of The Indian Succession Act, 1925
PC No. 56/2025
Chetan Jain Vs. The State & Ors.

Whereas an application under Section 278 of the Indian Succession Act, 1925 for grant of Administration in respect of the estate of Late Shikha Jain R/o 4663/21, Ansari Road, Darya Ganj, Central Delhi, India-110002. Died on 07.03.2025 at Max Superspeciality Hospital East Block, A Unit of Devki Devi Foundation 2 Phase Enclave Road, Saket South Delhi, India-110017, has been made by Mr. Chetan Jain (Father) S/o Rulia Ram Jain R/o 4663/21, Opposite Fire Station Ansari Road, Darya Ganj, Central Delhi-110002.

Whereas the **27th March, 2026** has been fixed for hearing of the case, notice is hereby given that any person having any interest in the probate/Letter of Administration of the estate of the said deceased if he/she desire to appear in the court of the **27.03.2026** and see the proceeding before the grant of letter of Administration.

Given under my hand and the seal of this Court, this **13th day of March, 2026.**

Seal Sd/- District Judge-06 (Central), Delhi.

In The Court of Sh. Sukhman Sandhu, ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Room No. 201, Dwarka Courts, New Delhi.
Petition No. Succ. Court/ 157/2025
Yatish Paliwal Vs The State & Ors.

1. Yatish Paliwal S/o Late Sh. Ravinder Kumar Paliwal, R/o H.No. 1028, Near Jain Manir, Main Bazar, Najafgarh, New Delhi-110043.
....Petitioner

For Succession Certificate Under Indian Successsion Act, 1925.

To,
All concerned,

Whereas in the above noted petition the applicant /petitioner has applied for Succession certificate to the Hon'ble Court Under section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of **Debts & Securities etc.** standing in the name of **Late Shri Ravinder Kumar Paliwal.**

Whereas the **17.04.2026 at 10:00 AM** in the forenoon has been fixed for hearing or the application notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court on **09.03.2026.**

Seal Sd/- ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Dwarka Courts, New Delhi.

For Publication In The Court of Sh. Anshul Mehta, Administrative Civil Judge-cum-Commercial Civil Judge-cum-Additional Rent Controller, (West) Court Room No. 112, 1st Floor, Tis Hazari Courts, Delhi.
Case No. Succ, Court-20/2026
Title as:-
Pawan Kumar Khanna V/s State (NCT Delhi) & Ors.

For Succession Certificate Under Indian Succession Act,-1925

To,

Pawan Kumar Khanna S/o Late Sh. Prem Prakash Khanna & Smt. Rita Khanna, R/o 1/28, Fourth Floor, Behind Corner Sweets, Ramesh Nagar, New Delhi-110015.

Where in the above noted Petition the applicant/ petitioner has applied for Succession Certificate to the Hon'ble Court Under Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of the debt and Securities Amount Lying in Deferent Banks of to be standing in the name of Late Sh. Prem Prakash Khanna & Smt. Rita Khanna, dece ased.

Whereas at 10 (Ten) O' clock in the forenoon has been fixed for **24th March, 2026** hearing on the application notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court, this **28th day of February, 2026.**

Seal Sd/- Admn. Civil Judge-cum-Addl. Rent Controller, (West), Delhi.

In The Court of Ms. Shivali Sharma, District Judge-06, (Central District), Room No.509, Extension Block, Tis Hazari Court, Delhi.
Citation Under Section 276 of The Indian Succession Act, 1925
PC No. 30/2025
Baliswari Lakra Vs. The State & Ors.

Whereas an application under Section 276 of the Indian Succession Act, 1925 for grant of Administration in respect of the estate of Late Smt. Sabitri Bhagat R/o H. No. 117, Gali No.5, IP Colony Part-1, Burari Delhi-110084, Died on 22.04.2023 At her address has been made by Baliswar Lakra S/o Sh. Mahavir Lakra R/o H. No.117, Gali No.5, IP Colony Part-1, Burari North Delhi, Delhi-110084.

Whereas the **25th March, 2026** has been fixed for hearing of the case, notice is hereby given that any person having any interest in the probate/Letter of Administration of the estate of the said deceased if he/she desire to appear in the court of the **25.03.2026** and see the proceeding before the grant of letter of Administration.

Given under my hand and the seal of this Court, this **12th day of March, 2026.**

Seal Sd/- District Judge-06 (Central), Delhi.

For Publication In The Court of Sh. Anshul Mehta, Administrative Civil Judge-cum-Commercial Civil Judge-cum-Additional Rent Controller, (West) Court Room No. 112, 1st Floor, Tis Hazari Courts, Delhi.
Case No. Succ, Court-164/2025
Title as:-
Nandini Dadu V/s State (NCT Delhi) & Ors.

For Succession Certificate Under Indian Succession Act,-1925

To,

Nandini Dadu, D/o Narendra Dadu, R/o J-12/25, Rajouri Garden, Delhi-110027.

Where in the above noted Petition the applicant/ petitioner has applied for Succession Certificate to the Hon'ble Court Under Section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of the debt and Securities Amount Lying in Deferent Banks of to be standing in the name of Late Smt. Manju Dadu, deceased.

Whereas at 10 (Ten) O' clock in the forenoon has been fixed for **22nd April, 2026** hearing on the application notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court, this **28th day of January, 2026.**

Seal Sd/- Admn. Civil Judge-cum-Addl. Rent Controller, (West), Delhi.

(Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure) In The Court of Sh. Abhitosh Pratap Singh Rathore, District Judge-05, Room No. 604, 6th floor, South West District, Dwarka Court, New Delhi.
MISC DJ ADJ 361/2023
Canara Bank V/s Sonu Kumar

To,

1. Sonu Kumar, Proprietor of M/s Sonu Cosmetics G-23, Vardhman Plus City Mall, Seto-23A, Dwarka-110075.

Also At: D-22 Bhagwati Vihar, Uttam Nagar, Delhi-110059

2. Binod Kumar, A-26, Delhi Gate, Najafgarh, Delhi-110043.

The defendants above named.

Whereas plaintiff has instituted the above appeal, against you, you are hereby summoned to appear in this court in person or by a pleader on the **11.05.2026 at 10:00 O'clock,** to answer the same, failing which the suit/application will be disposed of ex-parte.

Given under my hand and the seal of the court this **19.02.2026.**

Seal Sd/- District Judge-05, South West District, Dwarka Court, New Delhi

In The Court of Sh. Sukhman Sandhu, ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Room No. 201, Dwarka Courts, New Delhi.
Petition No. Succ. Court/ 186/2025
Subhash Chander Bansal Vs State (Govt. of NCT of Delhi) & Ors.

1. Subhash Chander Bansal S/o Ganga Swaroop, R/o H.No. 1620/1, Near Old Telephone Exchange, Main Najafgarh Road, Paprawat, South West Delhi-43 **....Petitioner**

For Succession Certificate Under Indian Successsion Act, 1925.

To,
All concerned,

Whereas in the above noted petition the applicant /petitioner has applied for Succession certificate to the Hon'ble Court Under section 372 of the Indian Succession Act, 1925 in respect of **Debts & Securities etc.** standing in the name of **Late Smt. Kishan Devi And Sh. Ganga Swaroop Bansal.**

Whereas the **04.06.2026 at 10:00 AM** in the forenoon has been fixed for hearing or the application notice is hereby given to all concerned.

Given under my hand and the seal of the court on **12.03.2026.**

Seal Sd/- ACJ/CCJ/ARC, S.W. District, Dwarka Courts, New Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **अय्या पासाराय मक्कल काची** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय न० 2/19, (Door No. 897/7, Ward No.7), पज्झियावर स्ट्रीट, टी– पुदुपलायम, विल्लुपुरम डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु–605803, में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है, पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:–

अध्यक्ष: एमुगिलन पुत्र अन्बझगन
निवासी–2/19, पज्झियावर स्ट्रीट, टी–पुदुपलायम, डिस्ट्रिक्ट–विल्लुपुरम, तमिलनाडु–605803
महासचिव: पी. मथिया पुत्र आर. परंथामन
निवासी– न०. 8, मारियम्मनकोइल स्ट्रीट, पोर्पन्कानरानै विलेज, एलापक्कम पोस्ट, मदुरांतकम तालुक, चेंगलपट्टू डिस्ट्रिक्ट तमिलनाडु
कोषाध्यक्ष: एस. जयाकंतन पुत्र एम. पि.सदासिवम
निवासी– 414/486, त्रिची मेन रोड, दादागापट्टी गेट, सालेम–636006 तमिलनाडु

यदि किसी को **अय्या पासाराय मक्कल काची** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली–110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

Public Notice

It is for general information that I, Devender Kumar Tirthani S/O Bhojraj R/O 624, Baba Farid Puri, West Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008 declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as Davender Thirthani, Heena Thirthani and Laksh Thirthani in my minor son Laksh Tirthani aged 14 years in his school records. The actual name of mine, my wife and minor son are Devender Kumar Tirthani, Geeta and Laksh Tirthani, which may be amended accordingly.

Pasting on the door of this Court Room: 16.03.2026. Publication of Proclamation: 16/03/2026. Beat of Drum and affixation on spot: 27/03/2026 Auction of Spot: 30/04/2026 at 11:00 AM. Report on: 08/05/2026 At 10:00 AM.

Warrant of Sale of Property in Execution of a Partition Decree
(Order XXI, Rule 66, of the Code of Civil Procedure)
In The Court of Sh. Dharmender Singh, LD. District Judge-01, (West), Room No. 215, 2nd Floor, Tis Hazari Courts, Delhi.
Suit No.895/2021. Ex. DJ-152/2025
Tile

Ravi Kumar S/o Late Sh. Tilak Raj R/o B-2/349, Sector-6, Rohini, Delhi-110085. **.....(Decree-Holder)**

V/S

JD-1. Dinesh Kumar (Since Deceased) Through LR's
a). Suman Raniq
b). Ms. Kusum D/o Dinesh Kumar,
c). Nikhil S/o Dinesh Kumar,
All Residence of: D-60, Gali No.9, Shiv Ram Park, Nangloi, Delhi-110041.
JD-2. Rita Thakur W/o Late Sh. Tarsem Thakur, R/o G-72, 3rd Floor, Lajpat Nagar-II, Delhi-110024.
Also At: House no.5, Ground Floor, Block-3, Opp. Emerald Public School, Spring Field Colony, Faridabad, Haryana-12003.
JD-3, Prabha Luthra W/o Late Sh. Tilak Raj Dasoar R/o 5-A/10942, Tank Road, Sat Nagar, Karol Bagh, New Delhi-110005.
JD-4. Neelam Babbar (Since Deceased) Through LR's
a). Jai Gopal Babbar (Husband),
b). Kunal Babbar (Son),
c). Karan Babbar (Son),
All Residence of: 1/10672, Subhash Park, Naveen Shahdara, Delhi-110032. **.....Judgment Debtor**

To,
The Court Auctioneer,

Mr. Kanhaya Lal Choudhary Adv. (Enrl. No. D-386/1996-R) R/o 1173, 1st Floor, Gali Dharamshala Kucha Pati Ram, Sitaram Bazar, Delhi. (Mobile No. 9811346152, 9868773010)

(The Court Acutioneer is directed to positively reach at the spot at 11.00 AM on given date)

this is to direct you to sell by auction, by affixing the same in this Court door and after making the proclamation, the immovable property bearing i.e. Plot No.60, measuring 125 sq. yards out of Khasra No.26/12, situated at Village Kamruddin Nagar, Shiv Ram Park, Block-D, Nangloi, Delhi-110041. To be sold in auction sale during execution and the sale proceeds be distributed between the parties in terms of preliminary decree passed by the Court on 13.10.2022 and final decree passed by the Court on **21.04.2025.**

In this matter the value of suit property was determined Rs. 90,00,000/- (Ninety Lacks) and the reserved price of the suit permitted is determined as Rs. 90,00,000/- (Ninety Lacks) Parties/Co-shares are also permitted to participate in the bidding/auction. In Order to ensure the participation of sserious bidders, there will be a mandatory pre-condition of earnest money deposit in a sum of Rs.90,00,000/ (Ninety Lacks) by way of demand draft, in order to participate in the auction. The said amount is about 1% of reserve price.

You are further directed to return this warrant on or before **08.05.2026,** with and endorsement certifying the manner in which it has been executed, or otherwise, the reason why, it could not be executed.

Given under my hand and the seal of the court, dt. **12.03.2026.**

Schedule of Property:

Bearing i.e. Plot No.60, measuring 125 sq. yards out of Khasra No.26/12, situated at Village Kamruddin Nagar, Shiv Ram Park, Block-D, Nangloi, Delhi-110041.

Seal Sd/- District Judge-01, (West) Tis Hazari Court, Delhi.

वीर अर्जुन

वर्गीकृत विज्ञापन

Change of Name

I, hitherto known as Prajna Smita Mohapatra Alias Prajnasmita Mohapatra D/o Baikunthanath Mohapatra R/o 801, Type-5, Block-C, Lok Sabha Residential Complex, Behind Thomosh Church, Sector-2, R.K. Puram, South West Delhi, Delhi-110022 have changed my name and shall hereafter be known as Pragya Smita Mohapatra. **C-37140**

वैधानिक सूचना: पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

असम में सत्ता बरकरार रखेगी भाजपा: शाह

गुवाहाटी, (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में अब तक का सबसे बड़ा जनादेश हासिल करके सत्ता बरकरार रखेगी। शाह ने यहां भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोगों से एक बार फिर भाजपा को जिताने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि वह घुसपैठियों को भारत से बाहर निकाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने घुसपैठियों को आश्रय दिया, लेकिन भाजपा सरकार प्रत्येक घुसपैठिए की पहचान करके उसे देश से बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है।शाह ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस ने कुछ राज्यों में निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया।

उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने घुसपैठ को वैध, औपचारिक और सामान्य बना दिया, लेकिन भाजपा हर एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से हटाएगी। राहुल बाबू आश्वस्त रहें कि न केवल मतदाता सूची से इनके नाम हटाए जाएंगे, बल्कि इन्हें देश से बाहर भी निकाला जाएगा।शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन के दौरान असम हिंसा के लिए जाना जाता थी, और कई युवाओं की जान गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने युवाओं के लिए कुछ नहीं किया, और उसके नेता केवल अपने परिवार के लाभ के बारे में सोचते थे। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में 15 वर्ष के अपने शासनकाल के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सेवा बजट से प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपये अपनी जेब में डाल लिए। असम में 2,092 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए काम करती है और उन्होंने राज्य की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों के बराबर लाने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की प्रशंसा की।उन्होंने कहा, दस साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था बदहाल थी क्योंकि कांग्रेस केवल अपने नेताओं के परिवारों की आर्थिक सेहत को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के उनके प्रयास में देश को बदनाम करने के उनके कृत्यों का कोई भी भारतीय समर्थन नहीं करता। उन्होंने नई दिल्ली में हाल में हुए एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन करने और संसद भवन की सीढ़ियों पर चाय-पकौड़ा खाने के लिए गांधी की कड़ी आलोचना की।उन्होंने कहा, हम भी विपक्ष में थे और हमने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे, लेकिन इसके लिए एक सही मंच होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, संसद लोकतंत्र की पवित्र जगह है। इसकी सीढ़ियों का इस्तेमाल धरने के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए और राहुल गांधी वहां चाय-पकौड़ा खा रहे थे। क्या उन्हें पता नहीं कि नाश्ता कहां करना चाहिए? शाह ने यहां 675 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया। उन्होंने असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के तहत गोलाघाट और तिनसुकिया में निर्मित कैंसर केंद्रों का भी ऑनलाइन तरीके से उद्घाटन किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारतीय जनता युवा मोर्चा के सम्मेलन में भाग लेते हुए। (एएनआई)

प्रधानमंत्री ने बिरला को लिखे पत्र में संसदीय गरिमा के महत्व पर जोर दिया

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को हटाने संबंधी अविश्वास प्रस्ताव पर पिछले हफ्ते लोक सभा में हुई विस्तृत चर्चा और उसके खारिज होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा है।

अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान लोक सभा अध्यक्ष द्वारा दिखाए गए 'धैर्य, संयम और निष्पक्षता' की सराहना की। उन्होंने कहा कि सदन ने एक नई राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है। श्री मोदी ने पत्र में इस बात पर दुख जताया कि कुछ लोग 'परिवारवादी और सामंती' सोच के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने सीमित दायरे में रखना चाहते हैं और नए नेतृत्व को स्वीकार नहीं कर पाते। इन्होंने जोर देकर कहा कि कि संसद 'संवाद, तर्क और विचार-विमर्श' का केंद्र है, जहाँ हर क्षेत्र की आवाज को स्थान मिलना चाहिए। श्री ओम बिरला ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति उनका हमेशा अटूट विश्वास रहा है। उनका पत्र लोक सेवा के उन उच्चतम नैतिक मूल्यों को व्यक्त करता है, जिन्हें उन्होंने अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में जिया है वर्तमान में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तथा इससे पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में।

इसके बाद लोक सभा में सभी दलों के नेताओं को भेजे एक पत्र में श्री बिरला ने कहा कि 'पिछले कुछ समय से हमारे कुछ माननीय सदस्यों द्वारा संसद परिसर में सभागृह के अंदर और सभागृह के बाहर हमारे संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई जा रही है।

सभागृह और संसद भवन परिसर के अंदर जिस प्रकार के बैनर, प्लेकार्ड और तख्तियों को प्रदर्शित किया जा रहा है, जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, जिस तरह का आचरण और व्यवहार किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए गहरी चिन्ता का विषय है। इस स्थिति पर हम सभी को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से गंभीर चिंतन और विश्लेषण करने की आवश्यकता है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि 'हमारे सदन में सदैव मर्यादित चर्चा संवाद की गौरवशाली परंपरा रही है। पूर्व में भी जब-जब सदन के अंदर आचरण व्यवहार के स्तर में ह्रास का अनुभव किया गया तब समय-समय पर सभी राजनीतिक दलों तथा अन्य हितधारकों द्वारा सम्मेलन आयोजित किए गए जिनमें हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और प्रतिष्ठा के संरक्षण और संवर्धन के विषय पर चर्चा संवाद हुआ।

आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले सरकार नीतिगत फैसले ले सकती है : सीईसी

नई दिल्ली, (विप्र)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि आचार संहिता लागू होने से पहले केंद्र और राज्य सरकारें अपने विवेक के अनुसार नीतिगत फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ ही मिनट पहले एक के बाद एक दो महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा करने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में की। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा लिये गए निर्णयों में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान और पुरोहितों और मुअज्जिनों के मानदेय में वृद्धि शामिल है। कुमार ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले लिए गए निर्णय सरकार का विशेषाधिकार है। उन्होंने शाम करीब चार बजे चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन को इंगित करते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता अभी लागू हुई है। ममता बनर्जी ने टेलीविजन के माध्यम से अपराह्न 2.40 बजे हिंदू और मुस्लिम धार्मिक पदाधिकारियों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए निर्धारित संवाददाता सम्मेलन से 80 मिनट पहले की। वहीं बनर्जी ने अपराह्न 3.05 बजे, निर्वाचन आयोग के संवाददाता सम्मेलन से 55 मिनट पहले, डीए बकाया के वितरण की घोषणा की। निर्वाचन आयोग ने रविवार को घोषणा की कि बंगाल की 294 विधानसभा सीट के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा तथा मतगणना चार मई को होगी।

अरावली पहाड़ियों की परिभाषा तय करने के लिए बनी समिति के नामों को मंजूरी

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि उसे केंद्रीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति द्वारा प्रस्तावित 10 सदस्यीय उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति पर कोई आपत्ति नहीं है, जिसे अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा तय करने का कार्य सौंपा गया है।

शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति के लिए सुझाए गए नामों का समर्थन किया है। इस समिति में भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), भारतीय भूवैज्ञानिकसर्वेक्षण(जीएसआई) और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से जुड़े वर्तमान तथा सेवानिवृत्त नौकरशाहों के साथ-साथ शिक्षाविद भी शामिल हैं। हलफनामे में कहा गया है, "पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आदरपूर्वक निवेदन करता है कि प्रस्तावित उच्च-स्तरीय समिति के गठन के लिए सुझाए गए उपरोक्त नामों पर यदि यह न्यायालय विचार करता है, तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। यह भी बताया जाता है कि फिलहाल मंत्रालय के पास उक्त समिति में शामिल करने के लिए कोई अतिरिक्त नाम नहीं है। प्रस्तावित समिति की अध्यक्षता भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की वर्तमान निदेशक कंचन देवी करेंगी। अन्य सदस्यों में एफएसआई के पूर्व महानिदेशक सुभाष अशुतोष, जीएसआई के पूर्व निदेशक राजेंद्र कुमार शर्मा, जलवायु एवं उर्जा नीति विशेषज्ञ तेजल कानिटकर, वरिष्ठ शिक्षाविद और जीवन विज्ञान शोधकर्ता जया प्रकाश यादव, वरिष्ठ भूगोलवेत्ता और स्कॉलर तेजबीर सिंह राणा, भारत के पूर्व अतिरिक्त सर्वेयर जनरल, एस. वी. सिंह, गुजरात के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक सी. एन. पांडेय, नगालैंड के पूर्व पीसीसीएफ धर्मेंद्र प्रकाश शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने 29 दिसंबर को अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर उठे विवाद पर संज्ञान लेते हुए 20 नवंबर के अपने एक आदेश को स्थगित कर दिया था, जिसमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

सरकार राष्ट्र के सर्वोच्च हित में कार्य कर रही है : पश्चिम एशिया संघर्ष पर आरएसएस नेता होसबाले

समालखा (हरियाणा), (भाषा)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को विश्व में शांति की अपील की और इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार राष्ट्र के सर्वोच्च हित में सभी कदम उठा रही है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की तीन दिवसीय बैठक पर प्रेसवार्ता के दौरान सवालों के जवाब दे रहे थे। अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर आरएसएस पदाधिकारी ने कहा, हम दुनिया में शांति चाहते हैं। आम लोगों का जीवन शांतिपूर्ण और सुखमय होना चाहिए, और हम भी यही चाहते हैं। आरएसएस के शीर्ष नेता ने कहा कि वे युद्ध के कारणों का विश्लेषण नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश की जनता के हित में हरसंभव प्रयास कर रही है। होसबाले ने यहां पत्रकारों से कहा कि देश के सर्वोच्च हित में जो उचित है, वही वे (भारतीय सरकार) कर रहे हैं तथा उनका कदम सही है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद भारत के कुछ हिस्सों में भड़के विरोध प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर होसबाले ने कहा कि लोग किसी व्यक्ति की मृत्यु पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन यह शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए।

किसान समूह बनाकर कार्य करेंगे तभी उन्हें योजनाओं का पूरा लाभ मिलेगा: जयंत चौधरी

लखनऊ, (भाषा)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ तभी मिल सकता है, जब वे जागरूक होकर संगठित तरीके से काम करें और समूह बनाकर अपनी गतिविधियों का विस्तार करें।

चौधरी ने देवरिया शहर के चीनी मिल ग्राउंड में पार्टी की ओर से आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी है।उन्होंने कहा कि फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) के माध्यम से किसान अपनी उपज को बेहतर बाजार तक पहुंचा सकते हैं और व्यापार का विस्तार कर सकते हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सीमा बढ़ाई गई है लेकिन इन योजनाओं का पूरा लाभ तभी मिलेगा जब किसान जागरूक होकर समूह बनाकर कार्य करेंगे। चौधरी ने कहा कि किसान स्वभाव से ही जोखिम उठाने वाला होता है और हर मौसम तथा हर सीजन में खेती के साथ जोखिम लेता है। उन्होंने कहा कि अगर किसानों की नई पीढ़ी खेती के साथ-साथ व्यापार और प्रबंधन की समझ भी विकसित कर ले, तो गांवों की तस्वीर बदल सकती है। केंद्रीय मंत्री ने अपने दादा दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व पिता स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह द्वारा किसानों के हित में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार भी उन्हीं के विचारों के अनुरूप किसानों के हित में कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि आज किसान असहाय नहीं बल्कि वह देश की सांस्कृतिक धरोहर है। इससे पहले प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि रालोद आज भी गरीबों, असहायों और किसानों के हितों के लिए संघर्ष कर रहा है। सभा को भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री त्रिलोक त्यागी तथा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी राम अशीष राय सहित कई नेताओं ने भी संबोधित किया।

मोदी के खिलाफ कभी जातिवादी टिप्पणी नहीं की: अय्यर

जयपुर, (भाषा)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियां मोदी के चरित्र को लेकर थीं, न कि उनकी जाति को लेकर।

नौकरशाह से नेता बने अय्यर ने कहा कि उन्हें अंग्रेजी बोलने के कारण मैकॉले की औलाद कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिल जानते हैं।अय्यर ने अपने कथित पुराने बयानों संबंधी विवाद पर कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को कभी नीची जाति का नहीं कहा।उन्होंने शनिवार शाम जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, मैंने उन्हें कभी नीची जाति का व्यक्ति नहीं कहा। मैंने उनके चरित्र के संदर्भ में उन्हें नीच किस्म के व्यक्ति कहा था। यह पूरी तरह अलग बात है। अय्यर ने कहा कि उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया और ऐसा दिखाया गया कि मानो वह मोदी की जाति पर टिप्पणी कर रहे हों।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने इसे जातिगत अपमान के रूप में प्रचारित किया क्योंकि अय्यर ब्राह्मण हैं।पूर्व मंत्री ने अपनी इस कथित टिप्पणी पर विवाद का भी जिक्र किया कि "चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। अय्यर ने इसे भी गलत ठहराते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया।उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि क्योंकि वह चाय बेचते थे, इसलिए प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।अय्यर ने कहा कि उन्होंने इतिहास के बारे में ज्ञान की कमी को लेकर मोदी की आलोचना की थी।अय्यर के अनुसार, उन्होंने सवाल उठाया था कि उनकी नजर में जो व्यक्ति ऐतिहासिक तथ्यों को नहीं जानता, वह उस भूमिका में (प्रधानमंत्री) कैसे हो सकता है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू रहे थे।उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे ऐतिहासिक बिंदुओं का जिक्र किया था, जैसे सिकंदर कभी पाटलिपुत्र तक नहीं पहुंचा और नालंदा भारत में है, जबकि तक्षशिला अब पाकिस्तान में है।अय्यर ने कहा कि ये टिप्पणियां करने के बाद उन्होंने मजाक में कहा था कि यदि मोदी चुनाव हारने के बाद चाय बांटना चाहें तो उसकी व्यवस्था की जा सकती है।उन्होंने कहा, उन्हें चायवाला किसने कहा? खुद मोदी ने ही कहा था कि वह चायवाले थे।उन्होंने मोदी के इस दावे पर भी संदेह जताया कि उन्होंने अपने गृह नगर वडनगर में रेलवे प्लेटफार्म पर चाय बेची थी। अय्यर ने दावा किया कि 1973 तक उस शहर में रेलवे प्लेटफार्म था ही नहीं।उन्होंने कहा कि ऐसे दावे और भ्रामक बातें मोदी के प्रधानमंत्री बनने में सहायक रहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुसलमानों के बारे में की गई टिप्पणियां देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का कारण बनीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने अय्यर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को गांधी सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस पार्टी व अय्यर के खिलाफ नारे लगाए।

सीबीआई ने टीवीके के प्रमुख विजय से पूछताछ की

नई दिल्ली, (विप्र)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले साल तमिलनाडु के करूर में टीवीके की रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत के मामले में रविवार को यहां अपने मुख्यालय में पार्टी के प्रमुख और अभिनेता विजय से सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि विजय पूछताछ और अन्य संबंधित औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शाम करीब छह बजे एजेंसी के मुख्यालय से रवाना हुए। विजय से तीसरी बार पूछताछ की गई है। जनवरी में दो बार उनसे पूछताछ की जा चुकी है।अधिकारियों ने कहा कि इससे पहले विजय को नौ मार्च को पेश होने के लिए कहा गया था, हालांकि उन्होंने 15 दिन की मोहलत मांगी थी। अभिनेता ने आगामी विधानसभा चुनावों से संबंधित राजनीतिक कार्यक्रमों का हवाला देते हुए चेन्नई या तमिलनाडु में किसी कार्यालय में पूछताछ करने का भी अनुरोध किया था।

बिरला ने सदन में बैनर, तख्तियां दिखाने पर चिंता व्यक्त की

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कुछ सांसदों द्वारा सदन के अंदर बैनर, तख्तियां, पोस्टर दिखाने और आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से अपने सदस्यों के बीच अनुशासन और उच्च नैतिक आचरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

लोकसभा में प्रतिनिधित्व रखने वाले सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को लिखे पत्र में, बिरला ने कहा कि सदन की हमेशा से गरिमापूर्ण चर्चा और संवाद की गौरवशाली परंपरा रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से, देश के संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और प्रतिष्ठा को कुछ सदस्यों द्वारासदन के भीतर और बाहर, तथा संसद परिसर के भीतरकमजोर किया जा रहा है। बिरला ने कहा, "जिस तरह से बैनर, तख्तियां और पोस्टर प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और सदन व संसद भवन परिसर के अंदर जिस तरह का आचरण और व्यवहार प्रदर्शित किया जा रहा है, वह हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है।" उन्होंने हिंदी में लिखे पत्र में कहा, "हम सभी को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से इस स्थिति पर गंभीरता से विचार-विमर्श और विश्लेषण करने की आवश्यकता है।" यह पत्र राजनीतिक दलों के नेताओं को ऐसे समय में भेजा गया है, जब लोकसभा में बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हो गया था। बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए विपक्षी दलों ने उन पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि वे उन्हें बोलने का मौका नहीं देते हैं। बिरला ने पत्र में कहा कि अतीत में जब भी सदन के भीतर आचरण और व्यवहार के मानकों में गिरावट महसूस की गई, तो सभी राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों द्वारा समय-समय पर सम्मेलन आयोजित किए गए, जहां देश के लोकतांत्रिक संस्थानों की गरिमा और प्रतिष्ठा के संरक्षण व संवर्धन पर चर्चा और संवाद आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि इस विषय पर पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में भी चर्चा हुई है और प्रस्ताव पारित किए गए हैं। बिरला ने कहा, "मैंने कई अवसरों परचाहे वह कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठकें हों, राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ मुलाकातें हों या अन्य अवसरआपसे आचरण और व्यवहार के उच्च मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया है।" उन्होंने कहा, "मेरा विनम्र अनुरोध है कि पूरा देश हमारे आचरण और व्यवहार को देखता है और संसद से जाने वाला संदेश देश के सभी लोकतांत्रिक संस्थानों में गूंजता है।" अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की उच्च गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए अब गंभीर चिंतन और आत्मनिरीक्षण करने का समय आ गया है उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व और सदन में सभी दलों के नेताओं को सदन व संसद भवन परिसर के भीतर अपने सदस्यों के बीच अनुशासन और उच्च नैतिक आचरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा, "यदि हम सभी इस दिशा में सामूहिक प्रयास करें, तो संसदीय लोकतंत्र में जनता का विश्वास निश्चित रूप से और मजबूत होगा तथा सदन की प्रतिष्ठा और मर्यादा में निरंतर वृद्धि होगी। मुझे विश्वास है कि आप सभी इस महान संस्था की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने में अपना पूरा सहयोग देंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

बंगाल में संदिग्ध मतदाता मामलों के निस्तारण के बाद पूरक मतदाता सूची जारी होगी : सीईसी

नई दिल्ली, (विप्र)।पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान संदिग्ध पाए गए मतदाताओं के मामलों की न्यायिक अधिकारियों द्वारा निस्तारण किये जाने के बाद पूरक मतदाता सूची जारी की जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल में फरवरी में मतदाता सूची के एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद, 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम संदिग्ध श्रेणी में रखे गए थे और उन्हें न्यायिक अधिकारियों को निर्णय के लिए सौंप दिया गया। अब उनके नाम केवल पूरक मतदाता सूचियों के माध्यम से ही शामिल किए जा सकते हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद, पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा में अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यरत लगभग 530 न्यायिक अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सुनवाई के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। पांच विधानसभाओं के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुमार ने कहा कि न्यायिक अधिकारी मामले की सुनवाई कर रहे हैं और मामलों का निस्तारण होते ही हम पूरक सूचियां जारी करेंगे।उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार, कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत काम करने वाले न्यायाधीश इस पूरक सूची को तैयार करेंगे।

तमिलनाडु चुनाव: महिला सुरक्षा, बढ़ता कर्ज और मुफ्त की रेवड़ियां वादे प्रमुख मुद्दे

चेन्नई, (भाषा)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, अधूरे चुनावी वादे और बढ़ता कर्ज प्रमुख मुद्दे रहेंगे। हालांकि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटने के लिए अपने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों और निवेश पर जोर दे रही है।

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। निवर्तमान विधानसभा में द्रमुक के पास 132 सीटें हैं, जबकि मुख्य विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के पास 60 सीटें हैं।राज्य के कुछ मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप, अवैध रेत खनन, मादक पदार्थ तस्करी और वंशवाद भी प्रमुख चुनावी मुद्दे हैं। अन्नाद्रमुक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), पीएमके और अभिनेता विजय नीत तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) समेत कई दल इन्हीं मुद्दों को उठा मतदाताओं को साधने में लगे हैं।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने दावा किया, "महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध के बीच उनकी सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा है। राज्य में बढ़ती गांजा तस्करी इसका एक प्रमुख कारण है।"अन्नाद्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि द्रमुक शासन के दौरान तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा हर दिन नए निम्न स्तर पर पहुंच रही है, जिससे राज्यभर के परिवार भय और चिंता में जी रहे हैं।अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान अन्नाद्रमुक महासचिव ई. के पलानीसामी ने द्रमुक सरकार पर बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ता कर्ज, अधूरे चुनावी वादों, वंशवाद और घोटालों को लेकर निशाना साधा।उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार ने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज लिया है, जिससे राज्य में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे पर औसतन 1.5 लाख रुपये का कर्ज का बोझ पड़ रहा है।पलानीसामी ने द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के द्रविड़ मॉडल शासन के दावों पर कटाक्ष करते हुए इसे विज्ञापन मॉडल शासन बताते हुए कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी।इस बीच द्रमुक, अन्नाद्रमुक और टीवीके जैसी पार्टियों ने मतदाताओं, खासकर महिलाओं को ध्यान में रखते हुए कई लोकलुभावन वादे किए हैं। द्रमुक ने राशन कार्ड धारक महिला परिवार प्रमुखों को मिलने वाली मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 2,000 रुपये करने की घोषणा की है, जबकि अन्नाद्रमुक ने भी सत्ता में आने की स्थिति में इतनी ही राशि देने का वादा किया है।द्रमुक ने वादा किया है कि अगर वह चुनाव जीतती है तो 60 वर्ष तक की महिला परिवार प्रमुखों को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों को इससे अलग रखा गया है।पार्टी ने महिलाओं के लिए सुपर सिक्स (प्रमुख छह) वादों की भी घोषणा की है, जिनमें छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा शामिल है।अन्नाद्रमुक ने चावल वाले राशन कार्ड धारकों को सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है। पलानीसामी ने यह भी कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो महंगाई और कर वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए प्रत्येक परिवार को एकमुश्त 10,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार की योजनाओं के तहत राज्य में 1.31 करोड़ महिला लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से धनराशि दी जा रही है।

चुनाव के चरणों से कोई फर्क नहीं पड़ता, भाजपा को हर हाल में पराजित करेगी जनता : टीएमसी

कोलकाता, (भाषा)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल में दो चरण में विधानसभा चुनाव कराए जाने को ज्यादा तवज्जो न देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने चरणों की संख्या अपने राजनीतिक आकाओं की जरूरतों के अनुसार तय की।

पार्टी ने सवाल उठाया कि 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान कोविड-19 महामारी फैली होने के बावजूद आयोग ने आठ चरण में चुनाव कराया था जबकि इस बार केवल दो चरण में चुनाव कराने का फैसला किया है। टीएमसी के प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा, "चरणों की संख्या भाजपा की इच्छा को दर्शाती है और निर्वाचन आयोग ने अपने राजनीतिक आकाओं की जरूरतों के अनुसार काम किया है।" निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित करते हुए बताया कि राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरण में मतदान होगा। चक्रवर्ती ने कहा, "2021 में जब लोग कोविड संक्रमण से मर रहे थे, तब राज्य में आठ चरण में चुनाव कराए गए और अब जब ऐसी कोई बीमारी नहीं है, तो केवल दो चरणों में चुनाव कराने का निर्णय क्यों लिया गया? चुनावों के चरणों की संख्या मायने नहीं रखती, लोग भाजपा को हर हाल में परास्त कर देंगे।" इस बीच भाजपा ने दो चरण में चुनाव कराने के आयोग के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि लोग सत्तारूढ़ टीएमसी के महाजंगलराज को खत्म करने के लिए निर्णायक तरीके से मतदान करेंगे। पार्टी ने दावा किया कि चुनाव परिणाम उसके पक्ष में आएगा।भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "यह केवल एक चुनाव नहीं है, बल्कि एक सभ्यतागत संघर्ष है। महाजंगलराज के अंत की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।" भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने सत्तारूढ़ टीएमसी पर लोगों के मूलभूत अधिकार छीने हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है तो राज्य में एक नई सुबह होगी।भट्टाचार्य ने दावा किया कि टीएमसी सरकार ने लोगों को बुनियादी अधिकारों जैसे साफ पेयजल, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर, रोजगार के अवसर से वंचित रखा।

संजू लय में हो तो छह ओवर में ही मैच फिनिश: गंभीर

नई दिल्ली,(भाषा)। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की।

अभिषेक शर्मा औरर सैमसन ने फाइनल में मिलकर पावरप्ले में 92 रन बनाए और इस तरह से न्यूजीलैंड से मैच छीन लिया।गंभीर ने जियो स्टार पर कहा, हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है। सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के

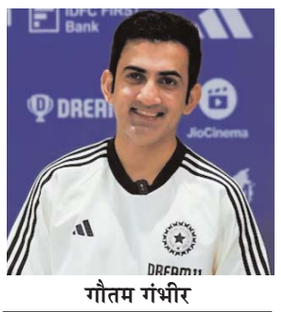

गौतम गंभीर

शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद अगले तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए।गंभीर ने कहा, मैंने उसे जिम में यह बात बताई। दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा, ठीक है। हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है। यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है।

टीम में सैमसन की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष क्रम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के रूप में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाज शामिल थे।

लेकिन गंभीर ने जोर देकर कहा कि सैमसन को अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन को तोड़ने के उद्देश्य से नहीं बल्कि टीम को अधिक आक्रामक ताकत देने के लिए लिया गया था।उन्होंने कहा, मुझे पता है कि बहुत से लोग इस बारे में बात करेंगे कि हम शीर्ष क्रम पर मौजूद तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन को तोड़ना चाहते थे, ऐसा बिल्कुल नहीं है। हम बस और अधिक आक्रामक होना चाहते थे। पिछले डेढ़ साल से हमारी मानसिकता यही रही है कि मैदान पर उतरकर हम जितना हो सके उतना आक्रामक प्रदर्शन करें। गंभीर ने कहा, संजू को टीम में लाने का कारण दूसरे छोर से ऑफ-स्पिनर को नियंत्रित करना नहीं बल्कि इस बात पर आधारित था कि क्या हम पहले छह ओवरों में और अधिक आक्रामक हो सकते हैं। अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। गंभीर ने कहा, आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ।

मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे है। उन्होंने कहा, आपकी फॉर्म का सही आकलन तभी हो सकता है जब आप 20 से 30 गेंदें खेल चुके हों और उसने अभी तक 20 गेंदें भी नहीं खेली है।

पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर स्थित इंडोर स्टेडियम में द्वितीय बिहार महिला कबड्डी लीग के दौरान सारण और सिवान के खिलाड़ी अपने स्ट्राइक्स के साथ प्रदर्शन करते हुए। (छाया: एएनआई)

संक्षिप्त समाचार

सप्तक तलवार ने पीजीटीआई का अहमदाबाद चरण जीता

अहमदाबाद,(भाषा)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने रविवार को यहां आखिरी दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर दो शॉट से डीपी विश्व पीजीटीआई के इंडोरामा वेंचर्स ओपन जीत लिया। सत्ताईस साल के सप्तक (68-71-69-70) का कुल स्कोर 10-अंडर 278 का रहा। तलवार की इस दूसरी पेशेवर जीत से उन्हें 48,000 डॉलर (43,20,000 रुपये) का पुरस्कार मिला जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ द मेरिट में 44वें स्थान से पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रिया के क्रिस्टोफ ब्लेयर (69-70-72-69) ने आखिरी दौर में तीन-अंडर 69 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उनका कुल स्कोर आठ-अंडर 280 रहा। वीर अहलावत और कार्तिक सिंह ने आखिरी दौर में दो-अंडर 70 का स्कोर बनाया और सात-अंडर 281 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु ने एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

नई दिल्ली,(भाषा)। भारत के सेल्वा प्रभु ने अमेरिका के फेयेटविले में चल रही एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद (ट्रिपल जंप) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रभु ने शनिवार को 17.05 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी करियर में पहली बार 17 मीटर की बाधा को पार किया।इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेलते हुए राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड भी बनाया।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के हालांकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के संबंध में सख्त दिशानिर्देश हैं, जिसके कारण अक्सर नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) सहित विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि वे एएफआई की तकनीकी और डोपिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं।एनसीएए अपना डोप परीक्षण कार्यक्रम स्वयं संचालित करता है, लेकिन उसे विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी वाडा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

मर्सीडीज के किमी एंटोनेली ने चीन ग्रां प्री में पहली जीत दर्ज की

शंघाई,(एपी)। किमी एंटोनेली ने रविवार को हुई चीन ग्रां प्री में मर्सीडीज के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की जिससे वह फॉर्मूला वन के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता बन गए। इटली के 19 वर्षीय एंटोनेली पोल पोजिशन से शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के ड्राइवर थे। रेस की शुरुआत में कुछ समय के लिए फेरारी के लुईस हैमिल्टन ने बढ़त बनाई लेकिन जल्द ही एंटोनेली ने फिर से बढ़त बना ली। इसके बाद पूरी रेस पर उनका ही नियंत्रण रहा। सत्र की शुरुआत में मर्सीडीज के लिए यह एक और पहले-दूसरे स्थान वाला प्रदर्शन रहा। एंटोनेली के साथी जॉर्ज रसेल ने फेरारी ड्राइवरों के साथ कड़ा मुकाबला करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे। फेरारी के लिए यह लंबे समय में पहला ग्रां प्री पोडियम स्थान रहा। कम उम्र में ग्रां प्री जीतने वाले एकमात्र ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन हैं जिन्होंने 2016 में जब अपनी पहली जीत हासिल की थी तब उनकी उम्र 18 साल थी।

फार्मूला वन ने ईरान युद्ध के कारण बहरीन और सऊदी में अप्रैल में होने वाली रेस रद्द की

शंघाई,(एपी)। फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहा है कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी।अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्वाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं।यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई।एफवन ने कहा, पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी। उन्होंने कहा, हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंतत: यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा। एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी।एफवन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, हालांकि यह एक मुश्किल फैसला था लेकिन दुर्भाग्य से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस समय यह सही फैसला है। फिया ने कहा कि ये दोनों रेस अप्रैल में नहीं होंगी और इनकी जगह कोई दूसरी रेस आयोजित नहीं की जाएगी। फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा, फिया हमेशा हमारे समुदाय और सहकर्मियों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखेगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।

थीगाला फिर से शीर्ष 10 में शामिल

फ्लोरिडा,(भाषा)। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी सहित थीगला ने चार-अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाकर 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर इनामी प्लेयर्स गोल्फ चैंपियनशिप में एक राउंड शेष रहते हुए शीर्ष 10 में वापसी की।थीगाला ने दो बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाईं, जिससे उनका कुल स्कोर सात अंडर पार हो गया है। वह शीर्ष पर काबिज स्वीडन के लुडविग एबर्ग से छह शॉट पीछे हैं। एबर्ग ने एक-अंडर 71 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को तीन शॉट कर दिया है। उनका कुल स्कोर अब 13-अंडर पार है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 91 रन पर समेटा, पहला टी20 सात विकेट से जीता

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड),(एपी)। दक्षिण अफ्रीका ने पदार्पण कर रहे चार खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए रविवार को यहां न्यूजीलैंड को 14.3 ओवर में 91 रन पर समेटने के बाद पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच सात विकेट से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन की 48 गेंद में नाबाद 45 रन की पारी की बदौलत 20 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 93 रन बनाकर जीत दर्ज की। पदार्पण कर रहे डियान फोरेस्टर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

एस्टरहुइजेन ने 17वें ओवर में काइल जेमीसन पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड की विश्व कप टीम के आठ सदस्य इस श्रृंखला का हिस्सा नहीं है जिसमें फाइनल में भारत के खिलाफ 96 रन से शिकस्त झेलने वाली टीम के शीर्ष छह बल्लेबाज भी शामिल हैं।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में ही पांच विकेट गंवा दिए और अंतत: टी20 में अपने 10वें सबसे कम स्कोर पर सिमट गई जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा सबसे कम स्कोर है।गेराल्ड कोएट्जी (14 रन पर दो विकेट) ने न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (01) और टॉम लैथम (07) को पवेलियन भेजा जबकि ओटनील बार्टमैन (22 रन पर दो विकेट) ने टिम रोबिनसन (06) और निक कैली (02) की पारी का अंत किया।बेवन जैकब्स (10) इसके बाद रन आउट हुए जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 36 रन हो गया।

नकोबानी मोकोएना (26 रन पर तीन विकेट) ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को समेटा।

जिमी नीशाम (26) और मिचेल सेंटनर (15) ने सातवें विकेट के लिए 26 रन जोड़े जो पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही।

चंद्रिका को स्वर्ण

बैंकॉक,(भाषा)। भारत ने रविवार को यहां विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में अपना अभियान पांच पदक के साथ खत्म किया जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। युवा ओलंपिक वजन वर्ग में मुकाबला करते हुए भारत की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। इस अभियान की अगुवाई चंद्रिका पुजारी ने की जिन्होंने महिलाओं के 51 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की मार्दोनोवा नाजोकत को सर्वसम्मत फैसले से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन भारतीय मुक्केबाजों ने अपने वजन वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद रजत पदक जीते। गुंजन (48 किग्रा) इंग्लैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 5-0 के फैसले से हार गईं जबकि जॉयश्री देवी (54 किग्रा) कड़े मुकाबले के बाद अमेरिका की एक मुक्केबाज से।-4 से पराजित हो गईं। पुरुषों के 50 किग्रा वजन वर्ग में एल अंबेकर मीतेई को फाइनल में यूक्रेन के मुक्केबाज से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

एल्चे पर जीत से बार्सिलोना के करीब पहुंचा रियाल मैड्रिड

बार्सिलोना,(एपी)। फेडेरिको वाल्वरडे ने तीन मैचों में पांचवां गोल दागकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे रियाल मैड्रिड एल्चे को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग लालिगा में अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है। उरुग्वे के मिडफील्डर वाल्वरडे ने हाफ टाइम से ठीक पहले दाएं पैर से घुमावदार शॉट लगाकर मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया।वाल्वरडे ने इससे पहले चैंपियंस लीग के अंतिम 16 के पहले चरण के मैच में रियाल मैड्रिड की मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ 3-0 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। उससे पहले उन्होंने लालिगा के पिछले दौर में सेल्टा विगो के खिलाफ 2-1 से जीत में भी गोल किया था। इस जीत से रियाल मैड्रिड के 28 मैच में 66 अंक हो गए हैं। बार्सिलोना के 27 मैच में 67 अंक हैं। इस बीच स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे का मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 के दूसरे चरण के मैच में खेलना भी संदिग्ध है। उन्होंने घुटने की चोट के कारण 21 फरवरी के बाद कोई मैच नहीं खेला है।

सयाली सतघरे की सफलता के पीछे 10 साल की कड़ी मेहनत

मुंबई,(भाषा)। सयाली सतघरे अपनी सफलता का श्रेय 10 साल से अधिक की कड़ी मेहनत को देती हैं और अब वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और टी20 लीग में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है।

सयाली का करियर तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को डब्ल्यूपीएल का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने के बाद मुंबई की इस खिलाड़ी ने इसी महीने अपना टेस्ट पदार्पण किया।

सयाली ने पीटीआई से खास बातचीत में कहा, मेरा मानना है कि आपको लगातार कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए और जब भी आपको कोई मौका मिले तो उसे दोनों हाथों से लपक लेना चाहिए।

यह बातचीत पहली महिला टी20 मुंबई लीग और पुरुषों के टूर्नामेंट के चौथे सत्र की घोषणा के मौके पर हुई थी।

उन्होंने कहा, जब तक आपको मौका नहीं मिले, तब तक आपको कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए और उसका इंतजार करना चाहिए। और जब आपको मौका मिल जाए तो आपको अपना शत प्रतिशत देना चाहिए।

सयाली ने कहा, पिछले दो-तीन महीनों का प्रदर्शन सिर्फ उन महीनों की बात नहीं है, बल्कि इसके पीछे 10 साल की कड़ी मेहनत छिपी है।

सयाली ने आरसीबी के लिए नौ विकेट लिए जिससे इस फ्रेंचाइजी ने इस साल की शुरुआत में अपना दूसरा खिताब जीता।

सयाली ने कहा, यह एक अच्छा अनुभव था। आरसीबी के साथ यह मेरा पहला अनुभव था और हमने ट्रॉफी जीती। मुझे खुशी है कि मैं टीम की जीत में अपना योगदान दे पाई।

उन्होंने कहा, मैं कहूंगी कि आरसीबी का माहौल बहुत अच्छा था। हम एक परिवार की तरह थे। उतार-चढ़ाव के हर दौर में हर कोई एक-दूसरे के साथ खड़ा था। चाहे दिन अच्छा हो या बुरा, पूरी टीम एक साथ थी।

शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को बीसीसीआई के शीर्ष पुरस्कार से नवाजा गया

नई दिल्ली, (भाषा) भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को 2024-2025 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रविवार को यहां आयोजित बीसीसीआई नमन पुरस्कार 2026 समारोह में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग) चुना गया। गिल ने प्रतिष्ठित पॉली उमरीगर पुरस्कार जीता जबकि मंधाना को यह पुरस्कार पांचवीं बार मिला। गिल का यह दूसरा क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार है, इससे पहले उन्होंने 2023 में यह पुरस्कार जीता था। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सर्वोच्च सम्मान कर्नल सी के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके बेहतरीन योगदान को देखते हुए दिया गया।

गिल के लिए 2025 का साल बेहद शानदार रहा और उन्होंने क्रिकेट के लंबे प्रारूपों में खुद को टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज में से एक के तौर पर स्थापित किया।

गिल ने कहा, मैं सबसे पहले यह पुरस्कार देने के लिए बीसीसीआई का धन्यवाद करना चाहता हूं। भारतीय क्रिकेट के कई महान और दिग्गज खिलाड़ी पहले यह सम्मान प्राप्त कर चुके हैं इसलिए यहां होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। पिछले साल हमने भारतीय क्रिकेट टीम के रूप में जो हासिल किया, पांच आईसीसी ट्रॉफियां जीतना, वह वास्तव में शानदार था। मुझे नहीं लगता कि पहले ऐसा कभी हुआ होगा। उन्होंने कहा, मैं अपने साथियों का भी धन्यवाद करना चाहता हूं क्योंकि उनके बिना यह संभव नहीं होता। मैं अपने माता-पिता और परिवार का भी धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में मदद की। एक बार फिर धन्यवाद। इंग्लैंड दौरे पर कप्तान गिल ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम की अगुवाई करते हुए 10 पारियों में 75.40 के औसत से

शुभमन गिल और स्मृति मंधाना

कुल 754 रन बनाए जिससे वह श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इसमें चार शतक और 269 रन का उनका सर्वोच्च स्कोर भी शामिल था। पिछले साल भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में भी गिल ने अहम भूमिका निभाई थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश किया था। बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पहले मैच में उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए और पूरे टूर्नामेंट में कुल 188 रन बनाकर अपना अभियान समाप्त किया। मंधाना ने 2025 का समापन कुल 1,703 अंतरराष्ट्रीय रनों के साथ किया। इसमें वनडे में।,362 रन शामिल हैं जो किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा एक कैलेंडर वर्ष में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। ऐसा करके मंधाना महिला वनडे क्रिकेट के इतिहास में एक ही कैलेंडर वर्ष में।,000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। मंधाना ने कहा, मैं इस पुरस्कार के बारे में बात कर सकती हूं, लेकिन टीम का जिक्र किए बिना व्यक्तिगत उपलब्धियों के बारे में बात करना संभव नहीं है। यह वास्तव में एक शानदार साल रहा है। इसलिए धन्यवाद। बीसीसीआई ने जिस तरह महिलाओं के क्रिकेट का समर्थन किया, उसके लिए भी धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी और बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंचते रहेंगे। भारत को अपना पहला महिला विश्व कप खिताब दिलाने में भी मंधाना ने अहम योगदान दिया। उन्होंने नौ मैचों में कुल 434 रन बनाए और टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वह दूसरे स्थान पर रहीं। विश्व कप से पहले बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने नयी दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जड़कर किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज वनडे शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया और इस तरह उन्होंने विराट कोहली के 52 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

क्रिकेटर कुलदीप यादव मसूरी में वंशिका सिंह संग विवाह बंधन में बंधे

देहरादून,(भाषा)। भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव उत्तराखंड की पर्यटक नगरी मसूरी में अपनी मंगेतर वंशिका सिंह के साथ विवाह बंधन में बंध गए।शनिवार रात तक चलीं विवाह से संबंधित सभी रस्में शहर के मशहूर होटल द सेवॉय में हुईं जिसे क्रिकेटर की शादी के लिए विशेष रूप से सजाया गया था। विवाह में तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद कैफ, आरपी सिंह और सुरेश रैना जैसी क्रिकेट जगत की हस्तियां भी शामिल हुईं। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री भी विवाह समारोह में पहुंचे और उन्होंने वरवधू को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। कुलदीप हाल में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया

कराची,(भाषा)। भारत के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के दो प्रमुख टूर्नामेंट के फाइनल में जीत हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी कप्तान विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। सरफराज ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के रूप में खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बयान में संन्यास लेने की घोषणा की। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि सरफराज के संन्यास लेने की औपचारिक घोषणा के बाद अब पीसीबी उन्हें लंबी अवधि के लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर सकता है। पीसीबी ने ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था जिसके बाद से टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है। महमूद ने पिछले साल टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था।मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल में पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन टीमों का मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर नियुक्त किया गया था। सरफराज ने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल अक्टूबर ने खेला था। उन्होंने कहा कि वह अपनी अन्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तान की तीनों प्रारूप में कप्तानी करूंगा तथा 2006 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतूंगा।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया छोड़ने का फैसला किया

मेलबर्न,(एपी)। ऑस्ट्रेलिया के गृहमंत्री टोनी बर्क ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए शरणार्थी वीजा स्वीकार करने वाली ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने अपने वतन लौटने का फैसला किया है।

ईरान की महिला टीम की सात सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया के शरण लेने के प्रस्ताव को स्वीकार किया था लेकिन इनमें से अब केवल तीन सदस्य ही ऐसी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में रहने का फैसला किया है।

बर्क ने एक बयान में कहा, ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने भी ईरान वापस लौटने का फैसला किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों को अपने फैसले से अवगत कराया। इसके बाद खिलाड़ियों को विकल्पों पर विचार करने के लिए कई मौके दिए गए।

मध्य पूर्व में 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने से पहले ईरान की टीम पिछले महीने महिला एशियाई कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी।

शुरुआत में 26 खिलाड़ियों की टीम में से छह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की एक सदस्य ने ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए मानवीय आधार पर वीजा स्वीकार कर लिया था। ईरान की टीम के बाकी सदस्य नौ मार्च को सिडनी से मलेशिया के लिए रवाना हो गए थे।इसके बाद एक अन्य सदस्य ने अपना मन बदल दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ दिया था। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि टीम के तीन सदस्य शनिवार रात को सिडनी से कुआलालंपुर, मलेशिया के लिए रवाना हुए। टीम के बाकी सदस्य ऑस्ट्रेलिया छोड़ने के बाद से कुआलालंपुर में ही हैं।ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया छोड़ने वाले तीन सदस्यों में दो खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की कर्मचारी है। ईरान में टीम की सुरक्षा को लेकर चिंताएं तब और बढ़ गईं थी जब खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती मैच से पहले ईरानी राष्ट्रगान नहीं गाया था।ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले ईरानी समूह के लोगों और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया की सरकार से महिलाओं की मदद करने का आग्रह किया था।

ईरान की समाचार एजेंसी ने महिलाओं की वापसी को ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की इरादों की शर्मनाक नाकामी और ट्रंप के लिए एक और विफलता करार दी है।

विदेश मंत्री जयशंकर की ब्रसेल्स यात्रा शुरू

भारत-ईयू संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान

▶विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत होने की उम्मीद

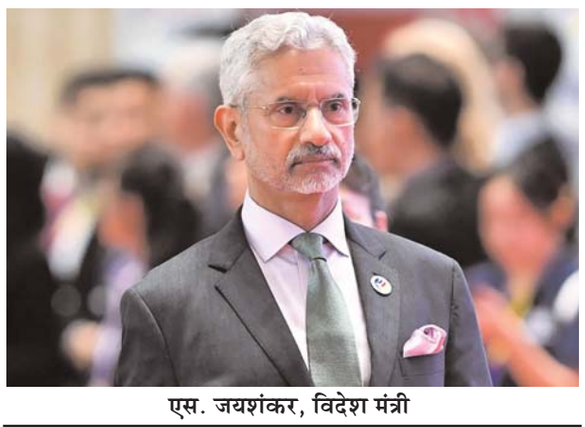

एस. जयशंकर, विदेश मंत्री

नई दिल्ली, (भाषा)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपीय यूनियन (ईयू) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ वार्ता के लिए रविवार को ब्रसेल्स का दो दिवसीय दौरा शुरू किया।जनवरी में दोनों पक्षों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर मुहर लगने के बाद भारत की ओर से ब्रसेल्स का यह पहला उच्चस्तरीय दौरा है।

ब्रसेल्स में ईयू का मुख्यालय है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कैलास के निमंत्रण पर बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जा रहे हैं, जहां वह 27 देशों वाले ईयू के विदेश मंत्रियों से एक बैठक के दौरान बातचीत करेंगे।

मंत्रालय ने कहा,'यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री यूरोपीय यूनियन के नेताओं और बेल्जियम तथा अन्य ईयू सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकें भी करेंगे'। मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा,'ऐतिहासिक 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के ठीक बाद हो रही विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत होने की उम्मीद है'।

भारत और यूरोपीय यूनियन ने 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईयू के शीर्ष नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

युद्ध का विस्तार करने की ईरान की धमकी के बीच खाड़ी देशों में मिसाइल एवं ड्रोन हमले

काहिरा,(एपी)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के दौरान ईरान द्वारा अपने हमलों का दायरा और व्यापक करने की धमकी दिए जाने के बीच, अरब खाड़ी देशों ने रविवार को उन पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की सूचना दी।इजराइल और अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था जिसके जवाब में कार्रवाई करते हुए ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर हमले किए। इस युद्ध के जल्द समाप्त होने के आसार नजर नहीं आ रहे और इसके कारण वैश्विक विमानन सेवाएं अस्त-व्यस्त हो गई है, तेल निर्यात बाधित हुआ है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है।

बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने रविवार को अपने निवासियों को चेतावनी दी कि वे उनकी ओर आ रहीं मिसाइल रोकने की दिशा में कदम उठा रहे हैं।

इससे पहले, ईरान ने लोगों से संयुक्त अरब अमीरात के तीन बंदरगाहों को खाली करने का आग्रह किया था।ईरान ने पश्चिम एशिया के सबसे व्यस्त बंदरगाह और संयुक्त अरब अमीरात के दो अन्य बंदरगाहों को खाली करने का आह्वान किया। यह पहली बार है जब ईरान ने किसी पड़ोसी देश की गैर-अमेरिकी परिसंपत्तियों पर हमले की खुले तौर पर धमकी दी।ईरान ने कोई साक्ष्य दिए बिना कहा कि अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात के मुख्य टर्मिनल वाले खार्ग द्वीप पर हमला करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में बंदरगाहों, डॉक और ठिकानों का इस्तेमाल किया। उसने लोगों से उन इलाकों को छोड़ने का आग्रह किया, जहां उसके अनुसार अमेरिकी बलों ने शरण ली है।इस बीच, लेबनान का मानवीय संकट और गहरा गया है। इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला चरमपंथियों के खिलाफ कई हमले किए जिनमें 800 से अधिक लोग मारे गए हैं और 8,50,000 लोग विस्थापित हुए हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के ईरान के प्रयास से प्रभावित देशों से आग्रह किया कि वे वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इस संकरे समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए पोत भेजें।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत भेजने का आग्रह करते हुए कहा कि अमेरिका तटरेखा पर बमबारी जारी रखेगा और ईरानी पोतों एवं नौकाओं को निशाना बनाएगा। ईरानी हमलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को प्रभावित किया है जो कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर के अंदर एक हेलीपैड पर मिसाइल से हमला हुआ जबकि संयुक्त अरब अमीरात में ईरान की रोकी गई मिसाइल का मलबा तेल संयंत्र पर गिर गया।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में इजराइली हमले में चार लोग मारे गए

काहिरा,(एपी)। युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में इजराइली हवाई हमले में रविवार को एक लड़के और उसकी गर्भवती मां सहित कम से कम चार फलस्तीनी मारे गए। अस्पताल अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, मध्य गाजा के शहरी शरणार्थी शिविर नुसेरात में एक घर पर यह हमला हुआ, जिसमें एक दंपति और उनके छोटे बेटे की मौत हो गई, जबकि मारे गए चौथे व्यक्ति को नुसेरात के अवदा अस्पताल ले जाया गया था।इस मामले पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।अक्टूबर में युद्धविराम समझौता हो जाने के बाद से तटीय क्षेत्र में फलस्तीनियों की मौत की यह ताजा घटना है। इस समझौते का उद्देश्य गाजा में इजराइल और हमास के बीच दो साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकना था।गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, हालांकि भीषण लड़ाई थम गई है, फिर भी इजराइल लगभग रोजाना गोलीबारी कर रहा है। इजराइली सेना ने बार-बार हवाई हमले किए हैं और सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्रों के पास फलस्तीनियों पर लगातार गोलीबारी की है, जिसमें 650 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

अमेरिकी सीनेट में चुनावी संबंधी विधेयक पर विचार की संभावना

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिकी सीनेट इस सप्ताह उस विधेयक पर विचार कर सकती है जिसके तहत संघीय चुनाव में मतदान करने के लिए पंजीकरण से पहले मतदाताओं को नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। सेव अमेरिका एक्ट के तहत मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने से पहले एक फोटो पहचान पत्र भी दिखाना होगा। यह विधेयक डाक द्वारा मतदान की व्यवस्था को केवल दिव्यांगजन, बीमार, सैन्य सेवा में कार्यरत या यात्रा कर रहे लोगों तक सीमित करेगा।अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की वेबसाइट के अनुसार, भारत और ब्राजील पहले ही मतदाता पहचान पत्रों को बायोमेट्रिक डेटाबेस से जोड़ चुके हैं, जबकि अमेरिका में मतदान करने की अनुमति से पहले नागरिकता के लिए स्व-सत्यापन पर निर्भर रहना पड़ता है।ट्रंप ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर कहा था, रिपब्लिकन पार्टी को पूरे जोश से और हर कीमत पर सेव अमेरिका एक्ट लागू करना ही होगा - और वह भी इसका कमजोर संस्करण नहीं। यह हमारे राष्ट्र के लिए एक निर्णायक लड़ाई है।

वेस्ट बैंक में एक कार पर गोलीबारी, चार लोगों की मौत

रामल्ला (वेस्ट बैंक),(एपी)। उत्तरी पश्चिमी तट में इजराइली सैनिकों ने एक कार पर गोलीबारी की, जिससे उसमें सवार दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।फलस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी ने बताया कि ईद-उल-फितर के लिए नए कपड़े खरीदने निकले परिवार पर शनिवार देर रात गोली चलाई गई। इजराइल ने कहा कि वह गोलीबारी की जांच कर रहा है।फलस्तीनी रेड क्रिसेंट राहत सेवा ने कहा कि अली और वाएद ओदेह और उनके चार बच्चों में से दो को सिर में गोली लगी थी।समूह ने कहा कि ओदेह परिवार के दो जीवित बच्चों को छर्रे के घाव लगे थे, जिनका उपचार बचाव दल ने घटनास्थल तक पहुंचने की अनुमति मिलने के बाद की।

वियतनाम: नेशनल एसेंबली के चुनाव के लिए किया मतदान

हनोई,(एपी)। वियतनाम में मतदाताओं ने रविवार को नई नेशनल एसेंबली के चुनाव के लिए मतदान किया। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा नेता तो लाम को देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर पुन: निर्वाचित किए जाने के दो महीने बाद यह मतदान हुआ। देश भर में लगभग 7.90 करोड़ मतदाता नेशनल एसेंबली के लिए 864 उम्मीदवारों में से 500 प्रतिनिधियों को चुनने के पात्र हैं।सभी उम्मीदवारों को कम्युनिस्ट पार्टी ने पहले ही मंजूरी दे दी है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि एसेंबली पार्टी की राजनीतिक दिशा के अनुरूप बनी रहे। कम्युनिस्ट पार्टी राजनीतिक गतिविधियों को यह दलील देते हुए सख्ती से नियंत्रित करती है कि केंद्रीकृत नेतृत्व देश को बिना किसी बाधा के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

ईरान के तेल संयंत्रों पर हमलों के बाद काली बारिश से जनता को खतरा

▶विश्व स्वास्थ्य संगठन और ईरान के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और मास्क पहनने की सलाह दी

दुबई,(एपी)। अमेरिका व इजराइल के ईरान के तेल भंडारों पर किये गये हवाई हमलों कारण उठे जहरीले धुएं के बादल धरती पर काली बारिश हुई।

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसके मद्देनजर जनता के लिए गंभीर खतरों की चेतावनी जारी की है।

पिछले हफ्ते ईरान के कई तेल डिपो और एक रिफाइनरी पर हमले के बाद तेहरान के पास काली और तैलीय बारिश हुई, जिससे राजधानी के निवासियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की।

दो सप्ताह से जारी युद्ध के दौरान क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी काले धुएं के गुबार देखे गए।

ईरान भी फारस की खाड़ी के पड़ोसी देशों के तेल और प्राकृतिक गैस भंडारों पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी-इजराइली हवाई हमलों का जवाब दे रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश अपेक्षाकृत कम समय में वायुमंडल से खतरनाक रसायनों को साफ कर देती है लेकिन काली बारिश के संपर्क में आने वाले लोगों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

यह तब होता है, जब राख और जहरीले रसायन वायुमंडल में पानी की बूंदों के साथ मिलकर बारिश के दौरान वापस पृथ्वी पर गिरते हैं।तेल रिफाइनरियों या तेल क्षेत्रों में आग लगने के बाद यह आम बात है और यह जंगल की आग, ज्वालामुखी विस्फोट व औद्योगिक प्रदूषण के कारण भी हो सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि राख के छोटे कण मानव बाल की चौड़ाई से लगभग 40 गुना छोटे होते हैं और यह फेफड़ों में गहराई तक जम सकते हैं व रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे सांस लेने और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं जो समय से पहले मृत्यु का कारण बन सकती हैं।

पीएएच के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और ईरान के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और मास्क पहनने की सलाह दी।उन्होंने चेतावनी दी कि बारिश का पानी अत्यधिक अम्लीय है और त्वचा को जला सकता है तथा फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है।

उत्तर कोरिया के नेता किम ने अपनी बेटी के साथ रॉकेट प्रक्षेपण प्रणालियों का परीक्षण देखा

सियोल,(एपी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ बहु रॉकेट प्रक्षेपण प्रणालियों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।इसे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के जारी सैन्य प्रशिक्षण के संभावित जवाब के रूप में देखा जा रहा है।उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का जवाब देने की हाल में धमकी दी थी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास जारी है। दोनों देश के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को उत्तर कोरिया अपने ऊपर आक्रमण की तैयारी बताता रहा है।सरकारी कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि किम ने शनिवार को उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के पास 12 अति-सटीक 600 मिमी कैलिबर के रॉकेट प्रक्षेपकों के परीक्षण को देखा।

दक्षिण कोरिया की सेना ने शनिवार को जानकारी दी थी कि उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं।दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इन प्रक्षेपणों को ऐसा उकसावे वाला कदम बताया जो उत्तर कोरिया की किसी भी बैलिस्टिक गतिविधि पर रोक लगाने संबंधी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करता है। केसीएनए ने किम के हवाले से कहा कि यह अभ्यास 420 किलोमीटर (260 मील) की मारक क्षमता के भीतर आने वाले दुश्मनों को बेचैन कर देगा और उन्हें हमारे सामरिक परमाणु हथियार की विनाशकारी शक्ति अच्छे से समझ आ जाएगी।उनका इशारा संभवत: दक्षिण कोरिया और दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों की ओर था। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा, अगर इस हथियार का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसकी मारक क्षमता के दायरे में आने वाला प्रतिद्वंद्वी का सैन्य बुनियादी ढांचा किसी भी तरह बच नहीं सकता। केसीएनए की तस्वीरों में किम और उनकी बेटी विशाल जैतूनी-हरे रंग के प्रक्षेपण ट्रकों के पास चलते हुए और उनसे दागे जा रहे हथियारों को देखते हुए नजर आ रहे हैं।ऐसा बताया जाता है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ की आयु लगभग 13 साल है और वह 2022 के अंत से ही सैन्य परेड और हथियार प्रक्षेपण सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी नामित करने वाले हैं।

ताइवान ने द्वीप के पास चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी देखी

हांगकांग,(एपी)। ताइवान ने द्वीप के निकट बड़े पैमाने पर चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी देखी है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।ताइवान के मुताबिक पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में चीनी सैन्य विमानों की गतिविधि में आई भारी गिरावट के बाद यह वृद्धि देखी गई है। इसने कहा कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए।विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।ताइवान ने 27 फरवरी से पांच मार्च तक एक सप्ताह के दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान के मध्य रेखा को पार करके क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना नहीं दी। छह मार्च को दो मामले सामने आने के बाद, अगले चार दिनों तक कोई मामला नहीं आया। ताइवान की सेना ने पहले संकेत दिया था कि चीनी युद्धक विमानों की गतिविधि में कमी के कारण वह अपनी रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने इससे पहले कहा था कि सैन्य उड़ानों में कमी आने के बावजूद चीन की नौसेना आसपास के जलक्षेत्र में सक्रिय बनी हुई है।

यूएई में भ्रामक वीडियो क्लिप प्रसारित करने के आरोप में 10 लोगों पर मुकदमे का आदेश

दुबई, (भाषा)। ईरान में युद्ध के कारण क्षेत्रीय तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोशल मीडिया मंच पर भ्रामक और मनगढ़ंत सामग्री वाले वीडियो क्लिप प्रसारित करने के आरोप में विभिन्न देशों के 10 नागरिकों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ तत्काल मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया है।देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी अमीरात समाचार एजेंसी (डब्ल्यूएएम) द्वारा जारी एक बयान में यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमाद सैफ अल शम्सी ने कहा कि क्षेत्रीय घटनाक्रम के मद्देनजर डिजिटल मंचों की निरंतर निगरानी के बाद यह कार्रवाई की गई है। अटॉर्नी जनरल ने आरोपियों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं का फायदा उठाकर गलत सूचना फैलाई गई है, जिसका मकसद जनता को जानबूझकर गुमराह करना और राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यवस्था एवं स्थिरता को कमजोर करना है।

डॉ. अल शम्सी ने कहा कि विचाराधीन आरोपियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके बनाए गए वीडियो फुटेज प्रसारित किए जिनमें यूएई के विभिन्न क्षेत्रों में विस्फोटों, प्रमुख स्थलों पर हमलों या धुआं उठते हुए विशाल आग का भ्रामक संकेत दिया गया था।उन्होंने कहा, कुछ फुटेज में देश के भीतर सैन्य ठिकानों के नष्ट होने का दावा किया गया या विदेशी घटनाओं को यूएई के स्थानों से जोड़ा गया। इनका उद्देश्य लोगों को गुमराह करना और भय फैलाना था। उनके अनुसार, लोक अभियोजन ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और उन्हें हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

सुप की व्यवस्था में समस्या स्वीकार करने की जरूरत: गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र, (भाषा)। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि यह स्वीकार करना आवश्यक है कि सुरक्षा परिषद की व्यवस्था में समस्या है और यह वर्तमान दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती तथा स्थायी सदस्यों द्वारा वीटो का इस्तेमाल किए जाने के कारण संघर्षों को रोकने में असमर्थ है।गुतारेस ने शनिवार को बेरूत में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि सुरक्षा परिषद के साथ एक समस्या है। आज सुरक्षा परिषद मौजूदा विश्व का प्रतिनिधित्व नहीं करती। यह दरअसल 1945 के बाद के विश्व का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि 15 देशों की परिषद में तीन स्थायी सदस्य यूरोप से, एक एशिया से और एक अमेरिका से हैं, जबकि अफ्रीका या लैटिन अमेरिका से कोई स्थायी सदस्य नहीं है।उन्होंने कहा, इसलिए, वीटो के कारण परिषद को वैधता और दक्षता दोनों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हमने बार-बार देखा है कि जब भी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है और उसे रोकना आवश्यक होता है, तो कोई देश वीटो का इस्तेमाल कर लेता है और सुरक्षा परिषद कार्रवाई नहीं कर पाती।

गुतारेस ने कहा, दुर्भाग्य से, यह एक ऐसी चीज है जिसे हम बार-बार देख रहे हैं और मुझे उम्मीद नहीं है कि निकट भविष्य में स्थिति में कोई बदलाव आएगा। परिषद में चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका वीटो शक्ति वाले पांच स्थायी सदस्य हैं, जबकि 10 अस्थायी सदस्य दो साल के कार्यकाल के लिए निर्वाचित होते हैं और उनके पास वीटो शक्ति नहीं होती।भारत सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करने के प्रयासों में दशकों से अग्रणी रहा है जिसमें इसकी स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार की मांग शामिल है।भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य का हकदार है।

नेपाल में सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत, सात अन्य घायल

काठमांडू, (भाषा)। नेपाल के मध्य क्षेत्र में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई।

पुलिस के अनुसार, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी तभी गोरखा जिले में सड़क से नीचे गिर गई।

गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं।

जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। हिमालयन टाइम्स के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस घटना में घायल हो गया।

संवाद तंत्र कैसे काम करता है और सुनने में कठिनाई वाले लोग अनुमान पर क्यों ज्यादा निर्भर होते हैं

शेफील्ड,(द कन्वरसेशन)। ऑस्कर वाइल्ड ने लिखा था अंतत: विवाह हो या मित्रता, सभी प्रकार के संबंधों का आधार संवाद ही होता है। हम अक्सर बातचीत को सहज मानते हैं। लेकिन इस सहजता के पीछे समन्वय का एक असाधारण कौशल छिपा होता है सुनने और बोलने का एक बारीक तालमेल। मन में एक शब्द याद करके उसे बोलने में कम से कम 600 मिलीसेकंड लगते हैं। फिर भी, चाहे वे किसी भी भाषा में बात कर रहे हों, एक व्यक्ति के बोलने की बारी समाप्त होने और दूसरे के बोलने की बारी शुरू होने के बीच का सामान्य अंतराल लगभग 200 मिलीसेकंड होता है। इसका मतलब यह है कि हम अक्सर इतनी जल्दी बोलना शुरू कर देते हैं कि दूसरे व्यक्ति के बोलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया की योजना बनाने का समय ही नहीं मिल पाता। पता नहीं कैसे, हमारा दिमाग हमेशा बातचीत से आगे रहता है। हम इसे कैसे संभालते हैं? वाक्य के समाप्त होने का इंतजार करने के बजाय, हम लगातार अनुमान लगाते रहते हैं कि वह वाक्य कैसे समाप्त होगा। ब्रिटेन और जर्मनी में सहकर्मियों के साथ किए गए एक अध्ययन में हमने पाया कि सुनने की क्षमता में कुछ कमी वाले लोग बातचीत को सुचारू रूप से चलाने के लिए अक्सर इन पूर्वानुमानित संकेतों पर अधिक निर्भर रहते हैं। लेकिन समय के साथ, इसके लिए आवश्यक प्रयास के अन्य नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। स्मार्टफोन आमतौर पर शब्दों का अनुमान लगाने के लिए केवल एक शब्द के बाद दूसरे शब्द आने की साधारण संभावना पर निर्भर करते हैं, जबकि इंसान का अनुमान इससे कहीं अधिक गहरा और व्यापक होता है। इसका अर्थ है कि बातचीत को समझते समय हम केवल शब्दों की संभावनाओं पर ही निर्भर नहीं रहते, बल्कि वक्ता के बारे में अपनी जानकारीजैसे वह कौन है, उसकी पसंद-नापसंद क्या है और वह आमतौर पर किस तरह बोलता हैको भी ध्यान में रखते हैं। साथ ही हम आसपास के माहौल और बातचीत के व्यापक विषय को जोड़कर पूरी बात का सही अर्थ समझने की कोशिश करते हैं। भविष्यवाणी हमें यह निर्धारित करने में भी मदद करती है कि हम कब बोल सकते हैं। वाक्य के आगे बढ़ने के साथ-साथ, हम उसकी संरचना, लय, धुन और संभावित अंतिम शब्दों का अनुमान लगाते हैं। बातचीत का सूक्ष्म समन्वय इस बात पर निर्भर करता है कि हमारे मस्तिष्क में पूर्वानुमान, प्रतिक्रिया नियोजन और समय निर्धारण के लिए पर्याप्त संज्ञानात्मक संसाधन हों। लेकिन जब सुनने में कठिनाई बढ़ जाती है, तो मस्तिष्क को ध्वनियों और शब्दों को पहचानने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे उसके संसाधन सीमित हो जाते हैं। पचपन वर्ष से अधिक आयु के लगभग आधे लोगों के लिए, सुनने की क्षमता में कमी रोजमर्रा की बातचीत को मस्तिष्क के लिए अधिक कठिन बना देती है। उच्च स्तरीय वार्तालाप प्रक्रियाओं के लिए कम संसाधन उपलब्ध होने के कारण, लगभग 200 मिलीसेकंड की बारी-बारी से बोलने की लय को बनाए रखना कठिन हो जाता है। इससे बातचीत में लंबे और अधिक व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। हमारे अध्ययन ने 50 से 80 वर्ष की आयु के लोगों का परीक्षण करके इन संभावनाओं को स्पष्ट किया, जिनमें से कुछ को हल्की से मध्यम स्तर की श्रवण हानि थी। हमने उन्हें सुनने की ऐसी स्थितियों में परखा, जिनमें आरामदायक, स्पष्ट भाषण से लेकर ऐसी स्थितियां शामिल थीं, जहां भाषण मुश्किल से ही समझ में आ रहा था।

चीन की ओर से ईंधन निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध ऑस्ट्रेलियाई हवाई यात्रियों के लिए बेहद चिंताजनक

मेलबर्न,(द कन्वरसेशन) चीन द्वारा तेल शोधकों को सभी ईंधन निर्यात रोकने के निर्देश दिए जाने की खबरों के बीच ऑस्ट्रेलिया में तरल ईंधन की कमी और कीमतों में वृद्धि की आशंका है। इससे ईरान संघर्ष की अवधि और तेल आपूर्ति पर इसके प्रभाव को लेकर वैश्विक स्तर पर बनी अनिश्चितता और भी बढ़ गई है। ऑस्ट्रेलियाई दैनिक ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू ने शुक्रवार को बताया कि चीन ने तेल रिफाइनरी को सभी निर्यात रोकने के बारे में सूचित किया है जिससे ऑस्ट्रेलिया को भेजे जाने वाले कम से कम दो मालवाहकों को लेकर संदेह पैदा हो गया है।विश्व के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में दो परिवहन जहाजों को नष्ट कर दिया गया है, जिससे संघर्ष जारी रहने के दौरान भविष्य में इन जहाजों की यात्रा को लेकर आशंका बढ़ गई है।इसका मतलब यह है कि चीन जैसी एशियाई रिफाइनरियों को तेल की आपूर्ति में काफी कमी आ सकती है।चीन ने रिफाइनरियों को सभी ईंधन मालवाहकों को रोकने को कहा एशियाई देशों को अपने तेल का 90 प्रतिशत तक हिस्सा पश्चिम एशिया से मिलता है। तरल ईंधन का शुद्ध आयातक होने के नाते ऑस्ट्रेलिया एशियाई रिफाइनरियों से होने वाले निर्यात पर अत्यधिक निर्भर है।विमानन विशेषज्ञ काफी समय पहले ऑस्ट्रेलिया में जेट ईंधन की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बारे में चेतावनी दे चुके हैं।इससे चीन द्वारा ऑस्ट्रेलिया को जेट ईंधन का निर्यात रोकने का कोई भी निर्णय बेहद चिंताजनक हो जाता है। 2025 में ऑस्ट्रेलिया ने अपने जेट ईंधन का लगभग 32 प्रतिशत चीन से आयात किया था। इन निर्यातों के बिना ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण कोरिया, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया और भारत जैसे अन्य देशों की ओर रुख करना होगा। हालांकि, ये देश भी पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव का सामना कर रहे हैं। जब भंडार वास्तव में मायने रखते हैं यदि ऐसा होता है, तो ऑस्ट्रेलिया को जेट ईंधन के अपने रणनीतिक भंडार पर निर्भर रहना होगा क्योंकि उसके पास घरेलू रिफाइनरी क्षमता बहुत कम है। दुर्भाग्य से ये भंडार पर्याप्त नहीं हैं।मार्च 2026 के मध्य तक उद्योग, विज्ञान और संसाधन विभाग ने पुष्टि की कि ऑस्ट्रेलिया के पास लगभग 29 से 32 दिनों के जेट ईंधन का भंडार है जो लगभग 80.2 करोड़ लीटर के बराबर है।ऑस्ट्रेलिया की उड़ानों का क्या होगा?ऑस्ट्रेलिया की जेट ईंधन आपूर्ति श्रृंखला दीर्घकालिक भंडारण के बजाय निरंतर टैंकर आपूर्ति पर आधारित है। बड़े हवाई अड्डे जेट ईंधन को टैंक फार्मों में संग्रहित करते हैं जिनमें कई भंडारण टैंक होते हैं जो पाइपलाइनों से जुड़े होते हैं। इन केंद्रों में एक समय में केवल कुछ हफ्तों का जेट ईंधन ही रखा जा सकता है।इसका मतलब है कि यदि नई आपूर्ति नहीं आती है तो हवाई अड्डों में ईंधन जल्दी खत्म हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया द्वारा तरल ईंधन के अपने सुरक्षा भंडार को नहीं बढ़ाने के कई कारण हैं। इनमें घरेलू शोधन क्षमता में गिरावट, सस्ते वैश्विक स्रोतों पर निर्भरता और ईंधन भंडारण से जुड़ी लागत और स्थान की कमी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया में जेट ईंधन के सबसे बड़ा उपभोक्ता ट्रांटास एयरलाइन ने संकेत दिया है कि उसे किराए बढ़ाने पड़ेंगे, हालांकि फिलहाल उड़ानें रद्द नहीं की गई हैं।एयर न्यूजीलैंड ने ईंधन की कीमतों और आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण पहले ही अपनी सेवाओं से।,100 उड़ानें कम कर दी हैं। आशंका है कि इससे निकट भविष्य में हवाई किराए में वृद्धि, ईंधन अधिभार, उड़ानों में कमी और रद्द होने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

फरवरी में भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात 3.86 प्रतिशत बढ़कर 268.07 करोड़ डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)। भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात फरवरी में सालाना आधार पर 3.86 प्रतिशत बढ़कर 268.07 करोड़ डॉलर (24,340.05 करोड़ रुपये) हो गया।

उद्योग संगठन रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अनुसार अन्य बाजारों में विस्तार के कारण निर्यात में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। परिषद के आंकड़ों के अनुसार, एक वर्ष पहले इसी महीने में कुल निर्यात 258.10 करोड़ डॉलर (22,460.13 करोड़ रुपये) रहा था।

अप्रैल, 2025 से फरवरी, 2026 के दौरान कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात लगभग स्थिर रहा और यह 2,593.37 करोड़ डॉलर (2,28,230.06 करोड़ रुपये) रहा, जबकि इससे एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 2,591.58 करोड़ डॉलर (2,18,737.62 करोड़ रुपये) था। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि बीता वर्ष वैश्विक रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। इस दौरान अमेरिका की शुल्क नीतियों में बदलाव, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और प्रमुख बाजारों में उपभोक्ताओं की बदलती पसंद जैसे कारकों का प्रभाव रहा।

उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद भारत के रत्न एवं आभूषण क्षेत्र ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है।

भंसाली ने कहा कि निर्यातकों ने सक्रिय रूप से नए बाजारों में विस्तार किया है और संयुक्त अरब अमीरात तथा ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अपनी मौजूदगी मजबूत की है, जहां मुक्त व्यापार समझौतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं हांगकांग जैसे बाजारों से भी निरंतर मजबूत समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की शुल्क व्यवस्था में हाल के बदलावों से जड़े हुए आभूषण खंड को कुछ सहारा मिला है। हालांकि, उद्योग प्राकृतिक हीरों और कुछ पत्थरों की श्रेणियों पर अंतिम शुल्क व्यवस्था को लेकर अधिक स्पष्टता का इंतजार कर रहा है। मौजूदा अमेरिकी आदेश के तहत इन पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया है।

परिषद के आंकड़ों के अनुसार, तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात फरवरी में मामूली 0.84 प्रतिशत घटकर 135.12 करोड़ डॉलर (12,268.05 करोड़ रुपये) रह गया, जो एक वर्ष पहले इसी महीने में 136.27 करोड़ डॉलर (11,860.71 करोड़ रुपये) था।

प्रयोगशाला में तैयार पॉलिश हीरों का निर्यात पिछले महीने 1.85 प्रतिशत बढ़कर 11.37 करोड़ डॉलर (1,033.03 करोड़ रुपये) हो गया, जो एक वर्ष पहले 11.17 करोड़ डॉलर (972.04 करोड़ रुपये) था।

सोने के आभूषणों का कुल निर्यात पिछले महीने 3.23 प्रतिशत बढ़कर 92.89 करोड़ डॉलर (8,432.16 करोड़ रुपये) हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 89.98 करोड़ डॉलर (7,828.05 करोड़ रुपये) था।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए रिफाइनरी कीमतों पर रोक की तैयारी

नई दिल्ली, (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि नहीं करने की वजह से उन्हें हो रहे घाटे को कम करने के लिए रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल की आयातित दरों से कम कीमत देने पर विचार कर रही हैं।

इस कदम से एमआरपीएल, सीपीसीएल और एचएमएल जैसी एकल रिफाइनरी कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया संकट से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर के पार पहुंच गई हैं। हालांकि, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को इस बढ़ोतरी का बोझ खुद उठाना पड़ रहा है।मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि ओएमसी अब रिफाइनरी हस्तांतरण शुल्क (आरटीपी) पर रोक लगाने या उस पर छूट तय करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। आरटीपी वह आंतरिक कीमत होती है, जिस पर रिफाइनरियां अपने विपणन खंड को ईंधन बेचती हैं। इस कदम का मकसद रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल की आयात-समता लागत से कम भुगतान करना है।

यदि वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो इस प्रस्तावित कदम से रिफाइनरियां कच्चे तेल की बढ़ी हुई लागत का पूरा बोझ आरटीपी के जरिये आगे नहीं बढ़ा पाएंगी और उन्हें इस प्रभाव का एक हिस्सा खुद वहन करना होगा। सूत्रों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) जैसी एकीकृत कंपनियां अपने रिफाइनिंग और विपणन परिचालन के बीच इस घाटे की भरपाई कर सकती हैं।

दूसरी ओर मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) जैसी एकल रिफाइनरियों का खुदरा बाजार में नहीं के बराबर दखल है और वे अपना अधिकांश उत्पादन इन्हीं तीन ओएमसी को बेचती हैं। ऐसे में उनके मार्जिन पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ने से बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली, (भाषा)। ईरान तथा अमेरिका एवं इजराइल के बीच युद्ध जारी रहने तथा खाड़ी देशों से मालवाहक पोतों की आवाजाही लगभग ठप होने के चलते कच्चे तेल एवं खाद्य तेलों की आपूर्ति घटने की आशंकाएं बढ़ने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह लगभग सभी खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतों में मजबूती का रुख रहा। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में पिछले सप्ताह बाजार मजबूत होने तथा खाद्य तेल एवं रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित रहने की आशंकाओं के बीच मांग में अचानक उछाल आया है। इसके अलावा बीते सप्ताहांत सरकार ने खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में भी घट-बढ़ की है। इसके कारण विशेषकर सोयाबीन तेल-तिलहन तथा कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम मजबूत हो गये। सॉफ्ट ऑयल में सूरजमुखी और मूंगफली से सस्ता होने की वजह से बिनौला तेल की मांग बढने से इसके दाम मजबूती दर्शाते बंद हुए। उन्होंने कहा कि कांडला बंदरगाह पर पहले सोयाबीन डीगम तेल के मुकाबले पाम-पामोलीन का दाम का अंतर लगभग 100 डॉलर प्रति टन नीचे था लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ यह अंतर अब घटकर 10-20 डॉलर प्रति टन का ही रह गया है। ऐसे में सरकार को समय रहते सोयाबीन की बिक्री तुरंत रोकने तथा सरसों की यथासंभव खरीद शुरू करने के बारे में विचार करना चाहिये। मुश्किल के इस वक्त में सोयाबीन का स्टॉक रखना बहुत जरूरी है। इससे किसानों का मनोबल भी बना रहेगा और बिजाई का रकबा प्रभावित नहीं होगा। जरूरत की स्थिति में सरकार बाजार हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाल भी सकेगी। इसी प्रकार सरकार को मूंगफली का भी स्टॉक रखने के लिए इसकी बिक्री रोक देनी चाहिये। सरसों और मूंगफली तेल का कोई विकल्प भी नहीं है। सूत्रों ने कहा कि आयात कम होने की वजह से आज सूरजमुखी तेल बंदरगाह पर 10-11 रुपये प्रति किलो के प्रीमियम पर बिक रहा है। इसकी रिफाइनिंग लागत और मुनाफा जोड़ने के बाद दाम 162 रुपये किलो बैठता है लेकिन युद्ध संकट के कारण आयात कम होने की वजह से यह 172-173 रुपये किलो के भाव बिक रहा है। ऐसे किसी वक्त से निपटने के लिए सोयाबीन, मूंगफली का स्टॉक रखना हितकारी हो सकता है। इस दिशा में सरकार को जल्द से जल्द सरसों की खरीद करते हुए इसका पर्याप्त स्टॉक बना लेना चाहिये। बेशक इसके लिए किसानों को कुछ बोनस भी देकर खरीद की जा सकती है। अभी बाजार में स्टॉकिस्ट भी सक्रिय हैं जिनके हाथ बिक्री होने से सरकार के पास स्टॉक जमा नहीं हो पायेगा और कीमत बढ़ने पर वह बाजार हस्तक्षेप करने की स्थिति में नहीं होगी। यह भी ध्यान रखना होगा कि एक ओर तो बाजार में स्टॉक कम है दूसरी ओर, देश में खपत हर साल लगभग पांच प्रतिशत बढ़ जाती है। देश के प्रमुख तेल संगठन सोपा ने भी इस संदर्भ में अपनी चिंता रखी है। सोपा ने कहा कि पिछले साल 25 फरवरी को हमारे देश में सोयाबीन का स्टॉक 68 लाख टन का था तो वर्ष 2026 के फरवरी महीने में घटकर मात्र 58.41 लाख टन ही रह गया है। यह स्थिति भी हमें विशेषकर युद्ध के माहौल में तिलहनों का स्टॉक बनाकर रखने की जरूरत को रेखंकित करती है।सूत्रों ने कहा कि कपास नरमा की आवक भी कल 80-90 हजार गांठ से घटकर शनिवार को 60 हजार गांठ रह गई जिससे बीते सप्ताहांत बिनौला तेल कीमत में भी सुधार देखने को मिला। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 6,700-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,495 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

संकट के बीच निर्यात खेप के लिए अग्रिम योजना बना रहे हैं निर्यातक

नई दिल्ली, (भाषा)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण निर्यात पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए निर्यातक और लॉजिस्टिक्स कंपनियां पोत परिवहन कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, अपनी खेप की पहले से योजना बना रही हैं और वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रही हैं। निर्यातकों का कहना है कि कारोबारी हालात को देखते हुए कंपनियां अपने भंडार, अनुबंध और खेप की समय-सारिणी में भी लचीलापन ला रही हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर जल्दी बदलाव किया जा सके।उद्योग से जुड़े लोगों के अनुसार, नियमित सलाह जारी करना, अतिरिक्त शुल्क को लेकर शिपिंग या माल ढुलाई वाले जहाज का परिचालन करने वाली कंपनियों से बातचीत करना, कंटेनर की उपलब्धता सुनिश्चित करना और अनुपालन की समय-सीमा में लचीलापन देना जैसे कदम इस संकट से निपटने में उद्योग के लिए मददगार हो सकते हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि उद्योग संगठनों और सरकार के बीच लगातार संवाद बनाए रखना भी जरूरी है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा, 'हालात में फिलहाल सुधार नहीं दिख रहा है, लेकिन हम अपने निर्यात को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। पोत परिवहन कंपनियों को इस स्थिति का अनुचित फायदा नहीं उठाना चाहिए।' पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति, भारत के निर्यात के लिए अनिश्चितता पैदा कर रही है। इसका असर निर्यात खेप भेजने के कार्यक्रम, लागत, बीमा प्रीमियम और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहा है। निर्यातक बदलते हालात पर नजर रखे हुए हैं, क्योंकि अतिरिक्त शुल्क और लंबा परिवहन समय माल की आवाजाही को प्रभावित कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया के हालात, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

नई दिल्ली, (भाषा)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के फैसले और मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक स्तर पर कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों और आंकड़ों से भरा है। उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विशेष नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों पर उनका प्रभाव बाजार की समग्र दिशा को प्रभावित कर सकता है। घरेलू मोर्चे पर, बाजार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, व्यापार संतुलन के आंकड़े और विदेशी मुद्रा भंडार जैसे प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों पर नजर रखेंगे।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने बताया कि वैश्विक जोखिम धारणा बिगड़ने, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण भारतीय बाजार पिछले सप्ताह भारी दबाव में रहे।

पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 4,354.98 अंक या 5.51 प्रतिशत टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी में।,299.35 अंक या 5.31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। पिछले महीने 27 फरवरी से अब तक सेंसेक्स 6,723.27 अंक या 8.27 प्रतिशत नीचे आ चुका है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी गतिरोध वैश्विक कच्चे तेल आपूर्ति को सख्त बना सकता है, जिससे एशिया में मुद्रास्फीति बढ़ सकती हैं।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में काफी उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है। पश्चिम एशिया के संघर्ष के कारण पोत परिवहन में होने वाली किसी भी देरी के चलते भारत जैसे उभरते बाजारों में वैश्विक पूंजी आवंटन पर असर पड़ सकता है।

विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े में घरेलू शेयरों से लगभग 52,704 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसका मुख्य कारण पश्चिम एशिया में तनाव, रुपये की कमजोरी और भारतीय वृद्धि दर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का प्रभाव है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि इस सप्ताह निवेशकों की नजर यूरो क्षेत्र के सीपीआई आंकड़ों, बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के नीतिगत फैसलों तथा अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों पर भी रहेगी।

आईपीओ लाने वाली कंपनियों के लिए सार्वजनिक निर्गम नियमों में संशोधन

नई दिल्ली, (भाषा)। वित्त मंत्रालय ने शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों के न्यूनतम सार्वजनिक निर्गम से संबंधित नियमों में संशोधन किया है और इसे निर्गम के बाद की पूंजी से जोड़ दिया है।

इस महीने की 13 तारीख को अधिसूचित प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) संशोधन नियम, 2026 के अनुसार, जिन कंपनियों की निर्गम के बाद की पूंजी।,600 करोड़ रुपये से अधिक और 5,000 करोड़ रुपये से कम है, उन्हें सूचीबद्ध होने के तीन साल के भीतर अपनी सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत करनी होगी। ऐसा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा तय तरीके से किया जाएगा। नियमों में आगे कहा गया है कि निर्गम के बाद की सीमा चाहे कुछ भी हो, सूचीबद्ध होने के समय प्रतिभूतियों के प्रत्येक वर्ग का कम से कम 2.5 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक रूप से पेश किया जाना चाहिए। संशोधन के अनुसार, यदि किसी कंपनी के निर्गम के बाद उसकी पूंजी।,600 करोड़ रुपये तक है, तो कंपनी द्वारा जारी किए गए प्रत्येक वर्ग के इक्विटी शेयरों या परिवर्तनीय ऋण पत्र का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक रूप से पेश करना अनिवार्य होगा।अगर यह पूंजी।,600 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 4,000 करोड़ रुपये से कम है, तो कंपनी को 4,000 करोड़ रुपये के बराबर शेयर पेश करने होंगे। जिन कंपनियों की निर्गम के बाद की पूंजी 4,000 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 5,000 करोड़ रुपये के बराबर या उससे कम है, उनके लिए सार्वजनिक पेशकश कंपनी द्वारा जारी इक्विटी शेयरों या परिवर्तनीय ऋण पत्र के प्रत्येक वर्ग का कम से कम 10 करोड़ होना चाहिए। वहीं, 5,000 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन एक लाख करोड़ रुपये से कम या उसके बराबर की पूंजी वाली कंपनियों को।,000 करोड़ रुपये के बराबर शेयर और प्रत्येक वर्ग के कम से कम आठ प्रतिशत शेयर जनता को देने होंगे। इन कंपनियों को सूचीबद्ध होने के पांच साल के भीतर अपनी सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाकर कम से कम 25 प्रतिशत करनी होगी। इसी तरह निर्गम के बाद पांच लाख रुपये से अधिक की पूंजी वाली कंपनी को कम से कम।,500 करोड़ रुपये के शेयरों के बराबर और उनके द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक वर्ग के शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर के कम से कम एक प्रतिशत बराबर शेयर जारी करने होंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 4.48 लाख करोड़ रुपये की भारी गिरावट

नई दिल्ली, (भाषा)। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 4.48 लाख करोड़ रुपये की भारी गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक को हुआ।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 4,354.98 अंक या 5.51 प्रतिशत नीचे आ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी।,299.35 अंक या 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच महंगाई के दबाव और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे स्थानीय शेयर बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। समीक्षाधीन सप्ताह में एसबीआई का बाजार मूल्यांकन सबसे ज्यादा 89,306.22 करोड़ रुपये घटकर 9,66,261.05 करोड़ रुपये पर आ गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 61,715.32 करोड़ रुपये घटकर 12,57,391.76 करोड़ रुपये रही।

बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 59,082.49 करोड़ के नुकसान के साथ 5,32,053.54 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 53,312.52 करोड़ रुपये घटकर 8,72,067.63 करोड़ रुपये रह गया।

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 42,205.04 करोड़ घटकर 8,97,844.78 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 38,688.78 करोड़ के नुकसान के साथ 10,28,431.72 करोड़ रुपये रह गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 33,289.88 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 18,68,293.17 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 31,245.49 करोड़ रुपये घटकर 4,88,985.57 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का पूंजीकरण 24,230.96 करोड़ रुपये घटकर 5,06,315.58 करोड़ रुपये रह गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 15,401.57 करोड़ रुपये घटकर 5,07,640.94 करोड़ रुपये रह गई।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम पर रही। उसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक, भी शामिल हैं।

एलपीजी की कमी के बीच वैकल्पिक रास्ता अपना रहे रेस्तरां, ऑर्डर में हो रहा है सुधार

नई दिल्ली, (भाषा)। खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन ऑर्डर पर डिलिवरी करने वाले मंच मैजिकपिन ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कमी से प्रभावित रेस्तरांओं के ऑर्डर में अब सुधार देखने को मिल रहा है। मैजिकपिन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशू शर्मा ने कहा कि रेस्तरांओं ने अपने मेन्यू में समायोजन किया है और साथ ही वे खाना पकाने के वैकल्पिक तरीके अपना रहे हैं। शर्मा ने कहा कि एलपीजी आपूर्ति में संकट का ज्यादातर असर छोटे रेस्तरांओं पर पड़ा है जो खाना पकाने के लिए सिलेंडर पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं और जिनके पास वित्तीय संसाधनों की कमी है। शर्मा ने कहा कि खाना पकाने के लिए एलपीजी पर काफी ज्यादा निर्भर रेस्तरांओं के ऑर्डर में शुरुआत में पांच-10 प्रतिशत की गिरावट आई थी, लेकिन अब मांग में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि रेस्तरांओं ने एलपीजी की आपूर्ति की दिक्कतों के बीच अपने मेन्यू में कुछ बदलाव किया है और इंडक्शन, लकड़ी से जलने वाले चूल्हों और इलेक्ट्रिक ओवन जैसे दूसरे तरीके अपनाएं हैं। शर्मा ने कहा कि मैजिकपिन अगले कुछ दिन में सबसे प्रभावित लगभग 10,000 रेस्तरां भागीदारों को इंडक्शन कुकिंग स्टोव बांटने की योजना बना रही है ताकि उन्हें अपना कारोबारी परिचालन जारी रखने में मदद मिल सके।

असफल एटीएम लेनदेन मामले में एक्सिस बैंक को मुआवजा देने का आदेश

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी के मामले में एक्सिस बैंक को फटकार लगाते हुए उसे एक ग्राहक को राशि वापस करने और 10,000 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। ग्राहक को आठ वर्ष पहले एक असफल एटीएम लेनदेन में 5,000 रुपये का नुकसान हुआ था। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एटीएम में ग्राहक के बैंक खाते से राशि डेबिट होने के बाद नकदी नहीं मिलने को गंभीर मामला बताया। आयोग ने कहा कि ऐसे लेनदेन की जांच करना और ग्राहक को तत्काल राहत देना बैंक की जिम्मेदारी है। पिछले महीने दिए गए एक फैसले में, आयोग ने पाया कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और लोकपाल प्रक्रिया के माध्यम से निष्पक्ष सुनवाई प्रदान करने में विफल रहा। यह असफल लेनदेन 19 अगस्त, 2018 का है। नागपुर निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने एक्सिस बैंक के एक एटीएम से 5,000 रुपये निकालने का प्रयास किया था। मामले की सुनवाई आयोग के अध्यक्ष सतीश सप्रे और सदस्य मिलिंद केदार ने एकपक्षीय रूप से की, क्योंकि कानूनी नोटिस दिए जाने के बावजूद एक्सिस बैंक आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। आयोग ने टिप्पणी की कि शिकायतकर्ता की ओर से बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद बैंक यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका कि उसने मामले की उचित जांच कराई या एटीएम के निगरानी कैमरे की जांच की। आयोग ने कहा कि अभिलेखों से स्पष्ट है कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। आयोग ने यह भी कहा कि नोटिस मिलने के बाद भी बैंक ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया के कर्मचारियों ने किया यात्रा नीति का दुरुपयोग, 4,000 से अधिक कर्मियों पर कार्रवाई

नई दिल्लीमुंबई, (भाषा)। एयर इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए निर्धारित अवकाश यात्रा नीति (ईएलटी) के उपयोग में बड़े पैमाने पर विसंगतियां पाई हैं। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में 4,000 से अधिक कर्मचारी शामिल हैं और एयरलाइन ने दोषी कर्मचारियों पर जुर्माना लगाने सहित सुधारात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। इस समय एयरलाइन एक महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना को लागू कर रही है। एयर इंडिया में कुल 24,000 से अधिक कर्मचारी हैं। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एयर इंडिया की ईएलटी नीति के उपयोग में बड़ी गड़बड़ियों का पता एक विस्तृत आंतरिक जांच के बाद चला। ईएलटी नीति के तहत कर्मचारियों और उनके द्वारा नामित व्यक्तियों (जैसे जीवनसाथी और माता-पिता) को एक निश्चित संख्या में मुफ्त हवाई टिकट दिए जाते हैं। यह सुविधा कुछ शर्तों के अधीन होती है। सूत्रों ने बताया कि कई कर्मचारियों ने उन लोगों को अपना रिश्तेदार बताकर इस नीति का दुरुपयोग किया, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं था। कुछ मामलों में तो कर्मचारियों ने मुफ्त टिकट लेकर उन्हें ऊंचे दामों पर बाहरी लोगों को बेच दिया। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए एयर इंडिया को भेजे गए विस्तृत सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है। एक सूत्र ने बताया कि 4,000 से अधिक कर्मचारियों को ईएलटी नीति का दुरुपयोग करते पाया गया है। उल्लंघन के ये मामले पिछले वित्त वर्ष से जुड़े हुए हैं। हालांकि, इस दुरुपयोग के कारण हुए कुल वित्तीय नुकसान और सटीक समय अवधि का पता नहीं चल सका है। एयर इंडिया ने इस दिशा में सुधारात्मक कदम उठाते हुए संबंधित कर्मचारियों से धोखाधड़ी के जरिये ली गई राशि वापस करने को कहा है। इसके साथ ही कई दोषी कर्मचारियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है।

अदाणी-टोटल गैस ने कुछ औद्योगिक ग्राहकों के लिए गैस की कीमत घटाई

नई दिल्ली, (भाषा)। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने कुछ औद्योगिक ग्राहकों को आपूर्ति की जाने वाली अतिरिक्त प्राकृतिक गैस के दाम 119.90 रुपये प्रति मानक घन मीटर से घटाकर 82.95 रुपये प्रति मानक घन मीटर कर दिए हैं। यह बदलाव 16 मार्च की सुबह छह बजे से लागू होगा। अदाणी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जी के शहर गैस संयुक्त उद्यम ने कहा कि यह मूल्य संशोधन उपभोक्ताओं तक कम कीमत का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। साथ ही यह मौजूदा आपूर्ति प्रतिबंधों के दौरान प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने और गैस का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के आवागमन में व्यवधान के कारण भारत में एलएनजी आपूर्ति प्रभावित हुई थी। इसके कारण कंपनी ने वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों से कहा था कि वे अपनी अनुबंधित गैस खपत का केवल 40 प्रतिशत ही उपयोग करें। कंपनी ने उपयोगकर्ताओं को सूचित किया, हमें आपको यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि तीन मार्च, 2026 की अधिसूचना के अनुसार अतिरिक्त गैस के दाम बढ़ाकर 119.90 रुपये प्रति मानक घन मीटर किए गए थे, जिसे अब घटाकर 82.95 रुपये प्रति मानक घन मीटर कर दिया गया है। यह 16 मार्च, 2026 से सुबह छह बजे से लागू होगी। कंपनी ने कहा कि यह संशोधन उपभोक्ताओं को कम कीमत का लाभ देने के उद्देश्य से किया गया है। कंपनी ने मौजूदा आदेश के तहत औद्योगिक ग्राहकों को 80 प्रतिशत आपूर्ति के संबंध में गैस आपूर्ति निगम से स्पष्टता भी मांगी है। पूर्व में कंपनी वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों से 40 प्रतिशत की सीमा के बाद बढ़ी हुई मात्रा पर 119.90 रुपये प्रति घन मीटर का शुल्क वसूल रही थी।

खेती में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए 900 संस्थानों को जोड़ेगा आईसीएआर

नई दिल्ली, (भाषा)। कृषि अनुसंधान निकाय आईसीएआर ने रविवार को कहा कि वह खेती में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने के लिए 900 से अधिक संस्थानों को जोड़ने वाला एक राष्ट्रीय जेंडर प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कृषि खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक गठबंधन का प्रस्ताव अपनाया गया है। कृषि खाद्य प्रणालियों में महिलाएं (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) विषय पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एम एल जाट ने बताया कि यह मंच आईसीएआर संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि विश्वविद्यालयों को जोड़ेगा। इसका मकसद कृषि में महिलाओं पर केंद्रित अनुसंधान, विस्तार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दिल्ली में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 18 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन का समापन दिल्ली घोषणापत्र को अपनाने के साथ हुआ, जिसमें कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं पर केंद्रित एक वैश्विक गठबंधन स्थापित करने का आह्वान किया गया है। घोषणापत्र के जरिये हितधारकों ने लैंगिक रूप से उत्तरदायी नीतियों को बढ़ावा देने, महिलाओं की भूमि, वित्त, प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार तक पहुंच सुनिश्चित करने और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता जताई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 मार्च को इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था।

दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहर आवास बाजार में वृद्धि के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण : रिपोर्ट

नई दिल्ली, (भाषा)। रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी स्क्वायर यार्ड्स की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहर आवास बाजार के अगले वृद्धि चरण को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, कोविड महामारी के बाद घर की कीमतों में वृद्धि के कारण बड़े शहरों में मांग प्रभावित हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 से 2024 के दौरान मकानों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी होने के कारण प्रमुख शहरों में घर खरीदने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता जैसे सात बड़े शहरों में किफायती और मध्यम आय वर्ग के मकानों की नई आपूर्ति सीमित रहने से स्थिति और कठिन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि महामारी के बाद महानगरों में मकानों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी का जो दौर रहा, अब उसमें स्थिरता के संकेत दिखाई देने लगे हैं और आवास बाजार एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है।कंपनी के अनुसार, कई बड़े महानगर क्षेत्रों में मकानों की कीमतों में वृद्धि लोगों की आय में हुई बढ़ोतरी से अधिक रही है।

दुबई की कंपनी केरल में करेगी 52,600 करोड़ रुपये का निवेश

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। दुबई की कंपनी सोलस्टिस डेटा ने कन्नूर जिले के मट्टनूर में केइन्फ्रा औद्योगिक पार्क में 52,600 करोड़ रुपये कर निवेश करने के लिए आधिकारिक रूप से सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस ऐतिहासिक करार के तहत, पार्क के अंदर कंपनी को 100 एकड़ जमीन का आवंटन अपनी सुविधाओं के विकास के लिए किया जाएगा। इस एमओयू का तिरुवनंतपुरम में सोलस्टिस डेटा के कंट्री प्रमुख (इंडिया) राज बाबू तुलसीधरन और केइन्फ्रा के प्रबंध निदेशक संतोष कोशी थॉमस के बीच औपचारिक रूप से आदान-प्रदान हुआ। यह कार्यक्रम शनिवार को उद्योग मंत्री पी राजीव और निदेशक-उद्योग पी विष्णुराज की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र पर उठा विवाद

योगी की सख्त हिदायत- न की जाए अमर्यादित टिप्पणी

वीर अर्जुन संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर उठे विवाद के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए।

राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए।बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कहा है कि इस निर्देश का संज्ञान लेते हुए सभी भर्ती परीक्षाओं में प्रश्न पत्र बनाने वालों को निर्देशित किया जाए और बार-बार गड़बड़ी करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए।बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिया है कि इस हिदायत को प्रश्न पत्र बनाने वालों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापन (एमओयू) का भी हिस्सा बनाया जाए।उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर खासा विवाद खड़ा हो गया है।शनिवार को आयोजित परीक्षा में एक प्रश्न पूछा गया था-ैअवसर के अनुसार बदल जाने वालों के लिए एक शब्द में उत्तर दें। इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे- पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी। प्रश्न के विकल्पों में पंडित शब्द शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में जांच के निर्देश दिए हैं।राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रश्न में दिए गए विकल्पों पर सरकार को गंभीर आपत्ति है और इसे संज्ञान में लिया गया है।इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने शनिवार देर शाम कहा कि संदर्भित प्रश्न के संबंध में जांच के आदेश दिए गए हैं और जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आम आदमी पार्टी ने असम चुनाव के लिए पहली सूची जारी की

गुवाहाटी, (भाषा)। आम आदमी पार्टी ने रविवार को नौ अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने राज्य उपाध्यक्ष अनुरुपा डेकाराजा सहित 14 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की।सूची में शामिल सभी निर्वाचन क्षेत्र ब्रह्मपुत्र घाटी में स्थित हैं। डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से और रेणुका तिमुंगपी बोकाजान से चुनाव लड़ेंगी। आप के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी सूची में नामित अन्य उम्मीदवारों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), रंजीत बोरो (नदुआ), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिन्ना आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं।असम विधानसभा में अभी तक अपना खाता भी नहीं खोल पाने वाली आम आदमी पार्टी यहां किसी अन्य विपक्षी दल के साथ गठबंधन किए बिना चुनाव लड़ेगी। वर्तमान में 126 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा की ताकत 64 है, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) के पास नौ विधायक, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के पास सात और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के पास तीन सदस्य हैं। विपक्ष में कांग्रेस के 26 विधायक, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के 15 सदस्य और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) का एक विधायक है। एक निर्दलीय विधायक भी है। राज्य में मतगणना चार मई को होगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की होगी हार : अखिलेश यादव

मुंबई, (भाषा)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अगले महीने होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा।अखिलेश ने साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी मुख्यमंत्री के पद पर बनी रहेंगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि समाजवादी पार्टी असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल सहित चार राज्यों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को अपना समर्थन देगी। इन चार राज्यों में अप्रैल में विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने कहा, हम असम में एक सीट की मांग कर रहे हैं, और अगर ऐसा नहीं भी होता है, तो भी हम इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेंगे। असम और केरल में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में और तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा। अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने और साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली न बन जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करने के लिए पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की सराहना की और कहा कि लोग केंद्र सरकार के भेदभाव या कुप्रबंधन को नहीं भूलेंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सम्मानजनक हार चाहती है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्य के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री के रूप में फिर से लौटेंगी। सपा नेता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर चालक बदलेगा और वह योगी आदित्यनाथ की जगह मुख्यमंत्री बनेंगे। अखिलेश ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सत्ता में आती है, तो वह इटावा में छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित।,000 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ एक पार्क विकसित करेगी।अखिलेश यादव ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पिछले महीने इजराइल की अपनी यात्रा से लौटते समय ईरान में रुकना चाहिए था, और मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को रोकने तथा विश्वगुरु बनने का अवसर गंवा दिया।

बीजद के राज्यसभा उम्मीदवार ने बीजू नवीन फाउंडेशन के बारे में जानकारी का खुलासा नहीं किया: भाजपा

भुवनेश्वर, (भाषा)। ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि बीजू जनता दल (बीजद) के आधिकारिक राज्यसभा उम्मीदवार संतृप्त मिश्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में बीजू नवीन इंस्पिरेशनल फाउंडेशन से अपने जुड़ाव के बारे में जानकारी का खुलासा नहीं किया है।

ओडिशा भाजपा के प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने एक बयान में कहा कि बीजद उम्मीदवार संतृप्त मिश्रा ने जानबूझकर बीजू नवीन इंस्पिरेशनल फाउंडेशन से अपने जुड़ाव की जानकारी छुपाई है और वे गंभीर मुसीबत में पड़ सकते है। चुनाव जीतने पर भी उनकी सदस्यता को चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा, ैमिश्रा बीजू नवीन इंस्पिरेशनल फाउंडेशन के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बीजद ने कहा कि भाजपा एक ैबेबुनियाद, झूठी और मनगढ़ंत कहानी फैला रही है।बिस्वाल ने कहा, ैबीजद उम्मीदवार मिश्रा को बीजू नवीन इंस्पिरेशनल फाउंडेशन में अपनी संलिप्तता के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने की आवश्यकता है। भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव नियमों के तहत, उम्मीदवारों के लिए अपने हलफनामे में सभी प्रासंगिक जानकारी का खुलासा करना अनिवार्य है, जिसमें बैंक खाते, संपत्ति, आपराधिक मामले, साथ ही गैर सरकारी संगठनों या ट्रस्टों के साथ उनका संबंध शामिल है। बिस्वाल ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 15ए के अनुसार, यदि कोई उम्मीदवार चुनाव शपथ पत्र में झूठी जानकारी देता है या तथ्यों को छुपाता है, तो उसका नामांकन रद्द किया जा सकता है या मामले को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि अपराध सिद्ध हो जाता है तो उम्मीदवार अपना पद खो सकता है और उसे छह महीने तक की कैद हो सकती है।

सीमा पार से संचालित तस्करी मॉड्यूलों से जुड़े 6 व्यक्ति गिरफ्तार

वीर अर्जुन संवाददाता

अमृतसर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल और 3.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद कर सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के दो अलग-अलग मॉड्यूलों का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने कहा गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान करन सिंह (26), गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (22), राकेश उर्फ केशू (26), चमकौर सिंह उर्फ चमकौर (23) चारों निवासी खेमकरण, जिला तरनतारन तथा मखखनदीन उर्फ मख्खन (22) निवासी नाग कलां, अमृतसर और जसबीर सिंह उर्फ बीरा उर्फ रघु (19) निवासी गांव मूलेचक्क , अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में तीन पीएक्स 5.7स28 एमएम टीआईएसएएस (तुर्की) पिस्तौल, दो .30 बोर और एक 9 एमएम पिस्तौल के अलावा 60 जिदा

कारतूस भी शामिल हैं। इस कार्रवाई में बरामद किए गए आधुनिक ऑटोमैटिक पीएक्स 5.7स28 एमएम टीआईएसएएस तुर्की सीरीज़ के पिस्तौल नवीनतम हथियार हैं और यह दुर्लभ बरामदगियों में से एक माने जाते हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पाकिस्तान-आधारित तस्करों से संबंधों का खुलासा हुआ है, जो ड्रोन के माध्यम से भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट हथियारों और नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपी सीमा पार के एक हैंडलर के अधीन काम कर रहे थे, जिससे संकेत मिलता है कि यह एक बड़ा संगठित तस्करी नेटवर्क हो सकता है।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।पुलिस आयुक्त अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गश्त और तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों करन सिंह और गुरप्रीत उर्फ गोपी को रोका।

यूपीएससी में रैंक हासिल कर बेटियों ने बढ़ाया उत्तराखंड का मान: धामी

वीर अर्जुन संवाददाता

उधमसिंहनगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित शांभवी तिवारी निवासी किच्छा, प्रिया चौहान काशीपुर, सौम्या गर्ब्याल निवासी भीमताल से अपने निजी आवास नगला तराई में संवाद कर बधाईयां दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों ने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों बेटियों की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और उनके समर्पण, अनुशासन व मेहनत का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सिविल सेवा में चयनित तीनों बेटियों को पुस्तक,उपहार व शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा इस सफलता के लिए बधाईयां दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने उनके परिजनों से भी वार्ता की व बधाईयां दी। मुख्यमंत्री धामी ने जनपद की जिला पर्यटन विकास अधिकारी लता बिष्ट को भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित माउंट

चंद्रभागाकृ13 (6264)मीटर व माउंट चंद्रभागा कृ 14 (6074)मीटर के पर्वतारोहण अभियान का टीम लीडर के रूप में नेतृत्व कर सफलता पूर्वक आरोहण करने के लिए बधाईयां दी व उन्हें शाल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति,मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एएसपी डॉ उत्तम सिंह नेगी, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन आदि मौजूद थे।

गैस सिलेंडर जमाखोरी: गैस एजेंसी मालिक समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (भाषा)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में गैस सिलेंडर की जमाखोरी व उनकी कालाबाजारी की कोशिश करने के आरोप में गैस की एक एजेंसी की मालक और प्रबंधक समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि जिला आपूर्ति विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की संबंधित धाराओं के तहत काकोरी थाने में मामला दर्ज किया गया।पुलिस के मुताबिक, 14 मार्च को गुप्त सूचना पर कार्वाई करते हुए जिला पूर्ति अधिकारी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने काकोरी इलाके में मोहान रोड के पास स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट परिसर में छापेमारी की थी। पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान अधिकारियों को रिसॉर्ट परिसर में खड़े एक ट्रक में रसोई सिलेंडर लदे हुए मिले।पुलिस के मुताबिक, अधिकारियों ने वाहन से 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 65 खाली घरेलू गैस सिलेंडर, नौ भरे हुए सिलेंडर और छह किलोग्राम क्षमता वाले 14 खाली सिलेंडर बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि ये सिलेंडर रिसॉर्ट परिसर में बिना किसी अनुमति के और बिना किसी वैध रिफिल वाउचर या संबंधित दस्तावेजों के जमा किए गए थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में संबंधित गैस एजेंसी की मालिक मंजू कनौजिया, अभिनंदन रिसोर्ट के मालिक सुरेंद्र कुमार और गैस एजेंसी के प्रबंधक इफ्तिदा हुसैन के साथ-साथ जमील अहमद और साहिल नामक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

बेंगलुरु में ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को पांच-पांच करोड़ रिश्वत की पेशकश की गई : सांसद उलाका

भुवनेश्वर/बेंगलुरु, (भाषा)। ओडिशा में राज्यसभा चुनाव से पहले क्रॉस-वोटिंग की आशंकाओं के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कोरापुट से सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने रविवार को दावा किया कि बेंगलुरु के एक होटल में रह रहे राज्य के पार्टी विधायकों को पांच-पांच करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की गई। उलाका ने यह आरोप कांग्रेस विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश करने के आरोप में बेंगलुरु पुलिस द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में लगाया। उलाका ने दावा किया, वे कांग्रेस विधायकों को पांच करोड़ रुपये प्रति विधायक देने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। भाजपा की ओडिशा इकाई के प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस का आरोप झूठा है। राज्यसभा चुनाव में कल होने वाली अपनी निश्चित हार को भांपते हुए वे ऐसे निराधार दावे कर रहे हैं। कांग्रेस को क्रॉस-वोटिंग की आदत है। उलाका के मुताबिक, चार लोग बीरेंद्र प्रसाद, सुरेश, अजीत साहू और सिमांचल महाकुड उसी होटल में ठहरे थे जहां कांग्रेस विधायक रुके हुए हैं। उन्होंने दावा किया, ये चारों ओडिशा के राउरकेला से आए थे और शनिवार रात होटल में रुके थे। उलाका ने दावा किया, उन्होंने विधायकों को पांच-पांच करोड़ रुपये देने की कोशिश की थी। उनके पास से ब्लैंक चेक बरामद हुए। कर्नाटक पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने के दौरान उन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय का नाम लिया।

उन्होंने आरोप लगाया, होटल का मालिक राय है। जांच के दौरान जायसवाल नाम के एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है, जो कथित तौर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के करीबी हैं। कांग्रेस सांसद ने मामले की उचित जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि चारों व्यक्तियों ने कांग्रेस विधायकों को धमकी दी थी।

पश्चिम बंगाल: जानिए टीएमसी, भाजपा, माकपा व कांग्रेस की ताकत व कमजोरियां

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को बताया कि राज्य में दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी और विपक्षी भाजपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों की ताकत और कमजोरी पर चर्चा शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी बीते एक दशक से अधिक समय से राज्य में मजबूत जनाधार और सत्ता बरकरार रखे हुए है। टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत बनर्जी की प्रभावशाली छवि बनी हुई है, जिनका जनाधार और जूझारू रवैया अब भी बंगाल की राजनीति में विपक्षी दलों पर भारी है। बीते वर्षों में उन्होंने खुद को राज्य स्तर पर एक कद्दावर नेता और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की आवाज के रूप में स्थापित किया है। पार्टी की एक और ताकत इसका मजबूत संगठनात्मक ढांचा है, जो राज्य नेतृत्व से लेकर गांवों और शहरों में बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं तक फैला हुआ है। पंचायत निकायों, नगरपालिका बोर्ड और स्थानीय समितियों के माध्यम से इस नेटवर्क को मजबूती मिली है। इसके अलावा इस नेटवर्क के जरिये पार्टी को मतदाताओं को प्रभावी ढंग से संगठित और सक्रिय रखने में मदद मिली है। सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान, टीएमसी ने स्थानीय स्तर पर अपनी मशीनरी को सक्रिय किया ताकि इस प्रक्रिया की निगरानी करके यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसका जनाधार अटूट बना रहे। इसके अलावा पार्टी ने लक्ष्मी बंधन, कन्याश्री और स्वास्थ्य साथी जैसी योजनाओं के जरिये महिलाओं, ग्रामीण मतदाताओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को अपने साथ जोड़े रखा है। हालांकि टीएमसी की कुछ कमजोरियां भी हैं। पिछले 15 वर्षों से सत्ता में रहने के बाद टीएमसी सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। कई जिलों में स्थानीय प्रशासन से असंतोष, भ्रष्टाचार के आरोप और नेताओं के प्रति नाराजगी उभरकर सामने आई है।

पार्टी के भीतर गुटबाजी एक और चुनौती बनी हुई है। जिला स्तरीय नेताओं के बीच प्रतिद्वंद्विता और राजनीतिक प्रभाव के लिए होड़ कभी-कभी सार्वजनिक झगड़ों का कारण बन चुकी है, विशेषकर स्थानीय चुनावों के दौरान। ऐसी तनावपूर्ण स्थितियां संगठनात्मक एकजुटता को कमजोर कर सकती हैं, जब पार्टी को एसआईआर प्रक्रिया के राजनीतिक निहितार्थों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए संगठित होने की आवश्यकता है। दूसरी ओर विपक्षी दल भाजपा भी इस बार जोर-शोर से चुनावी मैदान में उतरी है। हालांकि उसकी भी कुछ ताकत और कुछ कमजोरियां हैं।पश्चिम बंगाल में भाजपा टीएमसी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आलाकमान के प्रभावशाली नेतृत्व से आस लगाए हुए है।

विष्णु देव साय ने गौधाम योजना का किया शुभारंभ

वीर अर्जुन संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जिला बिलासपुर के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम लाखासार स्थित गौधाम का शुभारंभ करते हुए प्रदेश में गोधन संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने गोमाता की विधिवत पूजा-अर्चना करने के उपरांत गौधाम परिसर का अवलोकन कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।मुख्यमंत्री श्री साय ने गौधाम में आश्रय प्राप्त बेसहारा एवं आवारा पशुओं की देखरेख, चारा, पानी तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और चारागाह का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम लाखासार में लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में गौधाम विकसित किया गया है, जिसमें से 19 एकड़ भूमि पर

पशुओं के लिए हरे चारे की खेती की जा रही है। गौधाम का संचालन कामधेनु गौशाला समिति द्वारा किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की जा रही गौधाम योजना का उद्देश्य प्रदेश में बेसहारा मवेशियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना, उनके संरक्षण को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि गोधन हमारी ग्रामीण संस्कृति, कृषि व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गोधन संरक्षण और बेसहारा मवेशियों की देखभाल के लिए गौधाम योजना को राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है, जिससे गौसेवा की परंपरा को मजबूती मिलने के साथ ही पशुधन संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की कि अब राज्य के सभी गौधाम सुरभि गौधाम के नाम से जाने जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के गौधामों में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे गौसेवा के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने लाखासार ग्राम के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने लाखासार में महतारी सदन, मिनी स्टेडियम तथा 500 मीटर लंबाई के गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की।

इसके साथ ही लाखासार गौधाम में प्रशिक्षण भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत करने तथा एक काऊ कैचर और एक पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की, जिससे क्षेत्र में गौसंरक्षण और स्थानीय विकास कार्यों को और मजबूती मिलेगी।

दक्षिण के द्वार नेपानगर को बनाएंगे मप्र के विकास का प्रमुख द्वार : डॉ. यादव

भोपाल (ब्यूरो प्रमुख)। नेपानगर अद्भुत नगरी है। यह कृषि और उद्योग का बेजोड़ संगम है। बुरहानपुर जिला मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण है। हम बुरहानपुर के एग्री एक्सपोर्ट और प्रोसेसिंग का हब बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय वर्ग का समग्र विकास हमेशा से ही हमारी पहली प्राथमिकता रही है। जनजातीय समाज के समग्र कल्याण के लिए नए वित्त वर्ष 2026-27 के सालाना बजट में 26 प्रतिशत की वृद्धि कर 47 हजार 428 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा है, जिससे जनजातीय वर्ग के चहुंमुखी विकास और कल्याण में कोई कमी न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय पीएम जन-मन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य प्रदेश में जनजातीय कल्याण का नया अध्याय लिख रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को बुरहानपुर जिले के जनजातीय बहुल नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र को 363 करोड़ 82 लाख रुपए के 127 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 191 करोड़ 62 लाख रुपए लागत के 81 विकास कार्यों का भूमिपूजन (30.59 करोड़ से सातपायरी में औद्योगिक प्रक्षेत्र के भूमिपूजन सहित) और 172 करोड़ 20 लाख रुपए लागत के 46 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। विकास तभी सार्थक है, जब इसके प्रकाश का पूरा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन विकास कार्यों की सौगात मिली है, यह इस क्षेत्र के जनजातीय बंधुओं के कल्याण में

मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास के पन्नों में नेपानगर दक्षिण के द्वार के रूप में अंकित है। कभी खानदेश और दक्षिण की काशी के रूप में पहचाने जाने वाले नेपानगर को हमारी सरकार महाराष्ट्र के छोर पर मध्यप्रदेश के विकास के प्रमुख द्वार के रूप में विकसित करेगी। नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में दो प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं (झिरमिट्टी मध्यम सिंचाई परियोजना एवं नावथा वृहद सिंचाई परियोजना) को शासकीय मंजूरी मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि ये सिंचाई परियोजनाएं इस क्षेत्र के 34 हजार 400 किसान परिवारों की तकदीर और तस्वीर बदल देंगी। उन्होंने बताया कि कुल 2598.97 करोड़ रुपये की इन दोनों परियोजनाओं से जनजातीय बहुल क्षेत्र में 51800 हेक्टेयर कृषि रकबे में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं से 132 गांव लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी के भी अनर्गल प्रलाप से कतई प्रभावित न हों। इन परियोजनाओं के निर्माण में हमारी सरकार किसी भी व्यक्ति या किसान को घर से बेघर नहीं होने देगी। हम सबके हितों का बराबर ध्यान रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेपानगर पेपर मिल इस क्षेत्र की पहचान है। यह मिल हमेशा की तरह चलती रहेगी। इस चलाए रखने के लिए हम सभी व्यवस्थाएं और समुचित प्रबंधन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस मिल के कागज भी खरीदेगी और श्रमिक को उसके रोजगार से जोडे रखेगी।

सीएम ने कहा कि बीते एक माह के दौरान ही दो कार्यक्रमों में बुरहानपुर जिले को करीब 1100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। बुरहानपुर के शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय की पढ़ाई प्रारंभ कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपानगर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्मृति में एक आकर्षक उद्यान बनाया जाएगा। धूलकोट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रोन्नत किया जाएगा।

बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, उस्मान हादी के हत्यारों को भारत में दाखिल कराने का है आरोप

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बांग्लादेश के युवा नेता शरीफ उस्मान हादी के संदिग्ध हत्यारों को भारत भागने में मदद करने के आरोप में एक बांग्लादेशी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा उत्तर 24 परगना जिले के बोंगांव से हादी की हत्या के सिलसिले में वांछित दो संदिग्धों को गिरफ्तार करने के एक सप्ताह बाद हुई है।

आरोपियों की पहचान बांग्लादेश के पटुआखलि निवासी फैसल करीम मसूद (37) उर्फ राहुल, और ढाका निवासी आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई।पुलिस अधिकारी के मुताबिक दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि फिलिप संगमा नामक एक व्यक्ति ने मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने में उनकी मदद की थी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर एसटीएफ ने संगमा का पता लगाया और शनिवार सुबह पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के शांतिपुर बाईपास क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया।एक अन्य अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि बांग्लादेशी नागरिक संगमा कथित तौर पर हलुआघाट (बांग्लादेश) और दलूपाड़ा (मेघालय) क्षेत्रों में सीमा के रास्ते पैसे के बदले घुसपैठ कराने में मदद करता है।